3 | राजधानी
नालों पर बने चेक डैम ने रोका प्रदूषण

6 | अभिमत
कठघरे में अकेले रूस ही नहीं

10 | विदेश
युद्ध करने को स्वदेश लौट रहे हैं यूक्रेनी

11 | विविध
साइबर सुरक्षा है जरूरी

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 113
नई दिल्ली, सोमवार, 28 फरवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

राफेल नडाल ने कैरियर का 91वां खिताब जीता
स्पोर्ट्स-12

पुतिन ने परमाणु बल को अलर्ट पर रखने का दिया आदेश

एपी। कीव

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को रूसी परमाणु बलों को हाई अलर्ट पर रखने का आदेश दिया जिससे यूक्रेन पर रूस द्वारा किए गए हमले पर पूर्वी और पश्चिमी देशों के बीच तनाव और बढ़ने का अंदेशा है। पुतिन ने कहा कि नाटो के प्रमुख सदस्य देशों द्वारा आक्रामक बयानबाजी की प्रतिक्रिया में उन्होंने यह निर्णय लिया। इस आदेश का अर्थ है कि पुतिन रूस के नाभिकीय हथियारों को दागने के वास्ते तैयार रखना चाहते हैं। उनके इस निर्णय से दुनिया में परमाणु युद्ध के बादल मंडराने लगे हैं।

शीर्ष अधिकारियों संग की गई एक बैठक में पुतिन ने रूस के रक्षा मंत्री और मिलिट्री जनरल स्टाफ के प्रमुख को आदेश दिया कि परमाणु रोधी बलों को युद्ध संबंधी दायित्व के लिए तैयार रखा जाए। टीवी पर प्रसारित बयान में पुतिन ने कहा, पश्चिमी देश न केवल हमारे देश के विरुद्ध आर्थिक प्रतिबंध लगा रहे हैं बल्कि नाटो के प्रमुख सदस्य देशों के उच्च अधिकारियों ने हमारे देश के संबंध में आक्रामक बयान दिए हैं। वहीं यूक्रेन के कई हवाई अड्डों, ईंधन केंद्रों तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के बाद रविवार को रूसी सेना ने दक्षिण क्षेत्र में स्थित रणनीतिक बंदरगाहों पर भी नियंत्रण करन का प्रयास किया लेकिन शहरों में उसे

● रूसी सेना यूक्रेन के बंदरगाहों पर कब्जा करने के प्रयास में, शहरों में प्रतिरोध का सामना

जबरदस्त प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। राजधानी कीव सुबह धमाकों से दहल उठी। अधिकारियों ने एक हवाई अड्डे पर विस्फोट की सूचना दी है। शहर की सुनसान पड़ी मुख्य सड़कों पर गिनती की कारें ही दिखीं। कीव में 39 घंटे के कर्फ्यू के कारण लोग सड़कों से दूर रहे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, हम अपने देश के लिए लड़ रहे हैं, अपनी आजादी को बनाए रखने के लिए लड़ रहे हैं क्योंकि हमें ऐसा करने का अधिकार है। उन्होंने कहा, पिछली रात कठिन थी। भीषण गोलाबारी हुई, रिहायशी क्षेत्रों में भी बमबारी की गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। हमलावर सैन्य-असैन्य सभी स्थानों को निशाने पर ले रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के मुताबिक सैन्य बढ़त बनाने के बाद रूस ने यूक्रेन के साथ शांति वार्ता के लिए एक प्रतिनिधिमंडल को बेलारूस भेजा।

हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अन्य स्थानों पर वार्ता का प्रस्ताव देते हुए कहा कि उनका देश बेलारूस में बैठक करने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि उसने आक्रमण में रूस की

कीव में एक तेल डिपो पर रूस के मिसाइल हमले के बाद उठता धुआं

मदद की है। रूसी सैनिक रविवार को खारकीव के बाहरी इलाके तक पहुंच गए हैं। खारकीव रूस की सीमा से 20 किलोमीटर की दूरी पर है। बाकी इलाकों में सेना भीतरी क्षेत्रों में दाखिल होने की कोशिश कर रही है। यूक्रेन की मीडिया और सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में रूसी वाहनों को खारकीव में चक्कर लगाते हुए देखा गया और एक वाहन सड़क पर जलता नजर आया। एक वीडियो में यूक्रेनी सैनिकों को रूसी सैन्य वाहनों का निरीक्षण करते हुए देखा गया, जिन्हें रूसी सैनिक गोलाबारी में क्षतिग्रस्त होने के बाद छोड़ गए हैं। तस्वीरों व वीडियो से संकेत मिलता है कि रूसी सैनिकों को शहरों में यूक्रेनी सेना से कड़ा प्रतिरोध मिल रहा है। यूक्रेन के आम लोग भी स्वेच्छा से कीव और अन्य शहरों की रक्षा में मदद करने के लिए आगे आए हैं। उन्होंने अधिकारियों द्वारा वितरित बंदूकें लीं और रूसी सेना से लड़ने के लिए मोर्चा संभाल लिया। यूक्रेन के अभियोजक कार्यालय के अधिकारी एंड्री सिन्युक ने रविवार को होरोमाडस्के टीवी चैनल को बताया कि सरकार सैन्य अनुभव रखने वाले कैदियों को रिहा कर रही है जो देश के लिए लड़ना चाहते हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या यह कदम सभी तरह के अपराधों के दोषी करार दिए गए कैदियों पर लागू होता है।

अमेरिका और यूरोपीय संघ ने जवाबी कदम के साथ यूक्रेन को हथियारों और गोला-बारूद की आपूर्ति करने तथा मास्को को और अलग-थलग करने के इरादे से कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। कीव के मेयर के अनुसार, वासिलकिव में हवाई अड्डे के पास एक तेल डिपो से आग की लपटें आसमान में फैल गईं। इस क्षेत्र में रूस की सेना से यूक्रेनी सैनिकों की भीषण लड़ाई हुई। राष्ट्रपति जेलेंस्की के कार्यालय ने कहा कि असैन्य जुलियानी हवाई अड्डे पर एक और विस्फोट हुआ। जेलेंस्की के कार्यालय ने यह भी कहा कि रूसी सेना ने खारकीव में एक गैस पाइपलाइन को उड़ा दिया। बमबारी के डर से कीव में बच्चों समेत लोगों ने बंकरों और भूमिगत मेट्रो स्टेशनों, अन्य जगहों पर पनाह ली। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन पर रूस का आक्रमण नरसंहार की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा, रूस ने बुराई का रास्ता चुना है और दुनिया को उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से बाहर कर देना चाहिए।

यूक्रेन संकट पर मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक

भाषा। नई दिल्ली

यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष और वहां फंसे भारतीयों को वापस लाने की कवायद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की और वस्तुस्थिति की समीक्षा की। इस बैठक में मोदी के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेन के कई हवाई अड्डों, ईंधन केंद्रों तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के बाद रविवार को रूसी सेना ने दक्षिण क्षेत्र में स्थित रणनीतिक बंदरगाहों पर भी नियंत्रण करने का प्रयास किया। हालांकि शहरों में रूस को यूक्रेन के जबरदस्त प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञात हो कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के मद्देनजर पैदा हुई वैश्विक स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से पिछले दिनों बात की थी और हिंसा रोकने और वार्ता आरंभ करने की अपील की थी। इसके बाद शनिवार को यूक्रेन (शेष पेज 9)

छात्रों की मदद के लिए जारी किए हेल्पलाइन नंबर व ट्वीटर हैंडल

● यूक्रेन से लगी हंगरी, रोमानिया व स्लोवाकिया की सीमाओं पर फंसे हैं छात्र

तसलीम अहमद। नई दिल्ली

बिश्वा भारती खुशनसीब हैं। ऑपरेशन गंगा के तहत शुरू की गईं फ्लाइट से रविवार सुबह दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरीं और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में अपने परिवार के पास पहुंच गईं। बिश्वा और उनके परिवार ने राहत की सांस ली, लेकिन हजारों छात्र ऐसे हैं जो यूक्रेन की सीमाओं पर मुसीबत में फंसे हैं। यूक्रेन से लगी पोलैंड, हंगरी और रोमानिया की सीमाओं पर रूह कंपा देने वाले ऐसे ही मंजर दिख रहे हैं, जैसे कोरोना की पहली लहर के दौरान लगाए गए लॉकडाउन के शुरुआती दिनों में दिल्ली, मुम्बई और अन्य बड़े शहरों में सामने आए थे।

केंद्र सरकार ऑपरेशन गंगा के तहत अपने नागरिकों को वापस लाने के प्रयास तो कर रही है। सोशल मीडिया पर तैर रहे छात्रों की स्थिति दिखाते वीडियो बहुत डरावने हैं। शून्य से नीचे तापमान में कांपते हाथों में बैग, ट्रॉली बैग हैं, यूक्रेन की रिहायश छोड़ चुके हैं और अगला ठिकाना (भारत) अभी हजारों किलोमीटर दूर है। छात्र लगातार सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर मदद मांग रहे हैं। कई-कई घंटों से भूखे-प्यासे छात्रों को युद्धग्रस्त देश से निकलने की जल्दी तो है, लेकिन पड़ोसी देशों के अधिकारी वीजा और अन्य जांच पड़ताल के बाद ही प्रवेश दे रहे हैं। इस प्रक्रिया में लग रही देरी के कारण (शेष पेज 9)

अपनी धरती पर उतरते ही भूल गए सारे गम

भाषा। नई दिल्ली

ऑपरेशन गंगा के तहत रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट और हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से एयर इंडिया की तीन उड़ानों में सवार होकर 688 भारतीय नागरिक रविवार को भारत पहुंचे। नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही सारी चिंता दूर हो गई। एयरपोर्ट से बाहर निकल रहे छात्रों के चेहरों बेफिक्री थी। अपनों को देखते ही कोई खुशी के मारे आंसू नहीं रोक पा रहा था तो कोई गले लगकर अलग ही नहीं हो रहा था। हर कोई खुश। अभी तक यूक्रेन से आई चार निकासी उड़ानों के जरिए कुल 907 भारतीय नागरिकों को वापस लाया जा चुका है। केंद्रीय विदेश सचिव हर्ष वी श्रृंगला ने रविवार को यूक्रेन से फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए 28 फरवरी (शेष पेज 9)

अमेरिका ने भारतीयों के लिए वीजा के नियमों में छूट प्रदान की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका ने इस साल 31 दिसंबर तक भारत में अपने दूतावासों में छात्रों तथा कामगारों समेत कई वीजा आवेदकों के लिए व्यक्तिगत रूप से पेश होकर साक्षात्कार देने की अनिवार्यता में छूट दी है। अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक ने भारतीय समुदाय के नेताओं को यह जानकारी दी। जिन आवेदकों को छूट मिली हैं, उनमें छात्र (एफ, एम और अकादमिक जे वीजा), कामगार (एच-1, एच-2, एच-3 और व्यक्तिगत एल वीजा), संस्कृति और असाधारण क्षमता के लोग (ओ, पी तथा क्यू वीजा) शामिल हैं। दक्षिण एशिया समुदाय के नेता और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के एशियाई अमेरिकियों के लिए सलाहकार अजय जैन भूटोरिया ने दक्षिण मध्य एशिया के सहायक विदेश मंत्री डोनल लू से मुलाकात के बाद कहा, वीजा आवेदकों को इस सहयोग की काफी आवश्यकता थी। हमारे दोस्तों और करीबी परिजनों के लिए यह काफी मददगार होगा (शेष पेज 9)

चौथी कोविड लहर जून तक आने की आशंका

● आईआईटी कानपुर का आकलन, जून अंत से भरेगी जोर एवं अक्टूबर तक रहेगा प्रकोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना संक्रमण मामलों में कमी आने के साथ ही कोविड प्रतिबंधों में ढील दे दी गई है, लेकिन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर की एक रिपोर्ट चौंकाने वाली है। इस रिपोर्ट में भारत में कोविड महामारी की चौथी लहर की जून मध्य या अंत तक आने की आशंका जताई गई है। आईआईटी कानपुर की टीम के अनुसार महामारी में करीब 22 जून से 24 अक्टूबर तक लगभग 4 महीने बढ़ोतरी जारी रहने की संभावना है।

आईआईटी कानपुर के कोविड -19 की पहले के अनुमान काफी हद तक सटीक रहे हैं। हालांकि आईआईटी टीम ने कहा कि महामारी की गंभीरता, नए संस्करण के उद्भव, प्रकृति, टीकाकरण की स्थिति और साथ ही देश भर में बूस्टर खुराक के

लगाए जाने पर निर्भर करेगी। यह सांख्यिकीय भविष्यवाणी 24 फरवरी को प्रीप्रिंट सर्वर मेडरेक्सवी पर प्रकाशित की गई थी। हालाँकि, इस रिपोर्ट की समीक्षा की जानी बाकी है। अध्ययन के अनुसार, 15 से 31 अगस्त के आसपास चौथी लहर अपने चरम पर होगा और उसके बाद गिरावट आएगी। आईआईटी कानपुर के गणित और सांख्यिकी विभाग के शोधकर्ताओं-ए सबारा प्रसाद राजेश भाई, सुभ्रा शंकर धर और शलभ की भविष्यवाणियों ने एक सांख्यिकीय मॉडल का इस्तेमाल किया और कहा कि भारत में चौथी लहर महामारी शुरू होने के 936 दिनों के बाद आ सकती है। कोविड-19 की शुरुआत 30 जनवरी, 2020 से हुई थी। उन्होंने कहा कि चौथी लहर (अनुमानित) 22 जून से शुरू होकर 23 अगस्त को अपने चरम पर पहुंचने के साथ 24 अक्टूबर को समाप्त हो सकती है। चौथी लहर में महामारी के शिखर बिंदु की गणना करने के लिए बूटस्ट्रैप नामक पद्धति का उपयोग किया गया है। शोध के अनुसार, इस पद्धति का उपयोग अन्य देशों में भी चौथी और अन्य महामारी लहर की भविष्यवाणी करने के लिए किया जा सकता है। इस बात की हमेशा पूरी संभावना रहती है कि इस वायरस के नए संस्करण का पूरे विश्लेषण पर गहरा असर हो सकता है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि प्रभाव की तीव्रता संक्रामकता, मृत्यु आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करेगी। शोधकर्ताओं ने चौथी लहर की भविष्यवाणी पर काम करना शुरू कर दिया, जो कि जिम्बाब्वे के आंकड़ों के आधार पर गाऊसी वितरण के मिश्रण का उपयोग करके तीसरी लहर का सटीक पूर्वानुमान की घोषणा की थी। एक अन्य हालिया अध्ययन से पता चला है कि अगला कोविड संस्करण दो अलग-अलग तरीकों से उभर सकता है। इसके अलावा, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि कोविड का नया संस्करण पहले की तुलना में कम गंभीर होगा।

मुंबई में भीषण बिजली संकट, लोकल ट्रेनें भी ठप

भाषा। मुंबई

मुंबई के कई इलाकों में रविवार सुबह बिजली गुल हो गई, जिससे महानगर की जीवनरेखा लोकल ट्रेन सेवा एक घंटे से अधिक समय तक बाधित हुई। इसके चलते निवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। मुंबई में बिजली गुल होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए महाराष्ट्र सरकार ने एक उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। सरकारी महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी (एमएसईटीसीएल) और निजी क्षेत्र की टाटा पावर ने एक-दूसरे को बिजली गुल होने के लिए जिम्मेदार ठहराया। बिजली सुबह के समय एक घंटे से अधिक समय तक गुल रही। पूर्वाह्न करीब 11 बजे से बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बहाल कर दी गई जिसकी शुरुआत रेलवे जैसी आपातकालीन सेवाओं से हुई। पश्चिम रेलवे के तहत आने वाले अंधेरी और चर्चगेट स्टेशनों के बीच सेवाएं सुबह 09:50 बजे से लेकर एक घंटे से अधिक समय तक बंद रहीं, मध्य रेलवे की हार्बर लाइन पर सेवाओं में एक संक्षिप्त ठहराव आया और छत्रपति शिवाजी (शेष पेज 9)

पांचवें चरण में करीब 56% मतदान

● पिछली बार से लगभग दो प्रतिशत कम पड़े वोट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदाताओं का जोश पिछले चुनाव का रिकार्ड नहीं तोड़ पाया, जहां पिछले 2017 के चुनाव में 58.24 प्रतिशत मतदान हुआ था वहीं इस बार 55.70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है। प्रदेश में पांचवें चरण में अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, कौशांबी, प्रयागराज, बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, श्रावस्ती और गोंडा में मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक 53.98 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी थी। वहीं कुंडा में सपा प्रत्याशी गुलशन यादव पर हमला हुआ। उनकी गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई।

पथराव और फायरिंग भी हुई। इसके अलावा सपा ने आरोप लगाया है कि गोंडा में एसडीएम ने तरबगंज में घर में घुसकर भाजपा को वोट देने के लिए दवाब बनाया। सपा का आरोप है कि प्रयागराज जिले की पश्चिम विधानसभा में बूथ संख्या

प्रतापगढ़ में एक मतदान केंद्र पर वोड डालने के लिए पंक्तिबद्ध लोग

187, 188, 189 और 190 पर सपा के बूथ एजेंटों को बूथ से निकालकर भाजपा प्रत्याशी सिद्धार्थ नाथ सिंह के पक्ष में फर्जी वोटिंग की गई है। सपा का आरोप है कि अमेठी विधानसभा सीट के बूथ संख्या 328, 329, 330 और 331 पर मारपीट और बूथ कैप्चरिंग की कोशिश की गई है। अमेठी विधानसभा के बूथ संख्या 279, 280, 281, 282 पर फर्जी वोटिंग की गई। इसके साथ ही प्रतापगढ़ जिले की बाबागंज विधानसभा सीट के बूथ संख्या 27 पर फर्जी वोट डलवाए गए हैं। सपा ने ट्वीट कर कहा है कि बहराइच जिले की मटेरा विधानसभा सीट के बूथ संख्या 45 पर ईवीएम खराब है। पांचवें चरण के लिए मतदान सुबह सात बजे शुरू हो गया। दिन चढ़ने के साथ ही मतदान केंद्रों के बाहर लोगों की लंबी लाइनें लग गईं। इस दौरान सुल्तानपुर के जयसिंह पुर व इसौली क्षेत्र में ईवीएम खराब होने की खबरें आईं पर प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया और मतदान बहाल करवाया। सुल्तानपुर के (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	55,858	
निफ्टी	16,658	
सोना	50,913	/10g
चांदी	64,809	/kg

क्विक न्यूज

कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के भतीजे ने थामा भाजपा का दामन

जम्मू। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के भतीजे मुबश्शिर आजाद रविवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जमीनी स्तर पर किए गए विकास कार्यों से प्रभावित है। गुलाम नबी आजाद के सबसे छोटे भाई लियाकत अली के बेटे मुबश्शिर आजाद ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने उनके चाचा का अपमान किया, जिससे उन्हे दुख हुआ और उन्होंने कांग्रेस से नाता तोड़ लिया। हालांकि, मुबश्शिर ने यह भी कहा कि उन्होने भाजपा मे शामिल होने की योजना को लेकर अपने चाचा के साथ चर्चा नही की। मुबश्शिर आजाद और उनके समर्थकों का भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंदर रैना और पूर्व विधायक दलीप सिंह परिहार सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी मे स्वागत किया।

हिंसा के बीच बंगाल निकाय चुनाव में 76 प्रतिशत से अधिक मतदान

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में रविवार को 107 नगरपालिकाओं के लिए हुए चुनाव में हिंसा और अनियमितता के मामले सामने आए। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि शाम पांच बजे तक कुल 76.51 फीसदी वोट पड़े। भाजपा ने चुनाव को लोकतंत्र का मजाक करार देते हुए सोमवार को बंगाल बंद का आह्वान किया।

राज्य चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव 108 नगरपालिकाओं में होने थे, लेकिन कूचबिहार जिले के दिनहाटा नगर निकाय में तृणमूल कांग्रेस के निर्विरोध जीतने के चलते रविवार को केवल 107 शहरों में चुनाव कराए गए। चुनावी प्रक्रिया को लोकतंत्र का मजाक करार देने वाली विपक्षी भाजपा ने हिंसा के विरोध में सोमवार को 12 घंटे बंद का आह्वान किया। तृणमूल कांग्रेस ने आरोपों को

● भाजपा का बंगाल बंद का आह्वान

निराधार बताते हुए कहा कि विपक्षी दल हार को भांपते हुए बहाने खोजने की कोशिश कर रहे हैं। कड़ी सुरक्षा और कोविड-19 दिशानिर्देशों के कड़ाई से पालन के बीच शाम 5 बजे तक 95.6 लाख मतदाताओं में से 76.51 प्रतिशत ने 2,000 से अधिक वार्ड में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हिंसा की छिटपुट घटनाओं की खबरें आई हैं।

कुछ शिकायतें मिली हैं। हमने कुछ क्षेत्रों में गड़बड़ी मिलने पर कार्रवाई की। पश्चिम बंगाल के डीजीपी मनोज मालवीय ने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण रहा और इस दौरान किसी की मौत या गोली चलने की कोई खबर (शेष पेज 9)

घरों में लगा सकेंगे गाड़ी के लिए चार्जिंग प्वाइंट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक वाहन लेने से पहले इन्हें चार्जिंग कहां करेंगे, जैसा सवाल सबसे पहले मन में आता है। इसी झंझट के चलते कई लोग ई-वाहन खरीदने की योजना टाल देते हैं और न चाहते हुए भी पेट्रोल, डीजल से चलने वाला पारंपरिक वाहन खरीद लेते हैं। लोगों की इसी समस्या को हल करने के लिए सरकार ने कदम बढ़ाया है। अब ई-वाहन पर ही कम खर्च में चार्ज हो जाएगा। ईवी चार्जिंग के लिए बिजली की विशेष ईवी टैरिफ तय की गई हैं।

राजधानी दिल्ली में अभी तक जो भी लोग ई-वाहन खरीद रहे हैं, उनमें करीब 80 फीसदी अपनी गाड़ी को घर पर चार्ज करते हैं। इसलिए घर पर चार्जिंग का होना बेहद जरूरी है। दिल्ली सरकार ने इस समस्या को खत्म कर दिया है। आवासीय सोसायटियों के लिए राज्य सरकार

● बिजली कंपनियों ने तय की विशेष ईवी टैरिफ, ऑनलाइन करें ईवी चार्जिंग प्वाइंट के लिए आवेदन

● दिल्ली में बिजली आपूर्ति कर रहीं लगभग सभी कंपनियों के उपभोक्ता उठा सकते हैं योजना का लाभ

पहले ही 30 हजार चार्जिंग प्वाइंट के लिए 6,000 रुपये प्रति चार्जिंग पॉइंट तक अनुदान भी प्रदान करती है। बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड, बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) और टाटा पावर-

ईवी चार्जिंग की फाइल फोटो

डीडीएल के उपभोक्ता अपने घरों में खुद के ईवी चार्जिंग प्वाइंट लगाना चाहते हैं तो वह ऑनलाइन सिंगल-विंडो पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। केजरवाली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत सोमवार को सिंगल-विंडो सुविधा के तहत वसंत कुंज के पॉकेट बी एंड सी में बनाए गए दो ईवी चार्जर का उद्घाटन करेंगे। इसी कड़ी में दिल्ली के डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन (डीडीसी) डब्ल्यूआरआई इंडिया के सहयोग से रिहायशी इलाकों में इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग को आसान बनाने के लिए आवासीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग गाइडबुक जारी करेंगे। यह गाइडबुक लोगों को ईवी चार्जिंग के महत्व को समझने में मदद करेगी। इसके अलावा लोगों और आरडब्ल्यूए को सोसाइटियों के पार्किंग क्षेत्र में ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने की जानकारी मिलेगी। साथ ही कुछ सामान्य समस्याओं (जैसे स्थान की कमी, पूंजी निवेश, बिजली भार प्रबंधन आदि) से जुड़ीं दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी।

इस गाइडबुक के माध्यम से राज्य सरकार सभी आवासीय सोसायटियों (पुराने क्षेत्रों, नियोजित कॉलोनियों, डीडीए फ्लैट्स, सहकारी समूह हाउसिंग सोसाइटीज, सरकारी आवास समितियों आदि) को ईवी चार्जिंग को अपनाकर इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है। डीडीसी उपाध्यक्ष जस्मिन शाह ने कहा कि दिल्ली को देश की ईवी राजधानी बनाने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विजन को पूरा करने के लिए बड़े स्तर पर चार्जिंग का मूलभूत ढ़ांचा विकसित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। डब्ल्यूआरआई इंडिया के कार्यकारी निदेशक (एकीकृत परिवहन) अमित भट्ट ने कहा कि अमेरिकी ऊर्जा विभाग के अनुसार 80 (शेष पेज 9)

80 गांवों की 210 वर्ग किमी. जमीन पर बसेगा नया नोएडा

अगले एक महीने में तैयार होगा मास्टर प्लान

● वर्ष 2031 तक प्रोजेक्ट होगा पूरा

फाइल फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर और बुलंदशहर के 80 गांव को नया नोएडा में बसाने की तैयारी एक बार फिर तेज हो गई है। प्राधिकरण नया नोएडा बसा रहा है। यह पूरा प्रोजेक्ट 2031 तक बनकर तैयार हो जाएगा, लेकिन अगले एक महीने के भीतर इसका मास्टर प्लान जिम्मेदार कंपनी नोएडा प्राधिकरण के सामने पेश करेगी।

नए नोएडा का मास्टर प्लान स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर कंपनी तैयारी कर रही है। यह जिम्मेदारी इस कंपनी को नोएडा प्राधिकरण द्वारा सौंपी गई है। अब अगले एक महीने के दौरान जिम्मेदार कंपनी प्राधिकरण के सामने नए नोएडा के मास्टर प्लान का प्रस्तुतीकरण करेगी। जिसके बाद प्राधिकरण द्वारा इस मास्टर प्लान को शासन और एनसीआर प्लानिंग बोर्ड बैठक में रखेगा। नया नोएडा को 4 फेस में बनाने की तैयारी की जा रही है। दादरी और बुलंदशहर के गांवों की जमीन पर बनने वाले नए नोएडा का मास्टर प्लान तैयार करने को लेकर स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) ने काम में तेजी शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि मास्टर प्लान से संबंधित रिपोर्ट कंपनी ने नोएडा प्राधिकरण को पहले सौंप दी थी, लेकिन इसमें कुछ संसोधन किया जाना है। नई रिपोर्ट एक महीने के भीतर नोएडा प्राधिकरण के सामने पेश की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक नोएड अथॉरिटी ने नक्शे में न्यू नोएडा का खाका खींचा गया है। इसके मुताबिक ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे केजीपी के दोनों तरफ न्यू नोएडा क्षेत्र का दायरा होगा। प्राधिकरण ने दूसरे तरफ के कुछ गांवों का रकबा भी चिन्हित किया है। इनमें कोट, नयाबासरी, फूलपुर, खंडारा, गिरिराजपुर, आनंदपुर और कुछ अन्य गांव शामिल हैं। गांव की जमीन के हिसाब से ही मास्टर प्लान बनाया गया है। देश में आर्थिक विकास को गति देने के लिए दो इंडस्ट्रियल रेलवे फ्रेट कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं।

करीब 1500 किलोमीटर लम्बा दिल्ली–मुम्बई कॉरीडोर ग्रेटर नोएडा के दादरी से मुंबई में जवाहर लाल नेहरू पोर्ट तक है। दूसरा 1,839 किलोमीटर लंबा रेलवे कॉरिडोर कोलकाता से अमृतसर तक बनाया जा रहा है। इन दोनों रेलवे कॉरिडोर के बीच गौतमबुद्धनगर जिले की दादरी तहसील के 20 गांव हैं।

बुलंदशहर जिले की खुर्जा और सिकंदराबाद तहसीलों के 60 गांव हैं। इन 80 गांवों की जमीन पर नया नोएडा बसेगा।

नए नोएडा को बसाने के लिए लैंडपूल के जरिए जमीन लेने की तैयारी है। इस प्रक्रिया के तहत किसानों को भी योजना में भागीदारी दी जाएगी। नोएडा अथॉरिटी का कहना है, नवी मुंबई लैंड पुलिंग के जरिए विकसित किया गया है। वहां के मॉडल को यहां की योजना में शामिल करेंगे। आप इसे कुछ ऐसे समझ सकते हैं।

किसान जितनी जमीन शहर बसाने के लिए देंगे, उसमें से कम से कम 25 प्रतिशत जमीन डेवलप करके वापस लौटा देंगे। किसान यह जमीन खुद बिल्डरों और कंपनियों को बेचेंगे। खुद भी हाऊसिंग या रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट ला सकते हैं। कुल मिलाकर साफ है कि आने वाले कुछ वर्षों बाद साऊथ नोएडा और न्यू नोएडा दिल्ली.एनसीआर के बाकी शहरों को पीछे छोड़ देंगे।

अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा बनने से बदली जेवर की तकदीर

एक वक्त पहले ग्रेटर नोएडा के लिए नहीं था रास्ता, अब जेवर से मुंबई तक जाएगी सीधी सड़क

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा ना केवल दिल्ली–एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत का ग्रोथ इंजन बनेगा। इस पूरे इलाके की कायापलट कर देगा। अब अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि कुछ साल पहले तक जेवर क्षेत्र विकास से अछूता था। ग्रेटर नोएडा, नोएडा और दिल्ली पहुंचने के लिए इस इलाके के लोगों को चन्द किलोमीटर की दूरी कई–कई घंटों में तय करनी पड़ती थी। अब जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की बदौलत यह क्षेत्र ना केवल दिल्ली बल्कि मुंबई तक से जुड़ने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और तमाम विशेषज्ञ कह रहे हैं कि जेवर आर्थिक गतिविधियों का केंद्र बनने वाला है।

अब हालात बदलते हुए नजर आने लगे हैं। इस क्षेत्र को एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। जिसकी बदौलत पूरे इलाके की कायापलट होगी। अगले एक साल में जेवर से मुंबई तक सीधी कनेक्टिविटी होगी। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी और उत्तर प्रदेश सरकार इस परियोजना पर काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के परवान चढ़ने से जेवर इलाका ना केवल दिल्ली और हरियाणा बल्कि सीधे मुंबई तक से जुड़ जाएगा। दिल्ली से लेकर मुंबई तक करीब 1500 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। यह एक्सप्रेसवे हरियाणा के बल्लभगढ़ से होकर गुजर रहा है।

बल्लभगढ़ और जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के बीच की दूरी करीब 30 किलोमीटर है। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने भारत सरकार को एक प्रस्ताव दिया था। जिसके मुताबिक जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे और दिल्ली.मुंबई एक्सप्रेसवे को जोड़ा जाना है। इसके लिए जेवर से लेकर बल्लभगढ़ तक 30 किलोमीटर लंबी एक नई सड़क बनाई जाएगी। इस सड़क के लिए जेवर क्षेत्र के 5 गांव में भूमि अधिग्रहण किया जाएगा।

इस परियोजना को उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले साल 25 दिसंबर 2021 को मंजूरी दे दी थी। इससे पहले 12 अक्टूबर 2021 को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने राज्य सरकार से जमीन मांगी थी। इस 30 किलोमीटर लंबी सड़क का 8.5 किलोमीटर हिस्सा गौतमबुद्धनगर जिले में है। जिसके लिए 5 गांवों दयानतपुर, फैलदा बांगर, करौली बांगर और रामपुर बांगर में 66.7 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। इसके अलावा यमुना एक्सप्रेसवे के पास 4.4 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया 10 मार्च के बाद शुरू होगी। इस जमीन के लिए गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन किसानों को करीब 260 करोड रुपए बतौर मुआवजा देगा।

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने कहा, उत्तर प्रदेश सरकार ने यह 30 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने के लिए 486 करोड रुपए मंजूर कर दिए हैं। राज्य सरकार यह पैसा अथॉरिटी को भेजेगी।

डीएम के नाम से मैसेज भेज अफसरों से ठगी की कोशिश

नोएडा। गौतमबुद्ध के जिलाधिकारी सुहास एलवाई के नाम से व्हाट्सएप पर फर्जी मैसेज भेजकर ठगी करने की कोशिश का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक किसी व्यक्ति ने खुद को जिलाधिकारी बताकर एक मोबाइल नंबर से जिले के तीन प्रशासनिक अधिकारी को मैसेज किए। जहां उनसे मोटी रकम देने की डिमांड रखी। इस मामले में डीएम ने सूरजपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि 22 फरवरी को जिलाधिकारी के नाम से जेवर एसडीएम रजनीकांत मिश्र, कोमल पवार और अंकित कुमार वर्मा के व्हाट्सएप पर मैसेज भेजे गए। पहले मैसेज में कहा गया कि वह किसी जरूरी काम से व्यस्त हैं, इसके बाद दोबारा मैसेज भेज कर रुपए मांगे गए। ऐसे में अधिकारियों को शक हुआ और मामले की पड़ताल की गई तो पता चला कि किसी ठग ने फर्जी मैसेज भेजा है।

अवैध संबंधों का राज खुलने पर पति की हत्या

पत्नी और प्रेमी ने मिलकर खेला खूनी खेल, दोनों को पुलिस ने पानीपत से दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शहर में एक साल पहले हुई युवक की हत्या के मामले को सुलझाते हुए पुलिस ने फरार चल रही उसक पत्नी और उसके प्रेमी को लिंक रोड थाना पुलिस ने शनिवार को पानीपत से गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पुलिस ने बताया कि पत्नी व प्रेमी ने अवैध संबंधों का पता चलने और संबंधों में बाधा बनने पर अर्जुन यादव की गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी थी। दोनों आरोपी करीब एक साल से फरार चल रहे थे।

उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी 2021 साहिबाबाद रेलवे स्टेशन के निकट नाले में एक युवक का शव पड़ा मिला था। पुलिस ने शव की पहचान नहीं होने पर उसका डीएनए टेस्ट कराया गया था। अगस्त 2021 में मृतक की पहचान अर्जुन यादव निवासी साहिबाबाद के रूप में हुई थी। अर्जुन अपनी पत्नी आशा और तीन बच्चों के साथ साहिबाबाद स्थित गोविंदराम के मकान में किराए पर रहता था, लेकिन पड़ताल के दौरान अर्जुन की पत्नी मौके से फरार मिली थी। अर्जुन की पत्नी आशा का अपने प्रेमी बब्लू उर्फ कमरूददीन के साथ फरार होना सामने आया था। इसको लेकर अर्जुन के भाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस तब से इन दोनों की तलाश में जुटी थी।

यूक्रेन से घर लौटी ग्रेनो वेस्ट की युवती, परिजनों में खुशी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बिश्वा भारती

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की बिश्वा भारती यूक्रेन में फंसी हुई थी, जो रविवार सुबह वापस अपने घर लौटी है। इसके बाद बिश्वा भारती के परिजनों में खुशी का माहौल है।

बिश्वा भारती रविवार की सुबह करीब 3 बजे भारतीय विमान में बैठकर अपने वतन के लिए वापस लौटी थी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित गौर सिटी 11 एवेन्यू में रहने वाली बिश्वा भारती चिरनिविस्ती शहर के बीएसएमयू यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की छात्रा है। यूक्रेन में हालात बिगड़ने पर 4 दिन पहले वह कीव आ गई थी, लेकिन फ्लाइट बंद होने के कारण भारत नहीं आ सकी। उनका परिवार फोन पर लगातार उनके संपर्क में था।

युवती के पिता सुशील कुमार ने बताया कि वो दूतावास और प्रशासन से संपर्क कर वापसी के प्रयासों की जानकारी ले रहे थे। विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से शुक्रवार को एक सूची दी गई थी, जिसमें बिश्वा भारती का नाम भी था।

आग बुझाने पहुंचे लोगों को रोडवेज बस ने मारी टक्कर

● दुर्घटना में एक युवक की मौत, 12 जख्मी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मृतक निखिल

एनएच–9 पर पुराना डासना टोल प्लाजा के पास शुक्रवार देर रात मसूरी की ओर जा रही वैगनआर कार में रात करीब सवा 12 बजे कैंटर की टक्कर से आग लग गई। इस दौरान राहत एवं बचाव के लिए एनएचएआई की टीम पहुंच गई जिसे रोडवेज बस ने टक्कर मार दी।

हादसे में घायलों के परिचित डासना के राजीवपुरम निवासी छात्र निखिल की मौत हो गई जबकि पुलिसकर्मियों समेत 12 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मसूरी थाना पुलिस घटना की जांच कर रही है। मसूरी नाहल निवासी मुशाहिद अपने परिवार के साथ वैगनआर कार से गाजियाबाद से घर लौट रहे थे। रात करीब सवा 12 बजे पुराना डासना टोल के पास उनकी गाड़ी में पीछे से आ रहे कैंटर ने टक्कर मार दी। इससे उनकी गाड़ी में आग लग गई। कार सवार मुशाहिद खान, जैद, तसव्वर और भूरी घायल हो गए। भूरी और जैद के गंभीर घायल होने के कारण हापुड़ के अस्पताल में ले गए। हादसे के बाद कार सवार ने अपने परिचित राजीवपुरम निवासी निखिल ठाकुर (19 वर्ष) को जानकारी दी तो वह मौके पर पहुंच गया। वहीं आग की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची एनएचएआई व दमकल की टीम ने राहत बचाव कार्य शुरू किया। इसी दौरान पीछे से आ रही रुहेलखंड डिपो की तेज रफ्तार बस ने राहत बचाव कार्य में लगे एनएचएआई के दो कर्मचारी और निखिल को टक्कर मार दी। इसमें निखिल की मौके पर मौत हो गई जबकि एनएचएआई कर्मचारी अजय कुमार और आलोक मौर्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीएनबी फाइनैंस ऐण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9–10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002, फोन : +91–7303495375
सीआईएन : एल65929डीएल1947पीएलसी001240
ई–मेल : pnbfinanceindustries@gmail.com
वेबसाइट : www.pnbfinanceandindustries.com

कम्पनी के सदस्यों के ध्यानार्थ स्मरण सूचना

यह स्मरण सूचना (i) दि मिंट (अंग्रेजी) (सभी संस्करण) ; (ii) पायनियर (हिन्दी) (सभी संस्करण) में शुक्रवार, 21 फरवरी, 2022 को प्रकाशित सूचना के सिलसिले में है। यह पुनः कम्पनी के समस्त सदस्यों के संज्ञान में लाया जाता है कि कम्पनी की सामान्य बैठकों में अथवा किसी अन्य विधि में कम्पनी के कार्यों में सदस्यों की सक्रिय सहभागिता प्रोत्साहित करने के क्रम में, कम्पनी अपने सदस्यों से उनके रेकाड्‌र्स नामतः पैन, आवासीय पता, ई–मेल पता, मोबाइल नंबर तथा सदस्यों के बैंक खाता विवरण कम्पनी में, यथाशीघ्र, पंजीकृत/अद्यतित करवाने का अनुरोध करती है।

जैसाकि सदस्यों को अवगत है, कम्पनी अधिनियम 2013 और सेबी सूचीयन विनियमावली के प्रावधानों के अनुपालन में, अभूतपूर्व कोविड–19 महामारी हालात के कारण, कम्पनी ने सदस्यों को अपनी वार्षिक रिपोर्ट ई–मेल के माध्यम से भेजी है और सदस्यों की वार्षिक सामान्य बैठकें, विगत दो वर्षों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के रूप में इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से आयोजित की हैं। हमारे शेयरधारकों द्वारा संचार(रों) की त्वरित प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए और डाक मार्ग में संचारों की किसी क्षति से बचने के लिए, हम सदस्यों से कम्पनी में अपना ई–मेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य विवरण अद्यतन करवाने का पुनः अनुरोध करते हैं।

सदस्यों से अपना अद्यतित विवरण (क) कम्पनी के रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेन्ट मैसर्स स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को ई–मेल आईडी parveen@skylinerta.com पर भेजने अथवा (ख) कम्पनी को ई मेल आईडी pnbfinanceindustries@gmail.com पर अथवा (ग) मैसर्स स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को उनके पते डी–153ए, प्रथम तल, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज–1, नई दिल्ली–110020, फोन : +91 11 40450193–97 पर एक लिखित अनुरोध भेजने का अनुरोध किया जाता है।

यदि शेयरधारकों के कोई प्रश्न हैं, वे अपने प्रश्न कम्पनी को मेल आईडी : pnbfinanceindustries@gmail.com पर भेज सकते हैं अथवा स्काईलाइन फाइनैंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से फोन नंबर : +91 11 40450193–97 पर सम्पर्क कर सकते हैं। यह स्मरण सूचना कम्पनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

वास्ते पीएनबी फाइनैंस ऐण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता./–
श्वेता सक्सेना
कम्पनी सेक्रेटरी एवं निदेशक

तिथि : 25 फरवरी, 2022
स्थान : नई दिल्ली

एक छत के नीचे लीजिए 18 प्रदेशों के व्यंजनों का स्वाद

सरस आजीविका मेले में आकर्षण का केंद्र बना फूड कोर्ट, ट्रांसजेंडर ग्रुप द्वारा लगाए जूस कॉर्नर ने खींचा ध्यान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सरस आजीविका मेले में रविवार को भारी भीड़ उमड़ी। छुट्टी के दिन लोगों ने परिवार के साथ मेले का आनंद लिया। एक ओर जहां विभिन्न प्रदेशों के स्टाल आकर्षण का केंद्र रहे वहीं दूसरी ओर फूड कोर्ट में भी लोगों ने विभिन्न प्रदेशों के व्यंजनों का स्वाद चखा। विशेष तौर से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के व्यंजनों पर लोगों की भीड़ लगी रही।

यह ट्रांसजेंडर ग्रुप का केरला कोच्चि का जूस कॉर्नर प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस जूस कॉर्नर में विभिन्न प्रकार के फल व हर्बल जूस उपलब्ध हैं साथ ही इस ग्रुप को चलाने वाले समूह में सभी ट्रांसजेंडर हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के प्रयास व सहयोग और केंद्र सरकार की योजनाओं के अंतर्गत ट्रांसजेंडर ग्रुप ने सभी सदस्यों को स्वावलंबी बनाने में सहयोग दिया है। इस ग्रुप द्वारा पिछले 4 वर्षों से कोच्चि कलेक्ट्रेट में भी एक जूस कॉर्नर सफ्लतापूर्वक चलाया जा रहा है। यहां 60 प्रकार के जूस उपलब्ध हैं। सरस आजीविका मेले में व्यंजनों के साथ फूड कोर्ट में केरला कोच्चि जूस कॉर्नर लोगों की पहली पसंद बना हुआ है। वहीं अरुणाचल प्रदेश की बंबू बांस खिचड़ी को भी लोगों ने खासा पसंद किया।

सरस मेले में खाना बनातीं महिलाएं।

इस साल, यह आयोजन 100 से अधिक खाद्य सेवा महिला उद्यमियों को एक साथ लाया है, जो 18 राज्यों के हैं, जो जनता के लिए स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर अपनी पारंपरिक खाद्य संस्कृति को साझा कर रहे हैं। सबसे अधिक ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली ये महिला समूह पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं जिन्होंने आजीविका इंडिया फूड कोट इंडिया ऑन योर प्लेट के नारे को और अधिक अर्थ देते हुए कार्यक्रम में भाग लेने में रुचि और उत्साह दिखाया है।

संक्षिप्त समाचार

रेल मंत्री को ज्ञापन देंगे पंचायत के लोग

गाजियाबाद। बेहटा में फाटक बंद होने की समस्या को लेकर रविवार को दोबारा पंचायत बुलाई गई। इसमें युवा जन कल्याण समिति के नेतृत्व में आगामी तीन दिनों में रेल मंत्री को ज्ञापन देकर फाटक पर अंडरपास अथवा ओवरब्रिज बनवाने की मांग करने का निर्णय लिया गया। पुरानी गंगनहर पाइप लाइन मार्ग स्थित बेहटा रेलवे फाटक को बंद करने पर रविवार को शिवमंदिर प्रांगण में पंचायत हुई। इसमें जिसमें फाटक के दोनों ओर बसी दर्जनों कॉलोनियों के निवासियों ने भाग लिया। पंचायत में बंद फाटक को खुलवाने अथवा अंडरपास एवं ओवरब्रिज बनवाने की तीन दशक पुरानी मांग को एक बार फिर दोहराया गया। इस मौके पर निर्णय लिया गया कि इस मुद्दे को लेकर युवा जन कल्याण समिति के नेतृत्व में आंदोलन किया जाएगा और आगामी तीन दिनों में केन्द्रीय रेल मंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। पंचायत में ओमप्रकाश उपाध्याय, मुकेश यादव, मांगेराम मावी, प्रमोद गर्ग, जय प्रकाश उपाध्याय, गौरव राय, मदन राय, अनिल, प्रवीण, बबलू कश्यप, गज राज सिंह, त्रिलोक, सोनू, आरडी प्रजापति, विनोद कुमार, अशोक सिंह और मनोज यादव आदि दर्जनों लोगों ने भाग लिया।

जिले में 17 नए मरीज मिले कोरोना संक्रमित

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद में रविवार को कोरोना संक्रमण से पीड़ित 17 नए मरीज मिलने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही 29 मरीजों ने कोरोना संक्रमण को मात दी, इनमें से तीन मरीज अस्पतालों में भर्ती थे। फिलहाल जिले में कोरोना संक्रमण के 163 सक्रिय मरीज हैं। कोरोना संक्रमण का फैलाव धीरे–धीरे कम होता जा रहा है। नए संक्रमितों की संख्या में गिरावट आ रही है। जिले में रोज 20 से कम संक्रिमत मिल रहे हैं। वहीं, करीब 32 दिन बाद आरटी–पीसीआर टेस्टिंग में भी कमी आई है। रविवार को 2650 यानी 68 फीसदी और शनिवार को 2698 यानी 69 फीसदी आरटी–पीसीआर टेस्ट किए गए। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ आरके गुप्ता ने कहा कि जिले में कोविड संक्रमण लगातार घट रहा है। यह कोविडरोधी टीकाकरण और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने से ही संभव हो सका है, इसलिए सतर्कता बनाए रखें। जिले में पिछले 24 घंटे में कोरोना से 17 लोग संक्रमित पाए गए हैं, जबकि 29 लोग कोरोना को हराने में कामयाब हुए हैं। अभी भी जिले में कोरोना के 163 सक्रिय मामले हैं। इनमें से पांच मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं।

दारोगा को फंसाने की साजिश में महिला पर केस

गाजियाबाद। लोनी के टीलामोड़ थाना क्षेत्र में पति के खिलाफ गलत रिपोर्ट लगवाने के लिए जांच अधिकारी पर झूठे आरोप लगाना एक महिला को भारी पड़ गया।

टीलामोड़ थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि गगन विहार निवासी एक महिला ने एक शख्स बनवारी को अपना पति बताते हुए उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला, जांच अधिकारी दारोगा से अपने मुताबिक, जांच करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। इसका विरोध करने पर महिला ने जांच अधिकारी पर 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था।

युवक की मौत पर परिजनों ने दिया धरना

● बिल्डर द्वारा आर्थिक सहायता दिए जाने के आश्वासन पर माने

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में स्थित अजनारा बिल्डर की साइट पर शनिवार को एक युवक की मौत हो गई थी, इस मामले में मृतक के परिजनों ने रविवार सुबह बिल्डर की साइट पर धरना दिया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझाने का प्रयास किया। जिसके बाद परिजनों ने अपना धरना खत्म किया।

पुलिस ने बताया कि बिल्डर की तरफ से मृतक युवक के परिजनों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी सामने आ गई है। जिससे पता चला है कि युवक की मौत हार्टअटैक से हुई है।

दनकौर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि उनको सूचना प्राप्त हुई थी कि अजनारा बिल्डर की साइट पर कुछ लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर जाकर पता चला कि शनिवार को एक 22 वर्षीय युवक हसन मोहम्मद की बिल्डर साइट पर मौत हो गई थी, जिसके बाद परिजन बिल्डर साइट पर प्रदर्शन करने पहुंचे।

थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक हसन मोहम्मद के परिजनों को समझाया। पुलिस ने बताया कि हसन मोहम्मद की मौत हार्ट अटैक से हुई है। इस बात का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस द्वारा समझाने के बाद पीड़ित परिवार वापस लौट गया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में बिल्डर द्वारा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया गया है।

27 साल बाद भी मकानों को स्थायी पता नहीं दे पाया निगम

सदन की बैठक में कई बार मामले को उठा चुके हैं स्थानीय पार्षद, पर नहीं हुआ कोई समाधान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नगर निगम 27 साल बाद भी आधे शहर के लोगों को स्थायी मकान नंबर नहीं दे पाया। खासतौर से पुरानी और निजी कॉलोनियों में मकान नंबर न होने की वजह से लोगों की चिट्ठियां तक भटक रही हैं। पार्षदों का कहना है कि भवन नंबर न होने की वजह से क्षेत्र में कई लोगों के नौकरी के नियुक्ति पत्र वापस लौट चुके हैं और वह नौकरी पाने से वंचित हो गए हैं।

शहर का विस्तार होने के साथ–साथ यह समस्या लगातार बढ़ रही है। निगम पार्षद इस समस्या को सदन में भी कई बार उठा चुके हैं, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

जीडीए की ओर से बसाई गई कॉलोनियों में तो ब्लॉक और भवनों को स्थायी नंबर दिया गया है, लेकिन मालीवाड़ा, चौपला, हिंडन विहार, न्यू फ्रें ड्स कॉलोनी, महरौली, दुहाई, मोरटा समेत ग्रामीण परिवेश के अन्य वार्डों में भवन संख्या स्थायी नहीं है। नगर निगम के रिकॉर्ड में कोई और नंबर दर्ज है तो मौके पर कोई और नंबर है। पार्षदों का कहना है कि इसकी वजह से लोगों की चिट्ठियां और ऑनलाइन मंगाया जाने वाला सामान सही मकान तक नहीं पहुंच पा रहा है। होम डिलीवरी करने वाले वेंडर भटककर बैरंग लौट जाते हैं। इस समस्या से जूझने वाले लोग पार्षदों से शिकायत कर मकान का स्थायी पता दिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग पर भाजपा पार्षद राजेंद्र तितोरिया, कांग्रेस पार्षद जाकिर अली सैफी समेत कई अन्य पार्षद भवनों को स्थायी नंबर देकर कॉलोनियों में गलियों के बाहर बोर्ड लगवाने की मांग कर चुके हैं।

नगर निगम सदन ने इस पर सहमति दी थी, लेकिन नगर निगम ने शास्त्री नगर, विवेकानंद नगर समेत कुछ ऐसी कॉलोनियों में बोर्ड लगवा दिए हैं, जिनमें मकान नंबर जीडीए की ओर से ही अंकित करा दिए गए हैं।

राजेंद्र तितोरिया, पार्षद, मालीवाड़ा क्षेत्र ने बताया कि राजधानी दिल्ली में हर गली में मकान नंबरों के बोर्ड लगे रहते हैं। ऐसी जगहों पर रिश्तेदारों को भी एड्रेस तलाशने में दिक्कत नहीं होती। मगर गाजियाबाद की पुरानी कॉलोनियों में आकर रिश्तेदार, चिट्ठियां और ऑनलाइन बुक किए गए सामान की डिलीवरी करने आने वाले वेंडर भटक जाते हैं। नगर निगम अधिकारियों ने दो–तीन वार्ड में बोर्ड लगवाकर जिम्मेदारी पूरी कर ली। आगामी बोर्ड बैठक में इस मुद्दे को फिर सदन के समक्ष उठाएंगे।

सांड ने ली युवक की जान

नोएडा। शहर में आवारा पशुओं का आतंक जारी है। गढ़ी चौखंडी में बीते दिनों एक बाइक सवार को सांड ने टक्कर मार दी थी। जिसको काफी गंभीर चोट आई थी। लोगों ने पुलिस की मदद से घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में युवक के परिजनों को भी जानकारी दी गई है।

फेज–3 थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी ने बताया कि बहलोलपुर गांव में रहने वाला 24 वर्षीय श्याम एक कंपनी में काम करता है। बीते शुक्रवार को श्याम अपनी बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहा था। उसी दौरान एक सांड ने टक्कर मार दी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

नालों पर बने चेक डैम ने रोका प्रदूषण

बड़े-बड़े नाले साफ हो जाएं तो यमुना अपने आप स्वच्छ हो जाएगी : सत्येंद्र जैन

● नालों में प्रदूषक तत्वों की मात्रा कम करने में बांध हो रहे प्रभावशाली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

यमुना नदी की सफाई को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार ने युद्ध स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है।

फरवरी, 2025 तक यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया है। दिल्ली सरकार का कहना है कि किसी भी बड़ी नदी को साफ करने के लिए उसके श्रोतों को साफ करना जरूरी होता है। ठीक इसी तर्ज पर यमुना नदी में गिरने वाले सभी गंदे नालों की सफाई का बेड़ा उठाया है। नालों के पानी की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को दावा है कि शुरू की गई परियोजना के सकारात्मक परिणाम अब दिखने शुरू हो गए हैं। प्रमुख नालों पर बनाए गए अस्थायी बांधों के कारण अब नालों के बीओडी स्तर में सुधार आया है। साथ ही अन्य प्रदूषकों की मात्रा को भी कम करने में काफी मदद मिली है।

सत्येंद्र जैन ने बताया कि राजधानी दिल्ली में यमुना की साफ-सफाई की दिशा में चल रही गतिविधियों के अनुरूप, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग, यमुना को सबसे ज्यादा प्रदूषित करने वाले नजफगढ़ नाले और उसके सहायक नाले के उपचार के लिए अपनी योजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। इस योजना के तहत, नालों के जरिये यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए काम किया जा रहा है।

यमुना को प्रदूषित करने वाले नालों की सफाई होते ही यमुना अपने आप साफ होने लगेगी। दूषित नालों में प्रदूषकों की मात्रा को कम करने के लिए अस्थाई बांधों का निर्माण एक प्रभावशाली तरीका साबित हो रहा है। नजफगढ़ ड्रेन और सप्लीमेंट्री ड्रेन के पानी की गुणवत्ता में सुधार लाने के काम की शुरुआत कर दी है। इस पहल में नजफगढ़ ड्रेन जो यमुना में गिरने से पहले लगभग 57 किमी चलती है और सप्लीमेंट्री ड्रेन, जो ककरौला रेगुलेटर के पास से निकलती है और नजफगढ़ नाले में गिरती है, दोनों को साफ किया जाएगा। इन नालों के रास्ते में छोटे-छोटे अस्थायी बांध बनाए गए हैं।

अस्थाई बांध बनाए गए

नजफगढ़ नाले पर तीन और उसके सहायक नालों पर 11 बांध का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। 10 बांध बनाने का काम चल रहा है। एक अस्थाई बांध या मेड़, जो नालों पर बना छोटा अवरोध होता है और यह जल स्तर को ऊपर की तरफ थोड़ा और उठाने में मदद करता है। बांध पानी को अपने पीछे जमा होने देते हैं। बहते पानी के अवरोध को बढ़ाने के लिए नाले के बीच-प्रवाह में बांध बनाए जाते हैं। इससे भारी प्रदूषक वहीं नीचे रुक जाते हैं।

इन उपायों के प्रभाव की रिपोर्ट

रिठाला एसटीपी, रोहिणी सेक्टर 11 के पास बने बांध, रोहिणी सेक्टर 16 में बने बांध और रोहिणी सेक्टर 15 में बने बांध के पास से सैंपल एकत्रित किए गए, जिससे पता लगा कि रिठाला से रोहिणी सेक्टर 15 के बीच कुल सस्पेंडेड ठोस पदार्थ का स्तर 166 मिलीग्राम प्रति लीटर से घटकर केवल 49 मिलीग्राम प्रति लीटर रह गया है। यह परिणाम अपशिष्ट जल में अमोनिया की मात्रा में आने वाली भारी कमी को भी दर्शाता हैं। परीक्षण में पाया गया कि रिठाला में अमोनिया का स्तर 26 मिलीग्राम प्रति लीटर था जो रोहिणी सेक्टर 15 तक आते आते मात्र 18 मिलीग्राम प्रति लीटर रह गया। हर बांध से गुजरने के बाद गंदे पानी में जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) का स्तर धीरे-धीरे कम होता गया। परीक्षण में दर्ज बीओडी का स्तर रिठाला एसटीपी के पास 83 मिलीग्राम प्रति लीटर था, जो रोहिणी सेक्टर 15 तक आते आते घटकर 27 मिलीग्राम प्रति लीटर रह गया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर यूक्रेन से लौटी छात्रा को मिठाई खिलाती महिला। फोटो : रंजन डिमरी

अपनों का इंतजार करती युवती

बेटे के लौटने पर खुशी का इजाहार करता पिता।

एयरपोर्ट से बाहर निकलती यूक्रेन से लौटी छात्राएं

मेट्रो से हटी सभी पाबंदियां, आज से खड़े होकर भी करें सफर

● स्टेशनों के सभी गेट अब खुले रहेंगे, नहीं होगी आवाजाही में दिक्कत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना के दौरान मेट्रो के सफर के दौरान होने वाली दुश्वारियां आज से खत्म हो जाएंगी। सोमवार से यात्री खड़े होकर भी यात्रा कर सकेंगे। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की शुक्रवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सोमवार से सभी प्रतिबंध हटा दिए जाएं।

दिल्ली मेट्रो ने कहा कि कोविड प्रबंधन पर डीडीएमए द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के मद्देनजर आज (सोमवार) से दिल्ली मेट्रो की सेवाएं संशोधित नियमों के अनुसार होंगी। यात्री अब मेट्रो में बिना किसी प्रतिबंध के यात्रा कर सकेंगे और पूरे दिन मेट्रो स्टेशनों के सभी गेट खुले रहेंगे।

कोविड प्रतिबंधों के चलते मेट्रो के कई गेट बंद थे जिसके कारण यात्रियों को घूमकर जाना पड़ता था। वहीं मेट्रो में खड़े होकर यात्रा करने के मनाही के बाद कई यात्रियों को कोच छोड़कर वापस प्लेटफार्म पर उतरना पड़ रहा था। डीएमआरसी ने साफ कर दिया है कि सीमित संख्या में फाटकों के माध्यम से यात्रियों के प्रवेश का नियमन सोमवार से समाप्त हो जाएगा। हालांकि, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी और बाकी सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए कोविड-उपयुक्त व्यवहार (यानी फेस मास्क या कवर पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखना आदि) का पालन करते रहें। वहीं, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने दिल्ली में निजी वाहनों में एकसाथ यात्रा करने वाले लोगों को राहत देते हुए शनिवार को एक आदेश में कहा कि बिना मास्क के पाए जाने पर उन पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा. डीडीएमए की शुक्रवार को हुई बैठक में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क नहीं पहनने पर जुर्माना 2,000 रुपये से घटाकर 500 रुपये कर दिया गया।

90 फीसदी किशोरों ने ली टीके पहली डोज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 15-18 आयुवर्ग के 90 फीसदी किशोरों को कोरोना वायरस संक्रमण रोधी टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। इस आयुवर्ग के लिए टीकाकरण अभियान तीन जनवरी से शुरू हुआ था। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की इस सप्ताह की शुरुआत में हुई बैठक में पेश किए गए आंकडों के अनुसार 24 फरवरी तक इस आयुवर्ग के 54 फीसदी लोगों को टीके की दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है। इसके अनुसार 9.13 लाख किशोरों को टीके की पहली खुराक और इनमें से 5.44 लाख लोगों की टीके की दोनों खुराकें दी जा चुकी हैं। आंकड़ों के अनुसार इस आयु वर्ग में टीकाकरण दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिले में सबसे अधिक रहा है, जिसमें 1,22,717 किशोरों ने पहली खुराक प्राप्त की है, इसके बाद उत्तर-पश्चिम में 1,17,560 और पश्चिम में 93,251 किशोरों को टीके की खुराक दी गई।

24 घंटे में 484 केस, तीन की मौत

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना का कहर धीरे-धीरे कम हो रहा है। बीते 24 घंटे में महज 484 नए मामले सामने आए हैं। वहीं इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं राहत की बात है कि बीते 24 घंटे में 554 मरीज डिस्चार्ज हुए हैं। सक्रिय मरीजों की संख्या अब 2,086 हो गई है। जिसके बाद मरने वालों का कुल आंकड़ा 26,122 पहुंच गया है।

साढ़े चार करोड़ की धोखाधड़ी में कंपनी मालिक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आर्थिक अपराध शाखा ने 4.53 करोड़ की धोखाधड़ी में निजी कंपनी के मालिक को मुंबई के कांदिवली इलाके से गिरफ्तार किया है।

आरोपित शंकर काशिद ने दिल्ली की एक निजी कंपनी से एल्युमिनियम फ्वॉयल, पेपर व अन्य पैकिंग सामान बनाने के लिए कच्चा माल लिया था। कंपनी को कच्चा माल लेकर तैयार माल देना था लेकिन आरोपी ने तैयार माल पीड़ित कंपनी को न देकर किसी अन्य कंपनी को बेच दिया। इससे कच्चा माल देने वाली कंपनी को 4.53 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इस मामले को लेकर को वर्ष 2020 में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। काशिद को मुंबई की अदालत में पेश कर उसे ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया है।

आर्थिक अपराध शाखा की संयुक्त आयुक्त छाया शर्मा ने बताया कि सात अप्रैल 2020 को दिल्ली के कारोबारी वीके सिन्हा ने ठगी की शिकायत आर्थिक अपराध शाखा से की थी। उन्होंने बताया था कि वह विजानी एग्जिम प्राइवेट लिमिटेड के नाम से कंपनी चलाता है।

संपर्क रहित शिकायत दर्ज कराने को लगाई ई-कियोस्क

● संसद मार्ग पुलिस थाने में लगाया गया है, भीड़भाड़ वाले बाजारों और पुलिस चौकी पर इन कियोस्क को लगाने की है योजना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद मार्ग पुलिस थाने में ई-कियोस्क लगाया है ताकि जनता-पुलिस संपर्क को सुचारु बनाया जा सके और लोगों को सुविधा दी जा सके। यह लोगों को बिना संपर्क में आए आसानी से शिकायत दर्ज कराने की सुविधा देगा। ई-कियोस्क में दिल्ली पुलिस के आयुक्त का संदेश है।

ई- कियोस्क में कई विकल्प हैं और लोग इसमें जिला और विभिन्न थानों की जानकारी देख सकते हैं। साथ ही स्वयं शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। इस कियोस्क की मदद से लोग धार्मिक स्थलों, पेट्रोल पंप, डाकघर, बैंक, श्मशान भूमि, दूध के बूथ, अस्पताल और मेट्रो स्टेशन सहित अन्य जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। इस कियोस्क की मदद से लोग ई-प्राथमिकी देख सकते हैं, साइबर अपराध की शिकायत दर्ज करा सकते हैं और वाहन चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। यह लोगों को किराएदारों के सत्यापन की भी सुविधा देता है। शिकायत करने वाले ऑनलाइन शिकायत पंजीकरण की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं और इसके लिए उन्हें स्क्रीन पर मौजूद क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा। पुलिस उपायुक्त दीपक यादव ने बताया यह सीधे दिल्ली पुलिस की वेबसाइट से जुड़ा है और कोई शिकायत कियोस्क पर दर्ज करने पर वह स्वत ही पुलिस की वेबसाइट पर चली जाएगी। इसका इस्तेमाल बहुत आसान है और वरिष्ठ नागरिक भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। वे अधिक भीड़भाड़ वाले बाजारों और पुलिस चौकी पर इन कियोस्क को स्थापित करने पर विचार कर रहे हैं।

आधुनिक मशीनों से होगी हनुमान मंदिर की सफाई

● वाटिका के पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण कार्य की रिपोर्ट जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को उन्नत और हनुमान मंदिर के हजारों आगंतुकों और भक्तों को सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) जल्द ही हनुमान मंदिर वाटिका परिसर में 100 प्रतिशत यांत्रिक सफाई का दूसरा चरण जल्द शुरू करेगी। यह सूचना उपाध्यक्ष एनडीएमसी, सतीश उपाध्याय ने दी ।

सतीश उपाध्याय

उपाध्याय ने कहा कि एक बार हनुमान मंदिर वाटिका के सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास का काम पूरा हो जाने के बाद दूसरे चरण में हाउस कीपिंग का काम यानी आधुनिक यांत्रिक तरीके से मशीनों से शत-प्रतिशत सफाई का काम शुरू हो जाएगा । जिसके लिए निविदा प्रक्रिया पूरी होने पर 3-4 महीने के भीतर इसके लिए निविदा जारी की जाएगी। उपाध्याय ने कहा कि पहले चरण में कनॉट प्लेस क्षेत्र में शत-प्रतिशत यांत्रिक सफाई का कार्य करेंगे। उपाध्याय ने कहा कि यह काम मंदिर के दुकानदारों, भक्तों और आगुन्तको के लिए फायदेमंद होगा और वे जल्द ही परिषद् द्वारा प्रदान की जाने वाली अत्याधुनिक सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

कांग्रेस को एक और झटका, कुलदीप और मधु भंडारी आप में शामिल

● उपमुख्यमंत्री ने टोपी और पटका पहनाकर किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश पर्वतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष कुलदीप भंडारी अपनी पत्नी मधु भंडारी समेत कांग्रेस के 56 कार्यकर्ताओं के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने टोपी और पटका पहना कर उनका पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश की राजनीति बदल रही है। जो लोग जनता और देशहित के लिए

कुछ करना चाहते है वो आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे है। वही भाजपा नेता प्रेम चन्द्र पाल भी अपनी पूरी टीम के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। 'आप' एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने पटका पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया7 यहां आज़ादपुर मंडी के चेयरमैन आदिल खान भी मौजूद रहे। मनीष सिसोदिया ने कहा कि पिछले 8-10 सालों से एक सामाजिक कार्यकर्त्ता के रूप में कुलदीप भंडारी के काम से वाकिफ हूं। भंडारी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में विकास का जो मॉडल तैयार किया है उसे आगे बढ़ाएंगे।

श्मशान घाट की दीवारें दे रही जीवन का संदेश

● लोधी रोड श्मशान घाट की दीवारों पर की गई संदेश परक पेंटिंग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के मद्देनज़र दक्षिणी निगम विभिन्न सौंदर्यीकरण व स्वच्छता कार्यक्रमों द्वारा दिल्ली को सुंदर और साफ़ बनाने का प्रयास कर रहा है। इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए दक्षिणी निगम ने दिल्ली स्ट्रीट आर्ट के सहयोग से लोधी रोड श्मशान घाट की दीवारों पर सुंदर थीम पेंटिंग बनाई है।

थीम पेंटिंग के अंतर्गत चित्रकारी व संस्कृत श्लोकों के द्वारा जीवन और मृत्यु के सार्वभौमिक सत्य व शाश्वत शांति के संदेश को दर्शाया गया। इस प्रकार कलाकृति व चित्रकारी से दक्षिणी निगम शहर की दीवारों को सुंदर व पोस्टर मुक्त बनाने की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा है।

दक्षिणी निगम द्वारा सभी जोन में व्यापक स्तर पर निगम भवनों, ढलाव घरों, चौराहों, सार्वजनिक शौचालयों आदि पर स्वच्छता पर आधारित वॉल पेंटिंग बनाई जा रही है। इस प्रकार के सौंदर्यीकरण कार्यों से निश्चित रूप से नागरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक होंगे और दक्षिणी निगम के स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में अपना सहयोग देंगें। इसके अतिरिक्त निगम द्वारा सभी जोन में स्वच्छता, कूड़े के पृथक्करण, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध और गीले कूड़े की कम्पोस्टिंग के लिये विशेष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

दक्षिणी ज़ोन की 24 आर डबल्यू ए द्वारा उनकी कॉलोनियों में सफलतापूर्वक कूड़े का पृथक्करण किया जा रहा है।निगम उनके अथक प्रयासों की सराहना की गई और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

मध्य के उपाध्यक्ष सुनील सहदेव और ब्रांड एंबेसडर नीलम सहदेव ने नागरिकों को हरे वे नीले डस्टबिन व इको फ्रेंडली बैग भी वितरित किए।

नजफगढ़ जोन की महिपालपुर मार्किट में स्रोत पर ही कूड़े के पृथक्करण,सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने के लिये व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मार्किट एसोशियन के सदस्यों ने भाग लिया और आश्वासन दिया कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नही करेंगे और बाजार को स्वच्छ रखने में दक्षिणी निगम का सहयोग करेंगे।

केंद्रीय विधि सचिव अनूप मेंदीरत्ता बनेंगे दिल्ली हाईकोर्ट के जज

नई दिल्ली। केंद्रीय विधि सचिव के रूप में करीब ढाई साल तक सेवाएं देने के बाद अनूप कुमार मेंदीरत्ता दिल्ली उच्च न्यायालय में बतौर न्यायाधीश न्यायिक क्षेत्र में लौट रहे हैं। वह सोमवार को न्यायाधीश के रूप में शपथ ले सकते हैं।

उन्होंने कार्यपालिका और न्यायपालिका दोनों क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। दिल्ली न्यायिक सेवा के अधिकारी मेंदीरत्ता ने दोनों ही भूमिकाओं में दुर्लभ पहचान बनायी है। वह केंद्रीय कानून सचिव नियुक्त किये जाने वाले पहले जिला न्यायाधीश थे। न्यायपालिका के क्षेत्र में उनकी वापसी से एक अन्य रिकार्ड बना है। वह उच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किये जाने वाले पहले केंद्रीय विधि सचिव हैं। मेंदीरत्ता ने 1987 में वकील के रूप में कानून की दुनिया में तब कदम रखा था।

संक्षिप्त समाचार

नव निर्मित एलोपैथिक डिस्पेंसरी जनता को समर्पित

नई दिल्ली। सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा व महापौर मुकेश सुर्यान ने नजफगढ़ ज़ोन के सागरपुर क्षेत्र में नव निर्मित एलोपैथिक डिस्पेंसरी जनता को समर्पित की । सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहे है। निगमों को प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं की ओर अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए क्योंकि लोगों को अपने घर के आसपास प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा की आवश्यकता होती है जहाँ उनकी छोटी-मोटी बीमारियों का ईलाज हो सके।

रोग प्रतिरोधक यूनानी बूस्टर दवाई बांटी

नई दिल्ली। यूनानी औषधालय में यूनानी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ हबीबुल्ला सीएमओ यूनानी, आयुष निदेशालय दिल्ली सरकार ने किया एवं मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. सैयद अहमद खान उपनिदेशक सीसीआरयूएम उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में डॉ फराज खान, डॉ रुकैया जर्रीन, डॉ अतूफा, डॉ फोजिया, हकीम अताउर्रहमान अजमली, फहद नईम, सायमा, ताजुद्दीन,जमाल अहमद आदि मौजूद थे।

शराब नीति के खिलाफ निकाली बाइक रैली

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार की शराब नीति के खिलाफ रविवार को निकाली गई बाइक रैली को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने झंडी दिखाकर रवाना की। हजारों की संख्या में बाइक रैली में उपस्थित युवाओ ने केजरीवाल की शराब नीति के खिलाफ नारे लगाए और हाथों में तख्ती के सहारे शराब नीति का विरोध किया। दिल्ली में युवाओं और महिलाओं के लिए जहर बनती जा रही इस शराब नीति का विरोध आज पूरा प्रदेश कर रहा है। जगह-जगह नारेबाजी हो रही है लेकिन पैसों के लालच में अंधी हो चुकी केजरीवाल सरकार को इससे और दिल्लीवालों को हो रही समस्याओं से कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। आज निकाली गई बाइक रैली पटेल नगर से प्रसाद नगर, आनंद पर्वत, थानसिंह नगर होते हुए फरीदनगर से वापस पटेल नगर पहुँची।

कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून देश की जरूरत: सूर्यकांत केलकर

भासुमं के अध्यक्ष बोले सेक्यूलर हिंदू सारी समस्याओं की जड़

कहा, देश को बचाने में संतों की रही है बड़ी भूमिका

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में भारत रक्षा मंच द्वारा असंतुलित जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या नियंत्रण कानून विषय पर विशेष सेमीनार में अतिथियों का स्वागत करते कार्यक्रम के सह-संयोजक नवीन गोयल व अन्य सदस्य।

संत जो जीता है वही बोलता है। इसलिए संतों की बातों को बड़े ध्यान से सुनना चाहिए। काफी संकटों के बाद भी अगर हम बचे हैं तो संतों के कारण ही बचे हैं। आज देश जनसंख्या असंतुलन के दौर से गुजर रहा है। इस संकट से उबरने के लिए हमारे संतों ने हरी झंडी दिखा दी है। यह बात भारत सुरक्षा मंच के संस्थापक सूर्यकांत केलकर ने रविवार को यहां भारत रक्षा मंच द्वारा असंतुलित जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या नियंत्रण कानून विषय पर विशेष सेमीनार में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कही।

सूर्यकांत केलकर ने आगे कहा कि बहुत प्रयास करने बाद और संकट उठाने के बाद भी हम भारत में 80 प्रतिशत हैं। उन्होंने कहा मुस्लिम देशों का जिक्र करते हुए कि 1400 साल पहले जिनके पांच गांव नहीं थे, आज उनके 56 देश हैं। 2000 साल पहले जिसका जन्म नहीं हुआ था, उनके 200 देश हैं। पूरे विश्व में भारत से ही सब कुछ हुआ फि र भी हम 20 प्रतिशत बचे हैं। श्रीकेलकर ने कहा कि इरान और इराक लगभग 30 साल मुस्लिम देश बनें किसी ने कोई विरोध नहीं किया। लेकिन सेक्यूलर के कारण हम चुप रह जाते हैं। यही चुप्पी हमरे विनाश का कारण बनीं। उन्होंने यह भी कहा सेक्यूलर हिंदू सारी समस्या की जड़ है।

पूरी दुनिया में असंतुलन का कारण है जनसंख्या: प्रबोधानंद गिरी

सेमिनार को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर प्रबोधानंद गिरी जी ने कहा कि जनसंख्या बढ़ने से संतुलन बिगड़ा हुआ है। भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में जनसंख्या असंतुलन की समस्या है। उन्होंने हिंदू समाज का आह्वान करते हुए कहा कि अब हम दो हमारे दो नहीं बल्कि आठ बच्चे पैदा करने होंगे जब ही हम सुरक्षित रह सकेंगे। उन्होंने नेताओं पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि भारत में जनसंख्या के असंतुलन के लिए नेताओं की बड़ी भूमिका रही है और हिंदू समाज ने पूरा सहयोग किया है। सेमिनार में उन्होंने रिश्तों की गरिमा को भी बखूबी समझाया। है।

बढ़ती आबादी ज्वलंत समस्याओं में से है एक : नवीन गोयल

इस सेमीनार के सह-संयोजक नवीन गोयल ने कहा कि भारत में ऐसा कानून बनना चाहिए जो जो घुसपैठियों की मदद करने वालों को दंडित कर सके। हमारी सरकार बहुत सालों से जनसंख्या नियंत्रण पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती आबादी देश की ज्वलंत समस्याओं में से एक है। इस पर नियंत्रण के हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में बाहरी लोगों की वेरीफिकेशन बहुत जरूरी है। यहां अनेक लोग ऐसे रहते हैं, जो कि किसी न किसी रूप में अपराध को अंजाम देते हैं। श्री गोयल ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ जी ने उनसे इस विषय पर चर्चा की और इस पर काम करने को प्रेरित किया। हर तरीके से अगर विकास करना है तो ऐसे विषय पर खुलेआम चर्चा होनी चाहिए। हम किसी धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि धर्म के नाम पर बांटने वालों के खिलाफ हैं। उनका विरोध करते हैं। झुगिगयों में रोहिंगया मुसलमानों ने यहां प्रवेश कर लिया था, जिन्हें हम सबने विरोध करके यहां से भगाया। आज पूरे देश में जितनी भी समस्याएं हैं, चाहे स्वास्थ्य, शिक्षा, अपराध की हो, आज उन सबका कारण बढ़ती जनसंख्या ही है।

लोकतांत्रिक देश है भारत: धर्मबीर गर्ग

कार्यक्रम के संयोजक धर्मबीर गर्ग ने कहा कि भारत रक्षा मंच की स्थापना 27 जून 2010 को हुई थी। रक्षा मंच का मुख्य उद्देश्य जनसंख्या पर नियंत्रण करवाना है। उन्होंने समाज को चेताते हुए कहा कि हिंदू भारत में जिस दिन 60 प्रतिशत हो जाएगा, उसी दिन देश में इस्लामीकरण हो जाएगा। भारत लोकतांत्रिक देश है और यहां वोटों की बड़ी मान्यता है। दूसरे देशों से आने वाले घुसपैठियों पर भी उन्होंने चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि देश में इस समय 4 पांच 5 करोड़ मुस्लिम घुसपैठियें घुसे हुए हैं जिनको खदेड़ना बहुत जरूरी है।

भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना होगा: विजय शंकर

विजय शंकर तिवारी ने कहा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र घोषित करना होगा। असंतुलित जनसख्या वृद्धि को रोकने के लिए सशक्त कार्यक्रम करने होंगे। अगर भरत में मुस्लिमों की जनसंख्या पर रोक नहीं लगी तो आने वाले समय में विनाश संभव है। डा. प्रदीप सिंघल ने कहा कि भारत रक्षा मंच की स्थापना का उद्देश्य जनसंख्या पर नियंत्रण रहा है। इस विषय को समझना महत्वपूर्ण हैं। यह धर्म और सस्कृति से जुड़ा है। इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो संस्कृति और सभ्यता का विनाश निश्चित है।

भोंडसी में हुई पंचायत में 12 गांवों के ग्रामीणों ने भाग लिया

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मंदिर की जमीन का महंत पर गलत तरीके से वसीयत कराने का था आरोप

फैसला हुआ कि श्रीसीताराम मंदिर सेवा समिति केस की पैरवी करेगी

भोंडसी के ग्रामीण जल्द ही उपायुक्त से मिलकर गांव की सीताराम प्राचीन मंदिर को लेकर उपजा विवाद को लेकर मिलेंगे ग्रामीण मेहंत पर मंदिर की जमीन का गलत तरीके से वसीयत कराने का आरोप लगा रहे हैं। रविवार को मंदिर परिसर में भोंडसी के ग्रामीणों की पंचायत हुई। जिसमें करीब 12 गांवों के लोगों ने भाग लिया।

एक घंटा तक चली पंचायत के बाद समाज सेवी भागीरथ सिंह राघव ने बताया कि मंदिर लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुराना मंदिर है। जिसमें गुरु चेला प्रथा चलती आई है। बहुत साल पहले भोंडसी के बुजुर्गों ने मंदिर खिदमत के लिए 98 कनाल जमीन दान में दी थी। जिससे कि मंदिर की व्यवस्था को बनाया जा सके। जिसमें मंदिर के महंत पूर्ण दास ने जिसके कोई औलाद नहीं थी। अपने भतीजे भतीजी के नाम दो अलग-अलग वसीयत की हैं। जबकि वह भतीजे या भतीजी ना तो पूर्ण दास के बेटे थे और ना ही उनके चेले और पिछले, 20 सालों से उनमें से कोई भी मंदिर या मंदिर जमीन पर आए हैं। अब वह लोग मंदिर की जमीन को गलत तरीके से बेचना चाहते हैं। जिस पर कि उनका कोई अधिकार नहीं बनता है।

आज श्रीराम मंदिर सेवा समिति भोंडसी ने श्रीसीताराम मंदिर में एक महापंचायत का आयोजन किया। जिसमें लगभग 12 गांव के लोग इकट्ठे हुए और सभी ने मिलकर यह फैसला किया कि श्रीसीताराम मंदिर सेवा समिति भोंडसी इस केस की पैरवी करेगी।

ग्रामीणों को एसएचजी की सुविधाओं की जानकारी दी : अभिषेक अग्रवाल

कार्यक्रम में लोगों को सरकारी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गांव अभयपुर में ग्रामीणों को जागरूक करते पदाधिकारी।

अभयपुर में नेशनल कोपरेटिव यूनियन ऑफ इंडिया द्वारा व इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल रेस्पांसिबलिटी और एकाउंटेबिलिटी इंडिया द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नेशनल कॉपरेटिव यूनियन ऑफ इंडिया से सुमित तथा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल रिसर्च एंड एकाउंटेबिलिटी इंडिया ने जागरूक किया। कार्यक्रम में लोगों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं दी। उनका लाभ कैसे लिया जाए इस बारे में जानकारी दी।

अग्रवाल ने बताया की गांव में मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण जागरूकता की कमी है। जिससे सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम गरीब व वास्तव में जरूरत मंद लोगों तक नहीं पहुंच पाते हैं। गांव में एक सहकारी समिति बनाई गयी है। जिसका नाम दी अभयपुर ग्राम उत्थान मल्टीपर्पज कॉपरेटिव सोसायटी, अभयपुर है। इस सोसायटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को रोजगार मुहैया कराना तथा महिलाओं के उत्थान के लिए उनके जीवन को सम्मानजनक बनाने के लिए कार्य करना है।

नेशनल कॉपरेटिव यूनियन ऑफ इंडिया के सुमित ने सोसायटी के सदस्यों से ग्रामवासियों को रूबरू कराया। जिसमें सोसायटी के प्रधान के रूप में महेश खटाना, उप प्रधान गजेंदर, सचिव ब्रहम सिंह, कोषाध्यक्ष अनूप कुमार है।

नेशनल कोआपरेटिव यूनियन ऑफ इंडिया, दिल्ली द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में अभिषेक अग्रवाल ने सरकारी योजनाओं का लाभ कैसे लिया जाए, क्या-क्या दस्तावेज चाहिए, कौन कौन लाभार्थी हो सकता है, आधार कार्ड, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, एसएचजी के क्या-क्या लाभ हैं, सरकार द्वारा एसएचजी को क्या सुविधाएं दी जा रही हैं। उनको कैसे लिया जाए। इसके बारे में जानकारी दी।

संग्रहालय से आने वाली पीढ़ियों को रोचक जानकारी मिलेगी : मनिंदर सिंह बिट्टा

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

करोड़ों रुपए की सैकड़ों वर्ष पुरानी वस्तुओं को देकर लोगों ने देशभक्ति का परिचय दिया

मनिंदर सिंह बिट्टा को स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय में लगी पेंटिंग के बारे में जानकारी देते।

स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय में रविवार को ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के द्वारा सजा कर तैयार की गई 04 गैलरी का उद्घाटन विधि पूर्वक किया गया। इस दौरान खास तौर से आतंकवादी विरोधी फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा, वेद विद्वान डॉ. एनडी शर्मा, पुरातत्व वेदा डा. डीवी शर्मा, अंचल पांड्या संरक्षण विभागाध्यक्ष आईजीएनसीए नई दिल्ली से सोनीपत पहुंचे।

इस दौरान डॉ सुमन मंजरी पूर्व आईपीएस अधिकारी भी मौके पर मौजूद रही। सोसाइटी के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने सभी का फूलों की माला से और श्रीकृष्णा रूपी रेशमी पटका पहनाकर हार्दिक स्वागत किया। देश दनिया से पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए स्वर्णप्रस्थ संग्रहालय सोनीपत में खास तौर से वैदिक गैलरी में डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल जहां किया गया है। वहीं महाभारत गैलरी में जो पेंटिंग लगाई गई है, उसमें स्वर्ण महल, प्रवेश के 4 दरवाजे, महाभारत युद्ध से पहले निमित पांडव कालीन कुएं, श्रीकृष्ण, महाभारत युद्ध होने से पहले 5 गांव की दुर्योधन से मांग करते हुए दर्शाए गए हैं। इसी तरह से टेरापोटा गैलरी में सजे हजारों वर्ष पुराने मिट्टी से निर्मित बर्तन काफी आकर्षण का केंद्र रहने वाले हैं। वहीं पुलिस गैलरी में भी पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ सुमन मंजरी की पुलिस वर्दी के अतिरिक्त ब्रिटिश जमाने में खुदाई के दौरान निकली पिस्तौल को भी खासतर से सजाया गया है। इस दौरान आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मनिंदर सिंह बिट्टा ने कहा कि यह संग्रहालय भविष्य में देश-दुनिया से पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए दिल्ली एनसीआर के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होगा। इस संग्रहालय को तैयार करने के दौरान इसमें सजी वस्तुओं को देने वाले व्यक्तियों ने करोड़ों रुपए की सैकड़ों वर्ष पुरानी वस्तुओं को देकर एक देशभक्ति का परिचय दिया है। आने वाली पीढ़ी जब संग्रहालय को देखने के लिए आएगी तो उन्हें काफी रोचक जानकारी जहां प्राप्त होगी। इस दौरान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र से संरक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष अंचल पांड्या ने बताया कि यहां इस संग्रहालय को तैयार करने के लिए तेज गति के साथ कार्य किया जा रहा है और विभाग की कोशिश है कि इस कार्य को जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। इस दौरान ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के सदस्य सचिव राजेश खत्री ने बताया कि संग्रहालय में खासतर से 13 गैलरी मौजूद है, जिनमे से अब तक 6 गैलरी का कार्य है पूर्ण हो चुका है और 7 अन्य गैलरी का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि जिला के लोगों द्वारा 100 वर्ष से लेकर 3000 हजार वर्ष पुरानी वस्तुएं निशुल्क उपलब्ध करवाई है, जिनकी कीमत 35 करोड से भी अधिक आंकी गई है। ब्यूटीफिकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष एवं डीसी सोनीपत ललित सिवाच के नेतृत्व में संपूर्ण संग्रहालय तैयार होने के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री से उद्घाटन करवाया जाएगा। संग्रहालय को दिव्यांग व्यक्ति भी देख सके इस तरह की व्यवस्था भी की जा रही है।

चन्द्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस मनाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहीद पंडित चंद्र शेखर आजाद की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर नमन करते एनआईटी-86 विस क्षेत्र के विधायक नीरज शर्मा।

आजादी के दीवानों में प्रमुख नाम है आत्मबलिदानी चंद्रशेखर आजाद का। मूंछों पर ताव, बलिष्ठ शरीर,गले में यज्ञोपवीत,और शेर जैसी शख्सियत के मालिक शहीद पंडित चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन भी किया गया।जिसमे फरीदाबाद से लिव फार नेशन गोरक्षा संगठन, अखिल भारतीय ब्रह्मर्षि समाज हरियाणा, गौरक्षा दल पलवल, गो रक्षा दल होडल, गो रक्षा दल वृंदावन ने शिरकत की।

यह शोभायात्रा पर्वतीय कालोनी जलघर से शुरू होकर प्याली चौक,एक दो नंबर चौक और बीके चौक से होती हुई शहीद भगत सिंह चौक पांच नबर पर पहुंची। वहां से सेक्टर 21बी परशुराम पार्क पर जाकर समाप्त हुई। शोभायात्रा यात्रा के दौरान लोगों ने जगह-जगह स्वागत किया। बार-बार आकाश भारत माता की जय के नारो से गुंजायमान होता रहा। चार पांच नंबर के चौंक पर विधायक नीरज शर्मा और मुख्यमंत्री के मीडिया कार्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने माल्यार्पण कर आजाद को श्रद्धांजलि अर्पित की। समापन समारोह में माननीय गंगा शंकर मिश्र ने कहा कि शहीद चन्द्रशेखर आजाद एक महान देशभक्त थे ये प्रण किया था कि वो जीते जी कभी अंग्रेजों के साथ नहीं आयेंगे। अल्फ्रेड पार्क में खुद ही की गोली से जान देकर ये सिद्ध भी कर दिया। उन्होंने कहा कि हमे आजाद की मूंछों पर ताब से देश के मान सम्मान के लिये मर मिटना, घड़ी से अनुशासित होना, जनेऊ से अपनी संस्कृति की रक्षा करने की शिक्षा मिलती है। विधायिका सीमा त्रिखा का कहना था कि आजाद जैसे बलिदानियों की वजह से ही हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

इस अवसर प्रेमचंद गौड़,सतीश कौशिक, प्रभात शर्मा,और बजरंग दल के मनीष भारद्वाज ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर मुख्य रुप से मा गंगा शंकर मिश्र, विधायक सीमा त्रिखा, विधायक नीरज शर्मा, अतुल त्रिखा, प्रेम चंद गौड, प्रभात शर्मा, अनिल कौशिक, बिन्नी शर्मा, बीडी कौशिक तथा पलवल, होडल, वृदावन, फरीदाबाद के सभी गौरक्षा संगठनो के सैंकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस-भाजपा ने दलित-पिछड़ों को वोटबैंक के रूप में देखा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता के वीर सिपाही वीर विजय सिंह पथिकजी की जयंती के अवसर पर सेक्टर-16 स्थित गुर्जर भवन में भारतीय वीर दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कसाना एवं लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के जिलाध्यक्ष पहलवान खेमचंद सैनी (फतेहपुरिया) के संयुक्त तत्वावधान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पूर्व सांसद एवं भारतीय महागठबंधन के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार सैनी ने शिरकत की। राजकुमार सैनी ने सर्वप्रथम वीर विजय सिंह पथिक जी एवं महान शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर दोनों ही महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर पूर्व सांसद राजकुमार सैनी ने पथिकजी के चरणों में पुष्प अर्पित करके उनके आदर्शो पर चलकर हरियाणा के फरीदाबाद की भूमि से एक बड़ा राजनैतिक विकल्प भारतीय महागठबंधन नामक राजनैतिक गठबंधन बनाकर गरीब व पिछड़े वर्गो के हकों की लड़ाई लडने् का ऐलान किया।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने क्रांतिकारियों के बलिदान जनता के सामने नहीं आने दिए

एनआईटी विधान सभा क्षेत्र में शहीद पं. चंद्र शेखर आजाद की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित पदयात्रा में शिरकत करते बीजेपी के प्रवक्ता राजीव जेटली व अन्य बीजेपी कार्यकर्ता।

फरीदाबाद। स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर रविवार को एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों की तादाद में भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि पदयात्रा का आयोजन किया। इस पदयात्रा में मुख्यातिथि के रूप में भाजपा प्रवक्ता राजीव जेटली ने शिरकत की। इस पदयात्रा का आयोजन शमशेर सिंह रावत व मोहम्मद अहमद द्वारा किया गया। सर्वप्रथम जेटली ने चंद्रशेखर आजाद की चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यह श्रद्धांजलि पदयात्रा होली चौक सेक्टर-56 से शुरू होकर करीब दो किलोमीटर परिक्रमा करती हुई सेक्टर-56 पर सम्पन्न हुई। इस दौरान पदयात्रा में लोगों का जुड़ना बढ़ता गया और लोग 'चंद्रशेखर आजाद अमर रहे' के नारे लगाकर पूरे माहौल को गुंजामय कर दिया। पदयात्रा में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता राजीव जेटली ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद, शहीद भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव, अशफाक उल्लाह खान जैसे अनेक क्रांतिकारियों के बलिदान की बदौलत ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे है। पूर्व की कांग्रेस सरकार ने षडयंत्र के तहत देश की आजादी में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले शहीदों की जीवनी को विस्तार से जनता के बीच नहीं आने दिया। उन्होंने कहा कि जब बड़े कांग्रेसी नेता अंग्रेजों के साथ मिलकर जनता के साथ धोखा दे रहे थे और जिस वक्त उनके बड़े नेताओं के कपड़े पेरिस में धुलकर आते थे, उस दौरान स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रहे चंद्रशेखर आजाद 15 वर्ष की आयु में ही अंग्रेजों द्वारा रोज 15 कौड़े मारे जाने की सजा झेल रहे थे, तब भी यह कौड़े उनके जज्बे को झुका नहीं पाए और अंग्रेजों से लड़ते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार कर अपने देश के प्रति बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा महापुरुषों का सम्मान किया और उनकी जीवनी को लोगों के समक्ष पेश किया इसलिए आज हमें चंद्रशेखर आजाद जैसे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर देश व समाजहित में कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर मोहित सिंगला, कृपाल रावत एडवोकेट, शेर मोहम्मद, हरबंस राय एडवोकेट, अरूण उपाध्यक्ष बीजेपी, दिगम्बर पवार, भगत डागर, संजय दूबे, रामजन खान, धनंजय डागर, कमल डागर, वेदन प्रधान, सतबीर नैन, चंद्र प्रधान सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

दुष्कर्म पीड़िता को धमकी देने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी जयबीर राठी के द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए थाना सेक्टर 8 प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार की टीम ने रेप का शिकार हुई युवती को फैसले के लिए डराने-धमकाने वाले आरोपी विकाश उर्फ नगेन्द्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश के नोएडा जिले का रहने वाला है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि युवती ने थाना सेक्टर आठ में दुष्कर्म का मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने के बारे में लिखित शिकायत दी। जिस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। युवती ने बताया कि वह घरों में साफ सफाई का काम करती है। वह 6 मई 2021 को उत्तर प्रदेश के नोएडा जिले में एक गैंग रेप की घटना का शिकार हुई थी। जो कि जानकारी न होने के कारण वहां से बल्लभगढ़ आ गई थी। बल्लभगढ़ महिला थाने में युवती ने एक लिखित शिकायत दी। जिस पर महिला थाना बल्लभगढ़ में मुकदमा दर्ज कर एफआईआर की कॉपी गौतम बुध नगर नोएडा के थाने में भेज दी थी। अभी मुकदमें में जांच चल रही है। युवती ने बताया कि उस पर और उसके पिता पर आरोपियों द्वारा लगातार फैसले का दबाव बनाया जा रहा हैं। आरोपी अभी भी फरीदाबाद में मेरे ऊपर फैसले का दवा बनाने के लिए आया था। आरोपी बार-बार युवती और उसके पिता को जान से मारने की धमकी देता है। थाना सेक्टर 8 में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया

बीके चौक पर लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन और डालसा पैनल की एडवोकेट अर्चना गोयल और अन्य लोग।

फरीदाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के चीफ ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट मंगलेश चौबे के दिशा निर्देश में एवं अधिवक्ता अर्चना गोयल व संजय गुप्ता के मार्गदर्शन में ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट फरीदाबाद, फरीदाबाद पुलिस, रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन की तरफ से 26 फरवरी शनिवार को स्पेशल सड़क सुरक्षा साल 2022 एंड नाबालिक बच्चों को वाहन बिल्कुल ना दें। डिप्टी कमिश्नर फरीदाबाद जितेंद्र यादव के आदेशनुसार, जितेंद्र गहलावत जिला ट्रांसपोर्ट अधिकारी फरीदाबाद के मार्ग दर्शन एवं अधिवक्ता सतीश आचार्य, लतेश ट्रैफिक इंस्पेक्टर रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी फरीदाबाद एवं स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार एवं मेंबर ऑफ पार्लीमेन्ट रोड सेफ्टी कमिटी भारत सरकार के सदस्य सरदार देवेंद्र सिंह एवं रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन के साथ सहयोग से शनिवार को नाबालिक बच्चों एवं ऑटो को अभियान चलाया गया। स्पेशल अभियान में सब इंस्पेक्टर जय भगवान, ईएसआई देवेंद्र सिंह, दीपक जसविंदर कौर ,अधिवक्ता अर्चना गोयल एवं देवेंद्र सिंह ने विशेष योगदान दिया।

मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण की अंतिम तिथि आज

नूंह। जिला उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि किसानों को अपने कृषि उत्पादों को मंडियों में बेचने तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। हरियाणा सरकार द्वारा किसानों के हित में 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 28 फरवरी है। अजय कुमार ने बताया कि मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल के अंतर्गत किसान अपनी खेती का पूरा विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर सब्मिट कर सकते हैं, जिससे समय पर सरकार द्वारा उन्हें योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि जो किसान पोर्टल पर रबी सीजन की फसलों का रजिस्ट्रेशन करवाना चाहते हैं, वे 28 फरवरी तक अपनी रबी की फसलों का ब्यौरा इसमें दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। उपायुक्त ने बताया कि कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा कई तरह की योजनाओं शुरू की गई है। इन्हीं योजनाओं में से एक मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने प्रत्येक किसान की फसल का पंजीकरण मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर करवाना अनिवार्य किया हुआ है। इसका उद्देश्य किसानों को फसल बेचने में सुविधा पहुंचाने के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं का सीधे लाभ भी देना है। उन्होंने बताया कि किसान अपनी फसलों का पंजीकरण फसल डॉट हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल पर जाकर करा सकते हैं। ऑनलाइन या नजदीकी अटल सेवा केंद्र पर जाकर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा टोल फ्री नंबर 1800-180-2117 भी जारी किया गया है।

पॉश इलाके हो या कालोनी हर जगह हैं मौत के कुएं

कविता। फरीदाबाद

पिछले दिनों पर्वतीय में खुले मैनहोल में एक महिला बच्चे सहित गिर गई थी। लेकिन इसके बावजूद भी नगर निगम द्वारा मैनहोल बंद नहीं किए जा रहे हैं। ऐसा ही शहर के विभिन्न हिस्सों में देखने को मिल रहा है। हाइवे हो या कालोनियां मैनहोल के ढक्कन इस कदर खुले हुए हैं कि इन्हें मौत का कुंआ कहा जा सकता है।

मौत का कुआं: जवाहर कालोनी से सेक्टर-23, संजय कालोनी आने वाली 33 फीट रोड के बीचोबीच एक मैन होल का ढक्कन पिछले लंबे समय से खुला हुआ है। यहां से गुजरने वालों को परेशानी उठानी पड़

जगह-जगह खुले मैनहॉल दे रहे हादसों को न्यौता

रही है। वहीं लोग इसे मौत का कुआं कहकर निकल रहे हैं। क्योंकि सीवर का यह मैनहोल काफी बड़ा है। जिसमें बाइक सवार या पैदल इस ओर ध्यान नहीं दें तो इसमें गिरकर उसकी जीवनलीला समाप्त हो सकती है। सड़क बीच होने से यहां आए दिन जाम लग रहा है। नगर निगम की लापरवाही से कोई बड़ा हादसा हो सकता है। यहां तक कि हाइवे पर भी सीवर ओवरफ्लों होने से पानी सड़क पर फैल रहा है। जिससे राहगीरों को परेशानी हो रही है।

सेक्टर-23, संजय कालोनी की 33 फुट रोड पर सीवर का ढक्कन टूटने से बना मौत का कुआं।

गिर गई थी एक महिला

पर्वतीय कालोनी में एक महिला कुछ समय पहले बीच सड़क पर खुले पड़े मैनहोल में अपने छोटे बच्चे सहित उसके अंदर गिर गई थी। फोन पर बात करने की वजह से महिला का ध्यान उसकी तरफ नहीं गया था। गनीमत था कि आसपास के लोग महिला को मैनहोल के अंदर गिरते हुए देख लिया था। बिना समय गंवाए महिला और उसके बच्चे को निकाल लिया था। एक युवक ने मैनहोल के अंदर उतर कर कड़ी मशक्कत के बाद महिला और उसके बच्चे को सकुशल बाहर निकाल लिया था। इस हादसे के बाद भी कर्मचारी खुले मैनहॉल के ढक्कन (मौत के कुओं) की तरफ ध्यान नहीं दे रहे है। जबकि बच्चे के साथ मैनहोल में गिरने का भी वीडियो तेजी के साथ इंटरनेट पर वायरल हुआ था।

जिसमें लोग जमकर नगर निगम फरीदाबाद को खरी-खोटी सुना रहे थे। लेकिन आज भी अधिकांश इलाकों में मैनहोल से ढक्कन गायब हैं। निगम ने जो ढक्कन लगाए हैं, उनकी गुणवत्ता अच्छी न होने के कारण वे वाहनों का वजन नहीं सहन कर पाते हैं और जल्द ही टूट जाते हैं। इसकी शिकायतें लगातार निगम के पास पहुंच रही हैं।

35वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड मेले में पार्टनर कंट्री उजबेकिस्तान : सिन्हा

जम्मू कश्मीर होगा स्टेट पार्टनर, 30 देशों के शिल्पकारों ने आने के लिए सहमति भेजी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा पर्यटन विकास निगम के प्रधान सचिव एवं सूरजकुंड मेला अथॉरिटी के वाईस चेयरमैन एमडी सिन्हा ने कहा कि 35वें इंटरनेशनल सूरजकुंड मेला इस बार 19 मार्च से 4 अप्रैल तक मनाया जाएगा। कोविड-19 महामारी के बाद की परिस्थितियों से उबरते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस गतिविधि को पूरी धूमधाम से साथ आयोजित किया जाएगा। मेला को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सिन्हा रविवार को होटल राजहंस में सभी विभागों के साथ मेले की समीक्षा के बाद पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इस बार मेले में पिछली बार की तरह 1100 स्टाल ही रखे गए हैं। मेले का स्टेट पार्टनर जम्मू एवं कश्मीर रहेगा और कंट्री पार्टनर उजबेकिस्तान को रखा गया है। उन्होंने कहा कि मेले में इस बार 35 देश हिस्सा लेंगे और 30 देशों की तरफ से अपने आने की अनुमति भी भेज दी गई हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक मंच के लिए भी अब तक 17 देशों के कलाकारों ने अपनी सहमति भेजी है।

35वें सूरजकुंड मेले को लेकर हरियाणा पर्यटन विकास निगम के प्रधान सचिव एवं सूरजकुंड मेला अथॉरिटी के वाईस चेयरमैन एमडी सिन्हा प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए।

उन्होंने कहा कि मेले को लेकर बेहतरीन व्यवस्था की गई है। इस बार पेटीएम के सहयोग से टिकटों की बुकिंग की जाएगी। पर्यटकों को कोई असुविधा न हो इसके लिए पार्किंग पास के साथ ही मेले की टिकट की बुकिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि मेले की टिकट आम दिनों में 120 रुपये और शनिवार व रविवार को 180 रुपये रखी गई है।

उन्होंने कहा कि राजकीय स्कूल के बच्चों के लिए मेले में निःशुल्क इंट्री रहेगी। इसके साथ ही दिव्यांगों को 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। मेले में पांच इंट्री गेट रहेंगे। आम जनता के लिए तीन गेट रहेंगे। एक गेट वीआईपी व एक गेट मीडिया इंट्री के लिए रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गेट पर पर्यटकों का टेंपरेचर करने व सुरक्षा जांच की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक टिकट पर बारकोडिंग की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि मेले में सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर सिंह मान को जिला प्रशासन की तरफ से नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं पुलिस की तरफ से डीसीपी मुख्यालय नितिश अग्रवाल को पुलिस की तरफ से नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को लेकर पूरा मेला परिसर, पार्किंग स्थल व आस-पास की जगहें सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रहेंगी।

उन्होंने बताया कि मेला स्थल पर स्वास्थ्य विभाग की दो अतिरिक्त डिस्पेंसरी भी बनाई जाएंगी। आठ एंबुलेंस लगातार यहां ड्यूटी पर रहेंगी। मेला स्थल पर कोविड-19 टीकाकरण कैंप भी लगाया जाएगा। इस अवसर पर मंडल आयुक्त संजय जून, पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, हरियाणा पर्यटन विकास निगम के एमडी नीरज कुमार, उपायुक्त जितेंद्र यादव, अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर सिंह मान, एसडीएम फरीदाबाद परमजीत सिंह अहलावत, एसडीएम बड़खल पंकज सेतिया, एडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, मेला अधिकारी राजेश जून सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कोरोना: गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल प्रॉब्लम से लोग परेशान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना से ठीक होने के बाद मरीजों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल की समस्या सबसे ज्यादा परेशान कर रही है। गले में खराब, उल्टी, दस्त की समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। यह कहना है कि ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एकॉर्ड सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के गैस्ट्रोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. राम चंद सोनी का। उन्होंने कहा कि ऐसे मरीजों को समय पर अपनी डॉक्टरी जांच अवश्य करानी चाहिए। जिससे बीमारी को समय पर बढ़ने से रोका जा सके।

कोरोना की तीसरी लहर में संक्रमण की रफ्तार लगभग थम सी गई है। लेकिन कोरोना की चपेट में आये लोगों पर अब पूरी दुनिया में रिसर्च शुरू कर दी गई है। वैज्ञानिक और डॉक्टर ये समझने की लगातार कोशिश कर रहे हैं कि आखिर कोरोना का वायरस कैसे लोगों के शरीर में प्रवेश करता है, किस-किस तरह से प्रभावित करता है और संक्रमित व्यक्ति में कौन-कौन से लक्षण नजर आ सकते हैं, तभी इस बीमारी का सही तोड़ निकाला जा सकेगा। इन्हीं में से कई रिसर्च में यह सामने आ चुका है कि कोरोना के मरीजों में अक्सर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल के लक्षण नजर आते हैं। एकॉर्ड अस्पताल के

डॉ. रामचंद सोनी।

गैस्ट्रोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. राम चंद सोनी ने कहा कि ओपीडी में रोजाना करीब 80 मरीज जांच के लिए आते है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के सामान्य लक्षणों में सर्दी, जुकाम, सांस लेने में परेशानी और सर दर्द है, लेकिन इसके अलावा कोरोना के मरीज अक्सर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल के लक्षणों जैसे- पेट में दर्द, गले में खराश और दस्त की भी शिकायत करते हैं।

डॉ. सोनी ने कहा कि गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल पेट और छोटी आंत से संबंधित समस्या है जिसमें मरीज को पेट दर्द, लगातार अपच बने रहना, दस्त, भूख में कमी आदि की समस्या रहती है। कोरोना वायरस संक्रमित व्यक्ति के केवल फेफड़ों पर ही अटैक नहीं करता, यह मरीज के अन्य अंगों को भी प्रभावित करता है। कोरोना मरीजों में दिल का दौरा, किडनी या लिवर की समस्या और ब्लड क्लोटिंग की समस्याएं भी अक्सर देखी जाती हैं।

फिरौती के लिए अपहरण करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादियान के द्वारा शहर में अपराधियों और अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों की धर-पकड़ के दिए गए दिशा निर्देश पर कार्रवाई करते हुए ब्रांच सेक्टर 48 प्रभारी सब इंस्पेक्टर राकेश की टीम ने थाना एसजीएम नगर के क्षेत्र में हुई अपहरण और फिरौती मांगने की घटना में फरार चल रहे दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश के सिकंदराबाद जिले से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान घटना का मुख्य आरोपी रिंकू उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के गांव मछरिया हाल उत्तर प्रदेश के सिकंदराबाद मेला बाग, आरोपी पंकज उत्तर प्रदेश के सिकंदराबाद जिले के गांव मचन मुस्ताबाद हाल सिकंदराबाद की काशी राम कॉलोनी में रहने वाले के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों ने थाना एसजीएम नगर के क्षेत्र में पांच जनवरी को एक ऑटो चालक को ऑटो सहित उत्तर प्रदेश के सिकंदराबाद में अपहरण कर ले गए थे। अपहरण हुए लड़के के परिजनों की शिकायत पर थाना एसजीएम नगर में अपहरण कर और प्लानिंग के तहत लूट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

अपहरण कर फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार युवक रिंकू और पंकज।

दस लाख की रंगदारी मांगने वाला गिरोह गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गिरफ्तार आरोपियों से वारदात में प्रयोग मोबाइल फोन के साथ देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद

डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादियान के द्वारा शहर में अपराधियों और अपराध में संलिप्त आरोपियों की धर-पकड़ के दिए गए दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 प्रभारी इंस्पेक्टर रविंदर कुमार की टीम ने व्हाट्सएप के जरिए 10 लाख की रंगदारी मांगने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी सूरज पलवल जिले के गांव घाघोट और पंकज एवं दीपक सराय ख्वाजा के रहने वाले हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपियों ने सेक्टर 28 में रहने वाले कंपनी मैनेजर से व्हाट्सएप के जरिए कॉल कर 22 फरवरी को अंजान विदेशी नंबर से उनकी और उनके बेटे की सलामती के नाम पर दस लाख रुपये की रंगदारी मांगी। आरोपी ने अपने आप को नीरज बवाना गैंग का सदस्य बताया। जिसकी सूचना कंपनी मैनेजर ने थाना सेक्टर 31 में दी। जिस पर थाना सेक्टर-31 में योजना के तहत रंगदारी मांगने का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जिस पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 की टीम ने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी सूरज को थाना खेड़ी पुल क्षेत्र से अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने दोस्त पंकज और दीपक से फरीदाबाद मिलने आया था। आरोपियों को मौके पर एक देसी कट्टा, जिंदा कारतूस के साथ और वारदात में प्रयोग किए गए मोबाइल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ थाना खेड़ी पुल में अवैध हथियार में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी सूरज से पूछताछ में पता चला है कि वह कंपनी मैनेजर की कंपनी में पहले काम कर चुका था। जिसके कारण उसके पास कंपनी मैनेजर का मोबाइल नंबर था। आरोपी ने पैसे के लालच में आकर अपने आप को नीरज बवाना गैंग का सदस्य बताया था।

कंपनी मैनेजर से फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार आरोपीगण सूरज, पंकज और दीपक।

सड़क पर पड़े पत्थरों से दुर्घटना में मौत

फरीदाबाद। डीसीपी जयबीर राठी के द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए थाना सेक्टर-7 प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने सीसी रोड पर सड़क दुर्घटना में हुई एक व्यक्ति की मौत की घटना में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक अरुण कुमार बल्लभगढ़ सेक्टर-3 निवासी अपनी मोटरसाइकिल से शाम के समय सब्जी लेने के लिए घर से बाहर निकला था। मृतक व्यक्ति की सड़क पर पड़े हुए पत्थरों से टकराने के कारण सिर में पत्थरों से चोट लग गई। जिसके कारण अरुण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी। थाना प्रभारी सेक्टर 7 ने मौके पर रोड के ऊपर गैरकानूनी तरीके से पत्थर गिरना पाया। जो लापरवाही के कारण हुई मौत से संबंधित है। मृतक अरुण कुमार के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने धारा 304ए के तहत मामला दर्ज कर कानुनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पांच साल तक के बच्चों को पिलाई पोलियो ड्राप्स

197404 बच्चों को पिलाई गई दवाः डॉ. मानसिंह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के परिवहन, खनन एवं कौशल विकास विभागय के कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचन्द शर्मा ने रविवार को बल्लभगढ़ के नागरिक/शाखा एम्स अस्पताल में पोलियो अभियान के तहत बच्चों को पिलाई जाने वाली पोलियो ड्राप का शुभारंभ किया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि जिला के सभी जीरों से पांच साल के सभी बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाई जाएगी।

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार रविवार को स्वस्थ विभाग द्वारा जिला में पोलियो ड्राप्स अभियान के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पोलियो अभियान नोडल अधिकारी डॉ. मान सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय अभियान के पहले दिन 197404 बच्चों को दवा पिलाई गई। डीसी जितेन्द्र यादव ने कहा कि रविवार को जीरो से 5 साल के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई।

बल्लभगढ़ में बच्चे को पोलियो की ड्राप्स पिलाते कैबिनेट मंत्री मूल चंद शर्मा।

उन्होंने बताया कि रविवार को बूथों पर पोलियो ड्रॉप्स पिलाई जाएगी और 28 फरवरी तथा 1 मार्च यानी सोमवार और मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग की वालिंटियर टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाएंगी। ताकि ऐसा एक भी जीरो से 5 वर्ष तक आयु का बच्चा जिला में पोलियो ड्राप्स पिए बिना ना रहे। उन्होंने कहा कि यह ड्राप्स बच्चों को बहुत बड़ी बीमारी से बचाव के लिए जरूरी है। पोलियो बीमारी बड़ी तेजी से एक से दूसरे बच्चों में फैलती है। इसलिए पोलियो ड्रॉप बच्चों को पिलाना अति आवश्यक है। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि कोविड-19 की हिदायतों के अनुसार बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाना सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला में घुमन्तु जातियों के हाईरिस्क 9 क्षेत्र है जहां माईग्रेटरी अधिक है। माइग्रेटिड के 1112, स्लम के 681, नोर्मड के 39, ईट भट्टों के 146 और कंट्रक्शन की 219 साइटें जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित की गई है। वहां पर जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप्स पिलाना सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी और कर्मचारी की जो ड्यूटी सुनिश्चित की गई है, वह इस कार्य को गंभीरता से करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पोलियो ड्रॉप्स, ईट भट्टों, झुग्गी झोपड़ियों सहित तमाम स्थानों पर जाकर माइग्रेट फैमिली व कंस्ट्रक्शन साइटों और सहित घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाना सुनिश्चित करेंगी।

पोलियो अभियान के नोडल अधिकारी डॉक्टर मान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला में जीरो से 5 वर्ष के 377147 बच्चे हैं। जिसमें 197404 को दवा पिलाई गई। इनको पोलियो ड्राप्स पिलाने के लिए स्वास्थ्य तथा अन्य विभाग के कर्मचारियों की 2113 टीमें बनाई गई है। वे टीमें 634976 घरों में भी दस्तक देकर बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाना सुनिश्चित करेंगी। इसके लिए विभाग ने 1532 बूथ बनाए गए हैं और 2313 टीमें बनाई गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 111 ट्रांजिट टीमें और 94 मोबाइल टीमें गठित की हैं।

आम आदमी पार्टी कार्यालय का उद्घाटन

वार्ड नंबर 8 में आम आदमी पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन करते जिला अध्यक्ष धर्मवीर भडाना।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी विधानसभा के वार्ड नं-8 में रविवार को भावी प्रत्याशी अभिषेक गोस्वामी के कार्यालय का उद्घाटन जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना ने किया। इस मौके पर फरीदाबाद के सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस मौके पर धर्मबीर भड़ाना ने एनआईटी विधायक नीरज शर्मा पर हमला बोलते हुए कहा कि एक समय उन्होंने क्षेत्र की जनता से वादा किया था कि एनआईटी विधानसभा में अगर जल भराव की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो अपनी चोटी कटवा लूंगा। मगर आज एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है और मुख्यमत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली के लोगों को मुफ्त इलाज, फ्री बिजली दे रहे हैं। उनके कार्यो से न केवल दिल्ली बल्कि फरीदाबाद की जनता भी बेहद प्रभावित है। भड़ाना ने कहा कि बहुत जल्द ही दिल्ली की तर्ज पर पंजाब में भी आप पार्टी की सरकार बनने जा रही है। इस मौके पर आप पार्टी के जिला सचिव भीम यादव ने कहा कि आने वाले पंचायत एवं निकाय चुनावों में पार्टी सिम्बल पर चुनाव लड़ेगी और बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के जन प्रतिनिधि चुनकर आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

शहीद चंद्रशेखर आजाद को कभी नहीं भुलाया जा सकता

फरीदाबाद। प्रदेश के परिवहन एवं खनन मंत्री पंडित मूलचन्द शर्मा ने कहा कि शहीद पंडित चंद्रशेखर आजाद के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। देश की आजादी में उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा आज रविवार को स्थानीय सेक्टर-2 में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में शहीद पंडित चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली मुख्य रूप से मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा द्वारा भाजपा किसान मोर्चा द्वारा शहीदी पार्क से लाई गई पवित्र मिट्टी से तिलक कर मनाया। उन्होंने कहा वे भी चंद्रशेखर के उस गांव जरूर जायेगे। जिस गांव की धरती पर ऐसे महान क्रांतिकारी का जन्म हुआ था। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लबगढ में शहीद चंद्रशेखर की बड़ी प्रतिमा लगवाने के लिए भी घोषणा की। परिवहन मंत्री पण्डित मूलचंद शर्मा ने कहा कि आज भारत देश का हर नागरिक ऐसे महान देश भक्तों की कुर्बानी के कारण ही आजाद है और आजादी की खुली हवा में सांस ले रहा है। तत्पश्चात परिवहन मंत्री पंडित मूलचन्द शर्मा ने शहीद चंद्रशेखर आजाद जी के बलिदान दिवस के अवसर पर सेक्टर- 62 के लोगों को सौगात देते हुए करीब 40 लाख की लागत से डाली जाने वाली सीवर लाईन की आधाशीला रखी। वहीं राजवाड़ा के लोगो को एक पानी का ट्यूबेल देकर लोगो की स्वच्छ पेयजल सम्बंधित समस्याओं को दूर करने का वायदा किया। इसके बाद कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा गांव चंदावाली में पृथला से विधायक नयनपाल रावत के पृथला विधानसभा के धन्यवाद समारोह में पहुंचे।

जनहित सेवा संस्था ने आजाद को याद किया

फरीदाबाद। सामाजिक जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के कार्यालय सेक्टर दो पर पंडित चन्द्रशेखर आजाद का शहीद दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर आजाद को याद करते हुए नमन किया ओर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के प्रधान सन्तसिहं हुड्डा दयालपुर ने इस अवसर पर कहा कि आजाद एक महान क्रान्तिकारी थे। ऐसे महान सपूतो की वजह से हम सांस ले रहे है। चंद्रशेखर को आजाद नाम एक खास वजह से मिला चंद्रशेखर जब 15 साल के थे। तब उन्हें किसी केस में एक जज के सामने पेश किया गया। वहां पर जब जज ने उनका नाम पूछा तो उन्होंने कहा मेरा नाम आजाद है, मेरे पिता का नाम स्वतंत्रता, और मेरा घर जेल है। जज सुनने के बाद भड़क गए और चंद्रशेखर को 15 कोड़ों की सजा सुनाई। यहीं से उनका नाम आजाद पड़ गया। चंद्रशेखर पूरी जिंदगी अपने आप को आजाद रखना चाहते थे। आजाद ने ताउम्र अंग्रेजों के हाथों गिरफ्तार नहीं होने का अपना वादा पूरा किया। 27 फरवरी 1931 के दिन अंग्रेजों के साथ लड़ते हुए अपना नाम हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज कर लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था के अध्यक्ष सन्तसिहं सिंह हुड्डा, महासचिव सुभाष गहलोत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रवेश लांबा, उपाध्यक्ष पंडित ओम दत्त शास्त्री, कोषाध्यक्ष लोकेश शास्त्री, मुख्य सचिव देवी चरण, सचिव लक्की वर्मा, योगेश लांबा, सुनील शास्त्री, सुरेंद्र बांकुरा, दीपक गर्ग, विक्की छाबड़ा, सुंदर तेवतिया, दया तवर, संस्था के सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

विधायक ने सौंपा आरडब्ल्यूए को 11 लाख का चेक

फरीदाबाद। सेक्टर 21सी की आरडब्ल्यूए के सदस्यों को बड़खल विधायक सीमा त्रिखा ने 11 लाख रुपये का चेक सौंपा है। सेक्टर 21सी में इसके लिए खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। इस विषय में आरडब्ल्यूए के प्रधान महेन्द्र शर्मा ने बताया कि 2 महीने पहले सेक्टर 21सी में आरडब्ल्यूए की रोड ब्रूमिंग मशीन के उद्घघाटन समारोह मे बड़खल विधायक सीमा त्रिखा ने सेक्टर 21सी आरडब्ल्यूए से 11 लाख रुपये देने का जो वायदा सेक्टर के विकास के लिये किया था। 27 फरवरी को पूरा कर दिया। इस तरह की राशि का वितरण ना केवल फरीदाबाद अपितु पूरे हरियाणा मे पहली बार किसी आरडब्ल्यूए को दी गई हैं। सेक्टर 21सी आरडब्ल्यूए ने पिछले 3 महीने में अपने स्तर पर कई ऐसे कार्य किये हैं, जैसे सेक्टर 21सी को कचरा मुक्त करना हो। सड़क सफाई मशीन से सड़कों की सफाई हो इत्यादि, कार्य जिनसे प्रभावित होकर विधायक ने 11 लाख देने की घोषणा की थी। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए प्रधान महेंद्र शर्मा, वरिष्ठ संरक्षक रामावतार वशिष्ठ, संरक्षक वीके शर्मा, उपप्रधान रूद्रदेव, सुरेश शर्मा, संदीप नागपाल, गौरव सेठी, मुकेश प्रूथी, किरण शर्मा, मांगे राम शर्मा, अजय ऋषि, वीडी बंसल, अशोक बत्रा, महेश बंसल, सुनील अरोड़ा व सेक्टर के गणमान्य निवासियों ने विधायक का आभार व्यक्त किया और विधायक द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों की सराहना की।

शहीद चंद्रशेखर देश के युवाओं के असली नायक हैं: नागर

फरीदाबाद। प्रदेश भाजपा द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाने के निर्णय का चहुंओर भव्य स्वागत हुआ है। इन कार्यक्रमों में युवाओं ने बड़ी संख्या में भागीदारी की है। तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने भी आज गांव अरुआ में आयोजित बलिदान दिवस समारोह में शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन प्रकट किए। उन्होंने कहा कि आज जो हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं वह केवल इन्हीं बलिदानों की शहादत का फल है। इनके दिलों में ऐसा जुनून था कि जिससे देश आजाद हो सका। वो सोचते थे कि हमारी आने वाली पीढियां गुलामी में न रहें। इसलिए आज सबसे ज्यादा उम्मीद हमें युवाओं से है क्योंकि भारत दुनिया का सबसे युवा आबादी वाला देश है। हमारे युवाओं को ऐसे बलिदानियों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। नागर ने कहा कि आजाद देश के नागरिकों के असली नायक उनके अपने शहीद होते हैं। इन नायकों को किसी परिवार अथवा जाति के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। भाजपा का प्रयास है कि वह देश निर्माण में अपना योगदान देने वाले सभी नायकों के प्रति लोगों को जागरुक करें और युवाओं को उन्हें अपने नायक के रूप में स्वीकार कराने के लिए प्रेरित करें। विधायक नागर ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय एवं अंत्योदय के मंत्र के साथ शासन का संचालन कर रहे हैं। जिसके कारण आज देश दुनिया में अपनी स्पष्ट मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह नेतृत्व का ही असर है कि किसी समय भारत का विरोध करने वाला यूक्रेन भी मोदीजी से मदद की गुहार लगाता है। इस मौके पर किशन ठाकुर, देवेंद्र गोयल, ललित नागर उपाध्यक्ष किसान मोर्चा, उत्कर्ष गर्ग कोषाध्यक्ष, कृष्ण हाडा अध्यक्ष खेड़ी मंडल, अनिल कौशिक तिगांव मंडल अध्यक्ष, जय किशोर शर्मा सराय मंडल अध्यक्ष, जयभगवान महामंत्री तिगांव मंडल, महेंद्र शर्मा उर्फ ओम, विजय पाल शर्मा जिला सचिव, जयचंद नंबरदार, कृष्ण ठाकुर, मुकेश नंबरदार, ओम प्रकाश पंडित, राजेंद्र पंडित आदि गणमान्य लोगों ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

दिल्ली सरकार की पहल

फिल्म नीति की घोषणा

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया दिल्ली को भारत ही नहीं, एशिया का कैन्स बनाना चाहते हैं। इस मामले में वे असाधारण जोश से भरे हैं। उन्होंने हाल ही में दिल्ली की फिल्म नीति घोषित की जिससे वे राष्ट्रीय राजधानी व राज्य को फिल्म प्रोडक्शन का केन्द्र बनाना चाहते हैं। इससे स्थानीय रोजगार व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। एक नोडल एजेंसी सिनेमा टीमों तथा अतिथि सत्कार, पर्यटन व परिवहन क्षेत्रों के कर्मचारियों के बीच समन्वय कर प्रोडक्शन प्रक्रिया को सरल बनाएगी। यह एक विश्वसनीय कदम है और इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि व्यवहार में यह नीति कितने समावेशी व सहज होगी। भारतीयों की आधुनिक पीढ़ी को अब भी अमिताभ बच्चन की त्रिशूल फिल्म याद है जिसकी ज्यादातर शूटिंग 1970 के दशक में दिल्ली में हुई थी। इस फिल्म ने दिल्ली को भारत के सिनेमा मानचित्र पर स्थापित कर दिया। इसके कुछ प्रमुख दृश्य लोदी गार्डन, गोल्फ क्लब, ओडियन थियेटर, तीन मूर्ति, पुराना किला, ओबेराय की पार्किंग तथा फिल्म का क्लाइमेक्स प्रगति मैदान के हाल आफ नेशन्स में फिल्माए गए थे जिसे अब गिरा दिया गया है। नई शताब्दी में दिल्ली ऐसी फिल्मों की शूटिंग के लिए पसंद की जाती है जिनमें राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय राजनीति या राष्ट्रीय संस्थानों को महत्व मिला हो। खांचों से अलग सोचने वाले कुछ फिल्म निर्माताओं ने नई दिल्ली के बजाय पुरानी दिल्ली को महत्व दिया है। दिल्ली 6 में चांदनी चौक व करोल बाग, फुकरे में दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण दिल्ली परिसर, थ्री ईडियट्स में कनाट प्लेस, पीके में अग्रसेन की बावली, क्वीन में राजौरी गार्डन व लाजपत नगर को तथा दिल्ली बेली में पीतमपुरा और कपाशेरा को विरासत, प्रवासियों व दिल्ली के गरीबों के लिए स्थान मिला है।

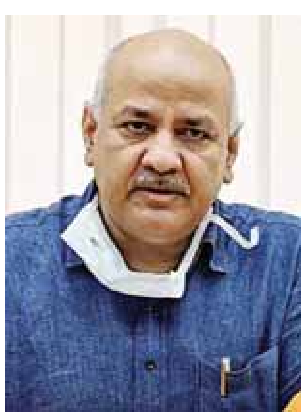

दिल्ली को वर्तमान फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षक बनाना मनीष सिसोदिया के लिए एक प्रकार से चुनौती होगी। न केवल हिंदी, बल्कि अधिकांश मुख्यधारा भारतीय सिनेमा आजकल यथार्थवाद में डूबा है। उसमें पहचान के निशानों, जैसे, मुंबई के मैरीन ड्राइव व दिल्ली के इंडिया गेट को स्थान नहीं मिलता है। आजकल विश्वसनीय व विश्वास योग्य सिनेमा के लिए सच्चाई के निकट वाली स्थानीय परिस्थितियों को फिल्माने पर जोर दिया जा रहा है। एक हालिया बहुभाषी फिल्म ने आंध्र प्रदेश के पहाड़ी जंगलों में स्थित एक गांव में शूटिंग के लिए बहुत बड़ी धनराशि खर्च की। ऐसी स्थितियों में चंदन तस्करी के दृश्य फिल्म स्टूडियो की तुलना में ज्यादा प्रभावशाली लगते हैं। यदि निदेशकों को कर्मी, परिवहन व उपकरण बाहर से न लाने पड़ें तो दिल्ली को सिनेमा संबंधी ढांचा विकसित करना होगा। इसके साथ ही मनीष सिसोदिया को उल्लेखनीय पहल करते हुए सभी राज्यों को एक मंच पर लाना होगा ताकि फिल्म निर्माताओं के लिए एकल खिड़की जैसी व्यवस्था हो सके। भारत में 14 राज्यों की अपनी फिल्म सुविधा नीतियां हैं, जबकि 18 ने विभिन्न फिल्म निर्माताओं को अनेक प्रोत्साहन दिए हैं। अब केन्द्र सरकार ने भी इस दिशा में कदम उठाने का फैसला किया है। उसने एक आदर्श फिल्म नीति बनाने के साथ फिल्म प्रोत्साहन कार्यालय बनाने में राज्यों से समन्वय का फैसला किया है। हालांकि, भारत में फिल्म निर्माण सस्ता है, पर मैत्रीपूर्ण स्थानीय नीतियों के अभाव में फिल्म निर्माताओं को विदेशों में शूटिंग करनी पड़ती है। ऐसे में दिल्ली को इस मामले में प्रशासनिक केन्द्र बनाने के लिए समन्वित केन्द्र-राज्य प्रयासों की जरूरत है। इससे वह राष्ट्रीय सिनेमेटोग्राफिक कानून, भारत के आंतरिक सिनेमा बाजार, सिनेमा के सांस्कृतिक मूल्यों तथा फिल्म निर्माताओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच स्वाभाविक समन्वय बना सकेगी।

कठघरे में अकेले रूस ही नहीं

आज की स्थिति यह है कि रूस अपना प्रभाव क्षेत्र अपनी सैन्य ताकत के बल बढ़ा रहा है, चीन बिना युद्ध के ही भू-रणनीतिक लाभांश अर्जित करने की स्थिति में है।

डॉ. रहीस सिंह
(लेखक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

24 फरवरी 2022 की सुबह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के डोनबास इलाके में 'सैन्य कार्रवाई' की घोषणा कर दी। इसके कुछ देर बाद ही रूसी फौजें यूक्रेन की सीमाओं में प्रवेश कर गयीं। इसके साथ ही रूसी सेनाएं अपने 'क्लाइंट कंट्री' यानि बेलारूस से चेर्निहाइव की तरफ से भी घुसीं और सुमी क्षेत्र की तरफ से भी। देखते ही देखते वे यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंच गयीं। सवाल यह उठता है कि रूस को इस जंग का निर्णय क्यों लेना पड़ा? हम यह तो स्पष्ट तौर पर कह सकते हैं कि यह जंग समय की मांग पर तो बिल्कुल नहीं हुई है, ठीक वैसे ही जैसे इराक में अमेरिका ने लड़ी थी। फिर इसके लिए दोषी किसे मानें? रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को या फिर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमीर जेलेंस्की का अथवा जो बाइडेन को?

क्या इसकी एक वजह अमेरिका का अनिर्णय, अनिश्चय और अंतर्विभाजन का शिकार होना भी है जिसके कारण नाटो निःशक्त हुआ है और चीन के साथ मिलकर पुतिन मजबूत? सवाल यह भी है कि इस खेल में चीन कितना बड़ा खिलाड़ी है? युद्ध से पहले पुतिन ने एक घंटे के अपने लम्बे भाषण में कुछ बातें कहीं थीं। ये बातें इशारा कर रही थीं कि यह लड़ाई यूक्रेन की जमीन पर केवल लड़ी जा रही है लेकिन असल बैटल ग्राउंड नहीं है? पुतिन की बातों पर ध्यान दिया जाए तो स्थिति काफी साफ हो जाएगी। उनका कहना है कि 1991 में सोवियत यूनियन बिखरा तो रूस पर डाका डाल दिया गया। यह बयान ठीक वैसा ही है जैसा कि कभी हिटलर ने प्रथम विश्वयुद्ध के बाद वर्साय की संधि को 'राजमार्ग की डकैती' कहते हुए दिया था। खास बात यह है कि यहीं दूसरे विश्वयुद्ध की बुनियाद पड़ गयी थी। पुतिन भी कुछ ऐसे बोल रहे थे मानो पिछले 20 वर्षों से वे सोवियत संघ की पुरानी कड़ियों को जोड़ते हुए वे अंदर ही अंदर एक युद्ध लड़ रहे हों। उनके अनुसार उन्हें दोस्त बनाने की बजाय एक दुश्मन बना दिया गया। हालांकि यह पूरा सच नहीं है लेकिन पूरा झूठ भी नहीं। इसके पीछे ठोस वजह है। पहली यह कि 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका ने नाटो के जरिए विस्तार जारी रखा जो रूस को निरंतर मुंह चिढ़ा रहा था। यही नहीं जिस तरह से अमेरिका ने 'इतिहास के एक युग के अंत' की परिकल्पना को अमली जामा पहनाया और नैरेटिव सेट किया वह रूस के अस्तित्व को नकारने सम्बंधी एक बड़ा षडयंत्र था। सोवियत संघ के खण्डहरों पर उगे स्वतंत्र देशों को जिस प्रकार से यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य बनाने की रणनीति रूस को निवीर्य बनाकर उसके अस्तित्व को समाप्त करने की कोशिश की गयी उसके विरुद्ध ऐसी ही प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी। चूंकि अमेरिका और पश्चिमी शक्तियां सीधे टकराने के बजाय अक्सर मोहरों के जरिए युद्ध लड़ती रही हैं।

इससे वे बिना किसी नुकसान के लाभांश पाने का पुख्ता इंतजाम कर लेती थीं। नाटो के जरिए ऐसे बहुत से देशों को मोहरा बनाया गया, इतिहास उनकी अतीत की हैसियत और विरासत के खण्डहरों को संजोए हुए जिन्हें कोई भी देख सकता है। यूक्रेन उनका ऐसा ही मोहरा है। पुतिन ने बस इतना किया कि इससे पहले कि इस पर अमेरिका या नाटो देश अपना प्रभुत्व जमाएं, रूस वहां प्रवेश कर नियंत्रण स्थापित कर ले।

वैसे इस सवाल के लिए तो अभी भी जगह है कि सोवियत संघ के विघटन और वारसा पैक्ट के समाप्त होने के बाद भी नाटो भंग क्यों नहीं हुआ? नाटो निरंतर विस्तारवादी क्यों बना रहा? दोनों तरफ से परमाणु रेस जारी क्यों रही? स्टार्ट थ्री अभी तक अपने परिणाम हासिल क्यों नहीं कर सकी? यूक्रेन में रूस विरोधी शक्तियों को पश्चिमी देशों द्वारा लगातार हवा क्यों दी जाती रही? इन सवालों का उत्तर यदि मिला तो यूक्रेन में खेले जा रहे ग्रेट गेम का सच पता चल जाएगा। वैसे यह पैटर्न नया नहीं है। इतिहास में नेपोलियन से लेकर हिटलर-मुसोलिनी एरा तक कई बार दिख जाएगा। इसके पीछे उद्देश्य सेनाओं के लिए प्रवेश द्वार निर्मित करना था। परिणाम सामने हैं।

19 जनवरी 2022 को जो बाइडेन ने कहा था कि उन्हें लगता है कि व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में 'दखल देंगे' लेकिन एक 'मुकम्मल जंग' से बचना चाहेंगे। सवाल यह उठता है कि जो बाइडेन अपना अनुमान व्यक्त कर रहे थे अथवा या निष्कर्ष बता रहे थे? यदि उनकी खुफिया एजेंसियां सक्षम हैं तो फिर यह निष्कर्ष रहा होगा? और यदि निष्कर्ष था तो वे अब तक क्या कर रहे थे? उनकी अनिर्णय की स्थिति बहुत कुछ बयां करती है। एक यह कि अमेरिका में पैन अमेरिकाना की अवधारणा कमजोर पड़ रही है। दो-जो बाइडेन अमेरिकियों का भरोसा खो रहे हैं? तीन- बाइडेन या तो चाहते हैं कि रूस चुपचाप यूक्रेन पर नियंत्रण कर ले या फिर वे हिन्द-प्रशांत में चीन डिस्टरबेंस से बचने के लिए केवल चीन की ओर देख रहे हैं और चीन क्रेमलिन का आगे बढ़ने के लिए उकसा रहा है। इसमें तो किसी को कोई संशय ही नहीं होना चाहिए कि चीन और रूस की दोस्ती, साझेदारी व रणनीति स्पष्ट है। दोनों ही यह मानकर चल रहे हैं कि अमेरिका का एक शक्ति के रूप में पराभव हो चुका है। वर्ष 2008 में इसकी प्रस्तावना लिखी गयी थी और अगस्त 2021 में उपसंहार। घरेलू राजनीति में विभाजन, ध्रुवीकरण और सामंजस्य की कमी से जूझते अमेरिका में पैनअमेरिका का धीरे-धीरे पराभव होता दिख रहा है। यही अमेरिका की असल ताकत थी। सबसे अहम पक्ष यहां पर यह है कि पहले विश्व युद्ध में जिस स्थिति में अमेरिका था, उस पोजीशन आज चीन दिख रहा है। इसलिए इतिहास को दोहराने वाला कोई भी युद्ध यदि होता है तो बीजिंग एक धुरी के रूप में चुनौतीविहीन ताकत बन जाएगा। यह भारत और अमेरिका सहित पूरी दुनिया के हित में नहीं होगा।

इसलिए यह घड़ी भारत के लिए भी निर्णायक है कि वह रूस का साथ दे अथवा अमेरिका का। चीन की एकपक्षीय आक्रामकता भारत को अमेरिका का साथ देने का दबाव बनाती है तो भू-रणनीतियां स्थितियां रूस का साथ देने का। हालांकि क्वाड चीनी आक्रामकता को रोकने में नाकामयाब रहा है फिर भी अमेरिका भारत के लिए अहम है। वह हमारा मेजर स्ट्रैटेजिक पार्टनर है। दूसरी तरफ रूस भारत का परम्परागत स्ट्रैटेजिक साझीदार है। 1971 से लेकर एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम डील तक के लम्बे सफर में भारत-रूस अहम रक्षा साझीदार रहे हैं। इसलिए भारत दोनों देशों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ेगा। लेकिन यह देखते हुए कि चीन के नेतृत्व वाली एशियाई व्यवस्था धीरे-धीरे अपने वास्तविक रूप में आ रही है।

इसके लिए भारत को अपनी नीतियों का नए सिरे से आकलन करने करने के साथ-साथ नई रणनीतियों को लेकर आगे बढ़ने की जरूरत होगी। भले ही आज रूस और चीन में काफी करीबी है लेकिन यह करीबी अवसरवादिता से अधिक कुछ भी नहीं। रूस को असल खतरा अमेरिका या पश्चिम से नहीं बल्कि इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते राजनीतिक व आर्थिक प्रभाव से ही है। यही संभव है कि भविष्य में अमेरिका अपने अस्तित्व के संकट और वैश्विक हितों को देखते हुए चीन के साथ सामरिक समझ बनाने की कोशिश करे। इसलिए न ही रूस भारत से और न भारत रूस से दूरी बनाना चाहेंगे।

बहरहाल आज की स्थिति यह है कि रूस अपना प्रभाव क्षेत्र अपनी सैन्य ताकत के बल बढ़ा रहा है, चीन बिना युद्ध के ही जियो-स्ट्रैटेजिक लाभांश अर्जित करने की स्थिति में है और अमेरिका अनिश्चितता का शिकार है। यूरोपीय देश विशेषकर जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन अलग-अलग आर्थिक प्रतिबंध लगाने व बैंकिंग सिस्टम स्विफ्ट से अलग करने की धमकी देने तक सीमित हैं। जबकि अब तक यूरोपियन यूनियन ने ही उसे स्विफ्ट सिस्टम से अलग नहीं किया है। इसके क्या अर्थ निकाले जाएं? यह अभी तय होना है।

तालिबान और भुखमरी के शिकार अफ़गान

> अफ़गान धन को अवरुद्ध करने का असली मकसद प्रतिशोध है - साथ ही घरेलू अमेरिकी राजनीति।

गुइन डायर
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

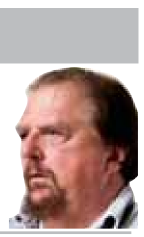

चूंकि तालिबान को आतंकवादी के रूप में नामित किया गया है, इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए न केवल अफगानिस्तान को अमेरिकी सहायता और व्यापार को प्रतिबंधित करना संभव है, बल्कि अन्य देशों द्वारा मानवीय सहायता भेजने के प्रयासों को अवरुद्ध करना या कम से कम गंभीरता से रोकना भी संभव है। नतीजतन, देश के आधे से अधिक लोग - आखिरी गिनती में 23 मिलियन - अचानक भुखमरी के करीब हैं। कई लोगों द्वारा अपने एक बच्चे को दूसरे को खिलाने के लिए बेचने की खबरें हैं।

यह औपचारिक रूप से एक प्रकार की गोद लेने की प्रक्रिया है, लेकिन व्यवहार में यह अक्सर ऋण दासता का एक पतला रूप है। माता-पिता द्वारा अपने बच्चों के लिए भोजन खरीदने के लिए अंग बेचने के कुछ प्रलेखित मामले भी सामने आए हैं। चूंकि केंद्रीय बैंक तालिबान के हाथों में है, इसलिए आतंकवाद विरोधी कानून अमेरिका को देश को कई अरबों डॉलर (ज्यादातर खर्च न की गई सहायता राशि, लेकिन निजी बचत भी) तक पहुंच से वंचित करने में सक्षम बनाता है, जो कि पूर्व सरकार के पास विदेशी बैंकों के पास जमा था।

प्रतिशोध को किसी स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है- कोई भी संयुक्त राज्य अमेरिका को अपमानित नहीं करता है और उसे दंडित नहीं किया जाता है। तथ्य यह है कि आम नागरिक अफ़गानों का उस अपमान से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन वे इसके लिए प्रतिशोध भुगत रहे हैं, इस मामले में किसी भी अन्य की तुलना में अधिक वजन नहीं है। हालांकि, घरेलू अमेरिकी राजनीति एक अधिक जटिल मुद्दा है।

बिडेन प्रशासन ने पिछले अगस्त की घटनाओं के कारण राजनीतिक रूप से गंभीर रूप से मार डाला है, और यह इंगित करने का कोई फायदा नहीं है कि यह मूल रूप से डोनाल्ड ट्रम्प था जिसने इस सौदे पर हस्ताक्षर किए जिसके कारण पश्चिमी अफगान शासन का अचानक पतन हुआ और अपमानजनक शालीनता -क्वि-पुट जो पीछा किया। जो बिडेन को दोष लेना होगा। इस नवंबर में मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं, और डेमोक्रेटिक पार्टी को कांग्रेस के दोनों सदनों का नियंत्रण खोने का खतरा है। बिडेन को तालिबान के प्रति नरमी के रूप में नहीं देखा जा सकता है, लेकिन यह भूख से मर रहे अफगानों के लिए कुछ भी करने की उनकी क्षमता को गंभीर रूप से प्रतिबंधित करता है, भले ही वह चाहते हों। आदमी को श्रेय देने के लिए, वह वैसे भी कोशिश कर रहा है। सात अरब डॉलर का अफगान पैसा अमेरिकी बैंकों में जमा है।

अब भी यह अफगानिस्तान में कई लाख निर्दोष लोगों की जान बचा सकता है अगर इसे तुरंत काबुल छोड़ दिया जाए। बिडेन ने जो करने की कोशिश की है, उसका आधा हिस्सा मानवीय सहायता के लिए मुक्त कर दिया है, अन्य आधा अमेरिकी परिवारों को दिया है जिन्होंने आतंकवादी हमलों में अपने रिश्तेदारों को खो दिया है।

यह संदेहास्पद है कि क्या वह कानूनी रूप से वह 7 बिलियन किसी को दे सकते हैं, लेकिन 11 फरवरी को उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जो इसे आतंकवाद के शिकार अमेरिकी पीड़ितों और अफगान लोगों को मानवीय सहायता के बीच समान रूप से विभाजित करता है। उन्हें स्पष्ट रूप से उम्मीद है कि इससे उन्हें आधे भूखे अफगानों को देने के लिए पर्याप्त राजनीतिक कवर मिलेगा, लेकिन क) यह काम नहीं करेगा; और बी) यह उचित नहीं है। अगर तालिबान के कुछ वरिष्ठ सदस्यों को अठारह साल पहले ओसामा बिन लादेन की अमेरिका पर हमला करने की योजना के बारे में पहले से पता था - जो अप्रमाणित और असंभव है - वे अब लंबे समय से चले गए हैं। पश्चिमी दृष्टि से तालिबान बहुत अप्रिय हैं, लेकिन उन्होंने युद्ध निष्पक्ष और चौकोर जीत लिया और प्रारंभिक अकाल को समाप्त करने का सबसे अच्छा तरीका उन्हें पहचानना होगा।

यदि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, और आप अभी भी उनसे बात करने के लिए खुद को नहीं ला सकते हैं, तो अकेले उन पर अपने पैसे से भरोसा करें, फिर केवल अफगान लोगों के लिए भोजन खरीदें (अपने पैसे से) और इसे उड़ा दें। इसे हवाई अड्डों तक पहुंचाएं और तालिबान को वहां से बांटने दें। आप अफ़गानों के बहुत ऋणी हैं, कम से कम।

आप की बात

जंगली जंग की वास्तविकता

युद्ध किसी भी विवाद का हल नहीं होता, बल्कि तबाही, बर्बादी और दुःख का कारण बनकर आखिर में अशांति को ही जन्म देता है। ऐसा ही कुछ इन दिनों यूक्रेन और रूस के बीच हो रहे युद्ध के दौरान देखने में नजर आता है जहां दोनों देशों के बीच दुश्मनी पैर पसार रही है। यह युद्ध दरअसल एक अलग मोड़ ले चुका है जहां पूरा संसार बंट चुका है। युद्ध भले ही दो देशो के बीच हो रहा हो लेकिन कहीं न कहीं लगभग हर देश शीत युद्ध की आहें भर रहा है। नाटो जहां यूक्रेन का शुभचिंतक बनकर परोक्ष रूप से उसका साथ दे रहा है वही यह रूस की आंखों में अखर रहा है। आरोप प्रत्यारोप का मानों माहौल विकसित हो रहा है जहां प्रोपेगेंडा जोरों शोरों से फैलाया जा रहा है। दरअसल, स्थिति असमंजस पैदा करने वाली है जहां कुछ भी साफ नहीं है, लेकिन जो साफ़ है वो है युद्ध का लोगों पर दुष्प्रभाव; जंग से आती तस्वीरें इसी बात का प्रमाण है। कुछ एक्सपर्ट्स की माने तो तीसरे विश्व युद्ध के आसार भी है। अंततः ये कहना सही होगा की अगर जल्द सभी सरकारें मिलकर युद्ध रोकने हेतु आगे नहीं आती तो विश्व युद्ध तृतीय वास्तविकता बन सकता है। अतः अब दोनों देशों के बीच युद्ध विराम होना चाहिए।

- **निखिल रस्तोगी**, कुरुक्षेत्र विवि

महाशक्तियों का अनुचित रवैया

यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर रूस को सीधे दोषी ठहराने की कोशिश हो रही हैं। हालांकि किसी भी समस्या का समाधान कूटनीतिक तरीके से ही हो वही अच्छा है तथा इक्कीसवीं सदी में जब ज्यादातर देश परमाणु सम्पन्न हों तब युद्ध तो अंतिम विकल्प भी नहीं होना चाहिए। युद्ध सिर्फ तबाही लाता है। रूस और यूक्रेन के मध्य जारी इस युद्ध के भयंकर परिणाम न केवल यूक्रेन बल्कि सम्पूर्ण विश्व भुगतेगा। मगर क्या इस सबका दोष केवल रूस पर मढ़ देना ही उचित रहेगा? नहीं। हम रूस पर साम्राज्यवादी सोच का आरोप लगाकर इस युद्ध के वास्तविक दोषियों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। कोई भी राष्ट्र अपनी सम्प्रभुता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। देखा जाए तो रूस यूक्रेन से केवल नाटो में शामिल ना होने का आश्वासन चाहता था। जिसे लेकर यूक्रेन लगातार अड़ियल रवैया अपनाता रहा। यूक्रेन की नाटो में शामिल होने की इच्छा को रूस ने अपनी सम्प्रभुता को सीधी चुनौती माना। ऐसे में अमेरिका तथा नाटो समूह की भी जिम्मेदारी थी कि वह वैश्विक शान्ति बनाए रखने के लिए यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के भ्रम में रखने के बजाए ठीक इसी तरह अकेला छोड़ता जैसा उसने यूक्रेन को युद्ध में धकेलकर छोड़ा है।

- **अमित शर्मा**, मेरठ

देश में मेडिकल शिक्षा

सारी दुनिया में विश्व गुरु के नाम से विख्यात भारत मे शिक्षा ग्रहण करने के लिये लोग विदेशों से आते थे। आज देश मे लोग बच्चों को मेडिकल, इंजीनियरिंग आदि में शिक्षा लेने के लिये विदेशों में भेजते है। जिसका कारण है हमारे देश मे मेडिकल शिक्षा आमलोगों के लिये महंगी होती है। जबकि विदेशों में मेडिकल शिक्षा सस्ती पड़ती है। प्रधानमंत्री मोदी ने मेडिकल शिक्षा के लिये बड़े पैमाने पर छात्रों के विदेशों में पढ़ने पर चिंता जताई। उन्होंने देश मे निजी क्षेत्रों और राज्यो से सस्ती और बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था करने की अपील की है। इसके लिये राज्य सरकारें निजी क्षेत्रो के लिये जमीन और अन्य सहायता उदारता पूर्वक करे। जिससे छात्रों को विदेश जाने की जरूरत न पड़े। युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे हजारों विद्यार्थियों को बाहर निकालने के लिये सरकार ने रूस और यूक्रेन से बात कर हवाई जहाज भेजकर उन्हें स्वदेश लाने की व्यवस्था कर रही है। पूर्व में कोरोना महामारी के दौरान चीन से हजारों छात्रों को स्वदेश हवाई जहाजो से लाया गया था।

- **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

हम स्पष्ट हैं कि हम एलएसी पर यथास्थिति में किसी भी बदलाव के लिए सहमत नहीं होंगे।

- **एस जयशंकर**
विदेश मंत्री

बाहरी ताकतें यूक्रेन में विद्यमान स्थितियों में हेरफेर करने की कोशिश में लगी हुई हैं।

- **साई इंग वेन**
ताइवान की राष्ट्रपति

भारत जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन पर अपने वादों को मूर्त रूप देने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

- **भूपेंद्र यादव**
केंद्रीय मंत्री

पायनियर
उत्तर प्रदेश चुनाव

चौपाल

पूर्वांचल में सपा के बागी ही बन रहे रोड़ा

शिव विजय सिंह। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के लिए पूर्वांचल की रहा बागियों ने काफी कठिन बना दी है। स्थिति यह है कि पूर्वांचल के कई जिलों में साइकिल की राह में अपने ही रोड़ा बनकर खड़े हैं। सबसे अधिक उन सीटों पर दिक्कत हो रही है जहां बीते पांच सालों से टिकट की उम्मीद में बाट जोह रहे उम्मीदवारों की उम्मीद सहयोगी दल या दूसरे दल से आया चेहरा ले गया। मौजूदा समय में सात में से पांच चरणों की विधानसभा सीटों पर मतदान हो चुका हैं जबकि दो चरणों की 111 सीटों पर चुनाव होना अभी बाकी हैं यह सभी सीटें पूर्वांचल की हैं। छठे चरण का मतदान तीन मार्च व सातवें चरण का मतदान सात मार्च को होगा।

समाजवादी पार्टी में टिकट वितरण को लेकर व्याप्त असंतोष अब बगावत की शक्ल में दिखने लगा है। भाजपा में सेंधमारी और नए दलों से यारी के चलते पूर्वांचल में समाजवादी पार्टी के टिकटार्थियों की उम्मीदों से कुछ अधिक ही जूझना पड़ रहा है। यही कारण है कि आठ से दस जिलों में सपा के उम्मीदवार के सामने अपना ही पुराना कार्यकर्ता ताल ठोंकता दिखाई पड़ रहा है। सपा मुखिया अखिलेश यादव के संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ की मुबाकरपुर सीट पर भी टिकट का गुबार फूटा है। पिछली बार यहां महज 688 वोटों से बसपा से जीत दर्ज करने वाले शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली इस बार टिकट की उम्मीद से सपा में आ गए। लेकिन, यहां सपा ने पिछली बार दूसरे नंबर पर रहे अखिलेश यादव को टिकट दे दिया। अब शाह आलम यहां औवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से सपा के खिलाफ ताल ठोक रहे हैं। गाजीपुर की जहूराबाद सीट सपा ने सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के खाते में डाल दी है। जहूराबाद से सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर उम्मीदवार हैं। इनके खिलाफ अखिलेश सरकार में मंत्री रहीं डॉ. शादाब फातिमा ने बसपा से उम्मीदवार के रूप में चुनावी समर में उतर आईं। सही मायने में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया की पदाधिकारी शादाब फातिमा समाजवादी पार्टी से टिकट की दावेदार थीं लेकिन उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया गया। मजबूर होकर शादाब फातिमा को बसपा का झंडा लेकर चुनावी रण में उतरना पड़ा। अंबेडकरनगर की जलालपुर सीट से सपा ने बसपा से आए राकेश पांडेय को टिकट दिया तो वहां के विधायक सुभाष राय ने भाजपा का दामन थाम लिया। वह सपा उम्मीदवार राकेश पांडेय के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। श्रावस्ती सीट पर सपा के प्रत्याशी रहे मोहम्मद रमजान टिकट की दावेदारी कर रहे थे। सपा ने श्रावस्ती सीट पर टिकट बसपा से आए मोहम्मद असलम राईनी को दे दिया। इस पर रमजान ने बगावत कर दी और वह इसी सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार बनकर अब सपा को ही नुकसान पहुंचाने में लगे हुए हैं।

छठे चरण वाली गोरखपुर, बस्ती मंडल की कई सीटों पर भी सपा के सामने सत्तारूढ़ दल के साथ ही बागियों से निपटने का संकट है। मसलन, सिद्धार्थनगर की शोहरतगढ़ सीट से अपना दल एस के विधायक अमर सिंह चौधरी सपा में टिकट की आस के लिए आए थे। पार्टी ने उन्हें बांसी में उम्मीदवार बना दिया। इससे खफा अमर सिंह ने शोहरतगढ़ से ही चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी से पर्चा भर दिया है। कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से सपा ने भाजपा से आए योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य को उम्मीदवार बनाया है। उनके खिलाफ सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष इलियास अंसारी ने बसपा से दावेदारी करके उनकी राह मुश्किल कर दी है। देवरिया की रुद्रपुर सीट से सपा ने पहले प्रदीप यादव को टिकट दिया। फिर उनका टिकट काटकर रामभुआल निषाद को उम्मीदवार बना दिया। इससे नाराज प्रदीप यादव निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। रामकोला से शंभू चौधरी टिकट की आस न पूरी होने पर कांग्रेस के उम्मीदवार बन गए हैं। खड्डा सीट से भी विजय प्रताप कुशवाहा ने सपा से बगावत कर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर ताल ठोक दी है। सहजनवा सीट से सपा ने यशपाल रावत को प्रत्याशी बनाया है। यहां पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश यादव के बेटे मनोज यादव भी टिकट मांग रहे थे। आस पूरी नहीं हुई तो अब कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर सामने हैं। चिल्लूपार सीट पर सपा ने बसपा से आए विनय शंकर तिवारी को प्रत्याशी बनाया तो वहां टिकट मांग रही पूनम गुप्ता ने आजाद समाज पार्टी के टिकट पर चुनौती पेश कर दी है। ऐसी स्थिति में यह तो साफ हो गया है कि पूर्वांचल में समाजवादी पार्टी का चुनावी गणित ऐसे लोग ही खराब कर रहे हैं जो कभी समाजवादी पार्टी का झंडा बुलन्द किया करते थे। आज समय की मार है कि वे ही मौजूदा समय में समाजवादी पार्टी के ताबूत में कील ठोंकने का काम कर रहे हैं।

छठवें चरण में 3 मार्च को इन विधानसभा सीटों पर होगा मतदान

छठवें चरण के मतदान के दौरान उत्तर प्रदेश में 10 जिलों की 57 विधानसभा सीटों में कटेहरी, टांडा, बैरिया, अलापुर, बांसडीह, जलालपुर, तुलसीपुर, गैंसणी, गोरखपुर शहर, गोरखपुर देहात, उतरौला, बलरामपुर, चौरी चौरा, बांसगांव, शोहरतगढ़, कपिलवस्तु, बंसी, इटावा, डुमरियागंज, हरैया, कप्तानगंज, रुदौली, कुशीनगर, हाटा, रामकोला, बस्ती सदर, महादेवा, फेफना, बलिया नगर, मेंहदवई, खलीलाबाद, रसारा, धंघाटा, फरेंदा, नौतनवा, तमकुही राज, फाजिल नगर, रुद्रपुर, देवरिया, सिसवा, महाराजगंज, पनियारा, कैंपियागंज, पिपराइच, सहजनवां, खजानी, चिल्लूपार, खड्डा, पड़रौना, पठारदेवा, रामपुर कारखाना, भाटपर रानी, सलेमपुर, बरहाज, बेल्थरा रोड और सिंकदरपुर में मतदान किया जाएगा।

सातवें चरण में 7 मार्च को इन विधानसभा सीटों पर होगा मतदान

फिलहाल उत्तर प्रदेश के अंतिम चरण के चुनाव के लिए 9 जिलों की 54 विधानसभा सीटों में राबर्ट्सगंज, ओबरा, दुद्धी, दीदारगंज, अतरौला, गोपालपुर, सकलडीहा, सागरी, शिवपुर, मुबारकपुर, सेवापुरी, भदोही, ज्ञानपुर, औराई, मधुबन, घोसी, मोहम्मदाबाद गहना, मऊ, मोहम्मदाबाद, सैयदपुर, चकिया, अजगर, रोहनियां, मछली शहर, मरियाहू, छांबी, मिर्जापुर, मझवां, चुनार, शाहगंज, जौनपुर, मल्हानी, बदलापुर, पिंडारा, आजमगढ़, निजामाबाद, जमानिया, मुगलसराय, फूलपुर. पवई, लालगंज, मेहरगढ़, जाफराबाद, सैदपुर, मरिहां, घोरावल, वाराणसी उत्तर, वाराणसी दक्षिण, वाराणसी कैंट, गाजीपुर, जंगीपुर, जहूराबाद और मुंगरा बुलंदशहर में मतदान किया जाएगा।

मऊ में इस बार तगड़ा मुकाबला

भाषा। मऊ

अब्बास अंसारी

अशोक सिंह

● बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे को कड़ी चुनौती दे रहे भाजपा के अशोक सिंह

● बसपा ने अपने प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर और कांग्रेस ने माधवेंद्र बहादुर सिंह को मैदान में उतारा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता मऊ से पांच बार के जिस बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के जेल में होने की बात कहकर उत्तर प्रदेश सरकार की कानून-व्यवस्था की सराहना करते रहे हैं, वह अंसारी तो इस बार चुनाव मैदान से बाहर हैं लेकिन उनके बेटे अब्बास अंसारी मऊ से चुनावी जंग में उतरे हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने 2017 में आपराधिक छवि का हवाला देकर मुख्तार अंसारी से किनारा कर लिया था लेकिन इस बार सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जरिए समाजवादी पार्टी गठबंधन ने मुख्तार के 30 वर्षीय पुत्र अब्बास अंसारी को अपना उम्मीदवार बनाया है और वह अपने पिता की विरासत को बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। अब्बास की राह रोकने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अशोक सिंह, बहुजन समाज पार्टी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर और कांग्रेस ने माधवेंद्र बहादुर सिंह को मैदान में उतारा है। समाजवादी पार्टी के गठबंधन में शामिल भारतीय जनता पार्टी की पूर्व सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने पहले मुख्तार अंसारी को ही अपना उम्मीदवार घोषित किया था लेकिन सातवें चरण वाले क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद मुख्तार के पुत्र अब्बास अंसारी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर यह भी साफ कर दिया कि मुख्तार अंसारी इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे।

उप्र की चुनावी जनसभाओं में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा समेत भाजपा के लगभग सभी बड़े नेता अंसारी के जेल में होने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उनकी संपत्तियों पर बुलडोजर चलवाने की चर्चा कर राज्य को अपराधियों से मुक्त करने का दावा करते हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अशोक सिंह और बसपा उम्मीदवार भीम राजभर भी मुख्तार अंसारी की आपराधिक छवि को ही मुद्दा बनाकर मऊ को माफिया से मुक्त करने की अपील कर रह हैं लेकिन अब्बास अंसारी पत्रकारों से बातचीत में उल्टे सत्तारूढ़ भाजपा पर ही एक जाति विशेष के माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाते हैं। वह दावा करते हैं कि सत्ता में बैठे लोगों के संरक्षण में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के सहयोगी ब्रजेश सिंह ने 2001 में मेरे पिता (मुख्तार अंसारी) पर गोलियों की बौछार की थी। अब्बास ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के हवाले से यह भी दावा किया कि पांच वर्ष में उत्तर प्रदेश में अपराध की दर में भारी वृद्धि हुई है। अंसारी सभाओं में कहते कि मुख्तार अंसारी, ओमप्रकाश राजभर और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आशीर्वाद से वह लोगों के बीच खड़े हैं।

गौरतलब है कि विभिन्न आपराधिक मामलों में पिछले 2005 से जेल में बंद मुख्तार अंसारी को पिछले वर्ष अप्रैल माह में उत्तर प्रदेश सरकार ने अदालती लड़ाई के बाद पंजाब की रोपण जेल से लाकर बांदा जेल में बंद किया है। सूत्रों के अनुसार मुख्तार बांदा जेल से भी बेटे के चुनाव पर नजर रखे हैं और उनके पुराने समर्थक मऊ में सक्रिय हो गए हैं। हालांकि इस बार मुख्तार के बड़े भाई बसपा सांसद अफजाल अंसारी मऊ क्षेत्र में चुनाव प्रचार में कहीं नहीं दिख रहे हैं और न ही वह अपने दल बसपा के किसी कार्यक्रम में आए और न ही अपने भतीजे अब्बास अंसारी के लिए। बसपा कार्यकर्ता अच्छेलाल ने दावा किया कि अफजाल अंसारी बसपा के प्रति वफादार हैं और इन दिनों उनकी तबीयत कुछ ठीक नहीं है। अब्बास के चचेरे भाई सुहेब अंसारी गाजीपुर जिले की मोहम्मदाबाद सीट से समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार हैं। अब्बास अंसारी सिर पर लाल टोपी और गले में सुभासपा का पीला गमछा पहने मतदाताओं के बीच सुबह से शाम तक प्रचार कर रहे हैं। सभाओं में वह भारी बहुमत से चुनाव जीतने का दावा करते हैं।

विपक्षी दल अपने प्रचार में मुख्तार अंसारी के आपराधिक अतीत की बात जरूर करते हैं। भाजपा उम्मीदवार अशोक सिंह के भाई अजय प्रकाश सिंह मन्ना की वर्ष 2009 में गाजीपुर तिराहे पर गोली मारकर हत्या कर दी गई और यह मामला उच्च न्यायालय में लंबित है। मुख्तार अंसारी मन्ना हत्याकांड में आरोपी हैं। अशोक सिंह मतदाताओं के बीच गुहार लगा रहे हैं कि उनके वोट से मुख्तार अंसारी 25 वर्षों से ताकत हासिल कर जेल से अपराध करा रहा है और अब अगर उसकी दूसरी पीढ़ी भी यह ताकत पा गई तो अपराध की रफ्तार दोगुना हो जाएगी। विरासत की सियासी लड़ाई लड़ रहे अब्बास अंसारी पर भी आपराधिक मामले दर्ज हैं, लेकिन उनकी असली पहचान मुख्तार अंसारी के बेटे के तौर पर ही पूरे इलाके में हैं। मुख्तार के जेल में रहते हुए पिछले दो चुनावों में अब्बास ही पिता का चुनावी प्रबंधन संभालते रहे हैं। मऊविधानसभा क्षेत्र को लेकर इलाके में कई मिथक हैं। 1952 के बाद हुए विधानसभा चुनावों में मऊसे चुनाव जीतने वाला कोई भी विधायक दोबारा चुनाव नहीं जीत सका लेकिन मुख्तार अंसारी ने इस सीट से 1996 से लगातार पांच बार चुनाव जीतकर एक मिथक तोड़ा है। खास बात यह कि यहां सिर्फ एक चुनाव मुख्तार जेल से बाहर रहकर जीते और बाकी चार बार वह जेल में रहते हुए चुनाव जीते। भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार के चुनाव प्रचार में सक्रिय मऊके जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय ने पीटीआई-भाषा से कहा कि हर चीज का अंत होता है और इस बार चुनाव मैदान से बाहर होकर मुख्तार अंसारी ने खुद ही अपना मिथक तोड़ दिया और यहां उनके वही बेटे चुनाव मैदान में हैं जिन्हें 2017 के चुनाव में घोसी की जनता धूल चटा चुकी है। दस मार्च को जनता का ऐतिहासिक फैसला नया कीर्तिमान गढ़ेगा। मऊ विधानसभा क्षेत्र में करीब पौने पांच लाख मतदाता हैं जिनमें एक लाख 25 हजार मुस्लिम मतदाता, एक लाख दलित मतदाता, 55 हजार राजभर, 45 हजार यादव, 40 हजार नोनिया-चौहान, 20 हजार क्षत्रिय और करीब 20 हजार भूमिहार-ब्राह्मण मतदाता हैं और बाकी में अन्य जातियां हैं। मऊ में अंतिम चरण में सात मार्च को मतदान होगा। मऊ का यह पहला चुनाव है जब प्रभावी राजनीतिक दलों से सिर्फ एक मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में है।

सत्ता के लिए निर्दोष का खून बहाने वालों से सपा और कांग्रेस ने हाथ मिलाया: ईरानी

भाषा। कुशीनगर

केंद्रीय महिला कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया और आरोप लगाया कि सत्ता के लिए सपा और कांग्रेस ने निर्दोषों का खून बहाने वालों से हाथ मिला लिया, जनता तो ऐसे खूनी हाथों को त्याग देना चाहिए। रविवार को कुशीनगर में चुनावी जनसभा में स्मृति ईरानी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा का नाम लेते हुए साफ कहा, प्रियंका ने उसको (नवजोत सिंह सिद्धू) कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष बनाया जिसने पाकिस्तान की सेना के सेनापति को गले लगाया और इमरान खान को अपना भाई बताया। ईरानी ने चुनौती दी कि अगर गांधी खानदान में हिम्मत है तो मेरी इस बात को झुठला दें। उन्होंने ये भी कहा कहा कि महाराष्ट्र में कांग्रेस एक ऐसे आदमी का संरक्षण कर रही है जिसके हाथ दाऊद इब्राहिम के साथ मिले हुए हैं, जिसने 1993 में मुंबई में ब्लास्ट कराया। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार उसी का संरक्षण कर रहा और इस बात को उनमें इतनी हिम्मत नहीं कि झुठला सकें। कांग्रेस पर वार करते हुए उन्होंने आगे कहा कि ए वो लोग हैं जिन्होंने मोदी जी ने जब संसद में कहा कि मंदिर वहीं बनाएंगे तो उनका ही विरोध किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नैया पूरी तरह से डूब रही है।

स्मृति ईरानी ने कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा विपदा की घड़ी में ना साइकिल काम आई, ना हाथ काम आया और ना हाथी नजर आया। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान जब मौत दस्तक दे रही थी तब भाजपा ने घर-घर जाकर मास्क बांटा, राशन बांटा और इस बात से प्रियंका दुखी हैं कि गरीब को राशन क्यों बांटा। उन्होंने पूछा कि अगर सपा-बसपा की सरकार होती तो क्या ए राशन मिल पाता। केंद्रीय मंत्री ने समाजवादी पार्टी पर भी तंज कसते हुए कहा कि राम भक्तों पर गोली चलाने वाले वही लोग आज जनता को बहलाने के लिए कहते कि उनके सपने में भगवान कृष्ण आते हैं, उनको बता दें कि आज कलयुग में भी कृष्ण अपराधियों को बचाने के लिए नहीं आते। ईरानी ने कहा कि भगवान उसका साथ कभी नहीं देता जो बेटियों का आंचल खिंचवाने वाले को शरण देता है। उन्होंने दोहराया कि जिसने रामभक्तों पर गोली चलाई वो आज कृष्ण-कृष्ण करता है, जिस खानदान ने कहा कि राम नहीं हैं उनका बेटा आज जनेऊ पहनकर मंदिर-मंदिर घूम रहा है।

मोदी ने नहीं ली पीड़ित किसानों की सुध: प्रियंका

भाषा। बलरामपुर

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि अंतरयामी और सर्वज्ञानी कहे जाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी देश के राष्ट्रपति को खांसी आने की जानकारी मिल जाती है लेकिन उन्होंने परेशानहाल करोड़ों किसानों और छुट्टा जानवरों के संकट की कोई सुध नहीं ली। प्रियंका ने बलरामपुर के उतरौला में कांग्रेस प्रत्याशी धीरेंद्र सिंह के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को लोग अंतरयामी और सर्वज्ञानी कहते हैं। उन्होंने कहा, जब किसी देश के राष्ट्रपति को खांसी आ जाती है तो उन्हें जानकारी हो जाती है, लेकिन देश के लाखों किसान धरने पर बैठे रहे या प्रदेश के करोड़ों किसानों के खेत छुट्टा जानवर चर जाते रहे, मगर प्रधानमंत्री को न तो खबर हुई और न कोई सुध ली। आज वह चुनाव में आकर बड़ेबड़े वायदे कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के नमक वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा जब नेता की यह मानसिकता हो जाती है कि जनता उसका नमक खा रही है, तब उस राज्य और देश का क्या होता है। नेता देश के लोगों के नमक पर पलता है और लोग उसे सत्ता उधार में देते हैं। उन्होंने कहा, अगर आप चाहें तो नेता को नीचे उतार सकते हैं। यह लोकतंत्र है, कोई तानाशाही नहीं। वह कोई शहंशाह नहीं हैं। मगर आपने उन्हें भगवान बना लिया। जब वह बोलते हैं तो आपको लगता है कि भगवान बोल रहे हैं। आपको भटकाया जा रहा है और आपको ऐसे नेताओं की नीयत को समझना चाहिए। प्रियंका ने समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर भी निशाना साधा। उन्होंने बसपा अध्यक्ष मायावती पर निशाना साधते हुए कहा बसपा नेता पिछले पांच वर्षों तक अपने घर से बाहर नहीं निकलीं। अखिलेश यादव बड़ेबड़े वादे करते हैं लेकिन जब महिलाओं पर अत्याचार हो रहे थे, तब वह कहां थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि क्या सपा ने लखीमपुर खीरी में मारे गए किसानों की लड़ाई लड़ी। भाजपा, सपा और बसपा, किसी को आपकी समस्याओं से कोई लेनादेना नहीं है। वे सिर्फ जाति और धर्म के आधार पर आपका वोट लेती हैं। चाहे सरकार में हों या न हों, उनके बीच समझौता होता है। सिर्फ कांग्रेस ही है जो भाजपा के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि नेता अब यह समझ गए हैं कि वे पांच वर्ष बाद आएंगे, धर्म की बात करेंगे, लोगों का ध्रुवीकरण करेंगे और जातिधर्म के आधार पर उन्हें आपका वोट मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि वे फिर सरकार बनाएंगे और अपने उद्योगपति मित्रों को और धनी बनाएंगे, जबकि गरीब आदमी गरीब ही बना रहेगा।

चुनाव से गायब है साफ हवा-पानी का मुद्दा

भाषा। लखनऊ

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में उत्तर प्रदेश के कई शहर अक्सर शीर्ष 10 में शामिल होते हैं, लेकिन राज्य के मौजूदा विधानसभा चुनाव प्रचार से स्वच्छ हवा-पानी के मुद्दे गायब हैं। साफ पानी और वायु जीवन का मुख्य आधार होने के बावजूद समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) को छोड़कर किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल ने पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे को अपने चुनाव घोषणा पत्र में प्रमुखता से शामिल नहीं किया है और जिन दलों ने इन मुद्दों को घोषणा पत्र में शामिल किया भी है, उनके चुनाव प्रचार में इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर्यावरण इंजीनियर हैं और उन्होंने पर्यावरण विज्ञान की शिक्षा ऑस्ट्रेलिया से ली है, लेकिन उनकी पार्टी के चुनाव घोषणापत्र में पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी कोई बहुत बड़ी घोषणा शामिल नहीं है। लगभग यही हाल कांग्रेस का भी है जिसने अपने घोषणापत्र में जलवायु परिवर्तन के कुछ पहलुओं को छुआ तो जरूर है, लेकिन कोई ठोस पहल की बात नहीं कही है। सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने घोषणापत्र में जलवायु संरक्षण को ज्यादा अहमियत नहीं दी है। उसमें गंगा की सफाई के बारे में जरूर कुछ बात की गई है लेकिन जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर कोई बात नहीं की गई है।

जलवायु थिंक टैंक क्लाइमेट ट्रेंड्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिंधु-गंगा के मैदान वायु प्रदूषण के लिहाज से देश के सबसे ज्यादा प्रदूषित क्षेत्र हैं। इस विशाल भूभाग के हृदय स्थल यानी उत्तर प्रदेश की 99.4 प्रतिशत आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है, जहां वायु प्रदूषण का स्तर सुरक्षित सीमा से ज्यादा है। वैज्ञानिकों द्वारा हवा की खराब गुणवत्ता को लेकर बार-बार चिंता व्यक्त किए जाने के बावजूद, यह चुनावी मुद्दा क्यों नहीं बनता, इस बारे में भारतीय जनता पार्टी (भाजप) की प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेता और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष जे पी एस राठौर ने पीटीआई-भाषा से कहा, जनता को जो मुद्दे अच्छे लगते हैं, उन्हीं को आगे बढ़ाना पड़ता है। पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा कायदे से 10 साल बाद जनता का मुद्दा बनेगा। अभी तो रोजगार और विकास ही लोगों के लिए प्रमुख मुद्दे हैं।

एक प्रमुख राजनीतिक दल होने के बावजूद भाजपा द्वारा जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर मुद्दे को राजनीतिक विमर्श का मुद्दा नहीं बनाए जाने के सवाल पर राठौर ने कहा, हम इसके प्रति गंभीर हैं और जमीनी स्तर पर ठोस काम कर रहे हैं। मगर अभी यह जनता का मुद्दा नहीं बन पाएगा, क्योंकि उसके लिए फिलहाल दूसरी चीजें जरूरी हैं। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता अशोक सिंह ने कहा, जब देश के प्रधानमंत्री विरोधी दलों को आतंकवाद से जोड़कर चुनाव को दूसरा मोड़ देने की कोशिश करेंगे, तो जलवायु परिवर्तन का मुद्दा कहां टिक पाएगा। उन्होंने कहा कि जहां तक कांग्रेस का सवाल है तो उसने अपने घोषणापत्र में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के कई वादे किए हैं, जिन्हें सरकार में आने पर पूरा किया जाएगा।

गौरतलब है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक में अब भी उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहर प्रदूषण के मामले में शीर्ष पर हैं। इनमें कानपुर, लखनऊ और गाजियाबाद प्रमुख हैं। खासकर, पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 के संदर्भ में स्थिति बहुत गंभीर है। पीएम 2.5 इतने बारीक कण होते हैं जो इंसान की रक्त वाहिकाओं में भी दाखिल होकर तरह-तरह की गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉक्टर आशुतोष वर्मा ने माना कि यह उत्तर प्रदेश का दुर्भाग्य है कि जलवायु परिवर्तन जैसा मानवता के प्रति गंभीर खतरा भी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाता और विकास की तमाम बातों के बाद प्रदेश का चुनाव आखिरकार जाति और धर्म पर आकर टिक जाता है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जितना काम किया, उतना पहले किसी ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद पर्यावरण इंजीनियर हैं और वह जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को बखूबी समझते हैं तथा दोबारा सरकार में आने पर वह निश्चित रूप से इस मसले के समाधान की दिशा में और अधिक ठोस कदम उठाएंगे। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) इंडिया में वायु गुणवत्ता शाखा के प्रमुख डॉक्टर अजय नागपुरे ने कहा कि पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों को लेकर बेहद चिंतित है और पिछले साल नवंबर में ग्लासगो में हुई सीओपी26 शिखर बैठक में मानवता के लिए गंभीर खतरा बन चुके जलवायु परिवर्तन से निपटने की वैश्विक स्तर पर रणनीति भी बनाई गई, लेकिन भारत और खासकर उत्तर प्रदेश में यह मामला राजनीतिक मुद्दा नहीं बनता, जिसके कई कारण हैं।

हमें अपनी मातृभाषा गर्व के साथ बोलनी चाहिए: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को युवाओं का आह्वान किया कि वह विभिन्न भारतीय भाषाओं में लोकप्रिय गीतों का वीडियो बनाएं। इससे ना सिर्फ वह लोकप्रिय होंगे बल्कि इससे देश की विविधताओं से वह नई पीढ़ी का परिचय भी करा सकेंगे।

आकाशवाणी के अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की ताजा कड़ी में प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की आजादी के 75 सालों बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है, जबकि, विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि हर किसी की अपनी मातृभाषा है और हर किसी को गर्व के साथ उसे बोलना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चोरी करके ले जाई गई 200 से अधिक बहुमूल्य प्रतिमाओं और धरोहरों को पिछले सात सालों में विभिन्न देशों से वापस लाया गया है और यह सफलता भारत के प्रति बदल रहे वैश्विक नजरिए का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा, साल 2013 तक करीब-करीब 13 प्रतिमाएं भारत आई थीं लेकिन पिछले सात सालों में 200 से ज्यादा बहुमूल्य प्रतिमाओं को, भारत, सफलता के साथ वापस ला चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की जब कोई बहुमूल्य धरोहर वापस मिलती है तो एक हिन्दुस्तानी के नाते सभी को संतोष मिलना बहुत स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों के देश के इतिहास में एक-से-बढ़कर एक मूर्तियां हमेशा बनती रहीं और हर मूर्ति के इतिहास में तत्कालीन समय का प्रभाव भी नजर आता है। उन्होंने कहा कि यह धरोहर भारत की मूर्तिकला का नायाब उदाहरण तो हैं ही, भारतीयों की आस्था से भी जुड़ी थीं।

उन्होंने कहा कि लेकिन, अतीत में बहुत सारी मूर्तियां चोरी होकर भारत से बाहर जाती रहीं। कभी इस देश में, तो कभी उस देश में ए मूर्तियां बेचीं जाती रहीं और उनके लिए वो तो सिर्फ कलाकृति थी। न उनको उसके इतिहास से लेना देना था, न श्रद्धा से लेना देना था।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के वेल्लूर से चोरी हुई 600 से 700 साल पुरानी भगवान आंजनेय्यर की मूर्ति इसी महीने ऑस्ट्रेलिया से प्राप्त हुई है। इसी प्रकार बिहार के गया के एक मंदिर से चोरी हुई अवलोकितेश्वर पद्मपाणि की हजार साल से भी ज्यादा पुरानी मूर्ति इटली से लाई गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन मूर्तियों को वापस लाना, भारत मां के प्रति हमारा दायित्व है। इन मूर्तियों में भारत की आत्मा का, आस्था का अंश है और इनका एक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक महत्व भी है। इस दायित्व को समझते हुए भारत ने अपने प्रयास बढ़ाए। इसके कारण चोरी करने की प्रवृति वालों में एक भय भी पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि जिन देशों में मूर्तियां चोरी करके ले जाई गईं थीं, अब उन्हें भी लगने लगा कि भारत के साथ रिश्तों में सॉफ्ट पावर का जो कूटनीतिक चैनल होता है, उसमें इसका भी बहुत बड़ा महत्व हो सकता है। मोदी ने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन, हॉलैंड, फ्रांस, कनाडा, जर्मनी, सिंगापुर, ऐसे कितने ही देशों ने भारत की इस भावना को समझा है और मूर्तियां वापस लाने में हमारी मदद की है। उन्होंने कहा कि अभी आपने कुछ दिन पहले देखा होगा, काशी से चोरी हुई मां अन्नपूर्णा देवी की प्रतिमा भी वापस लाई गई थी। यह भारत के प्रति बदल रहे वैश्विक नजरिए का ही उदाहरण है।

कुछ दिन पहले ही मनाए गए अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने तंजानिया के भाई-बहन किली पॉल और नीमा की चर्चा की और कहा कि दोनों ने लता मंगेश्कर का एक गाना गाकर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि इस अद्भुत रचनात्मकता के लिए दोनों भाई-बहनों को कुछ दिन पहले ही तंजानिया में भारतीय दूतावास में सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय संगीत का जादू ही कुछ ऐसा है, जो सबको मोह लेता है।

उन्होंने कहा कि मैं देश के नौजवानों से आह्वान करता हूं कि वह भारतीय भाषाओं के प्रचलित गीतों का अपने तरीके से वीडियो बनाएं। इससे वह खुद भी लोकप्रिय हो सकते हैं और नई पीढ़ी को देश की विविधताओं से अवगत भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियां एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि भाषाएं अनेक हैं लेकिन भाव एक है। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। भारत में विश्व की सबसे पुरानी भाषा तमिल है और इस बात का हर भारतीय को गर्व होना चाहिए कि दुनिया की इतनी बड़ी विरासत हमारे पास है। उन्होंने कहा कि जितनी कई यूरोपीय देशों की कुल जनसंख्या नहीं है, उससे ज्यादा लोग हमारे यहां अलग-अलग 14 भाषाओं से जुड़े हुए हैं। मोदी ने कह कि साल 2019 में हिन्दी, दुनिया की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में तीसरे क्रमांक पर थी। इस बात का भी हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। भाषा, केवल अभिव्यक्ति का ही माध्यम नहीं है, बल्कि, भाषा, समाज की संस्कृति और विरासत को भी सहेजने का काम करती है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाई पर जोर दिया गया है और पेशेवर पाठ्यक्रमों को भी क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने हर क्षेत्र में मोर्चा संभालने के लिए देश की महिलाओं की सराहना की और कहा कि महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में नई उंचाइयों पर पहुंच रही हैं और पुराने मिथकों को तोड़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि देश की बेटियां सेना में नई और बड़ी भूमिकाओं में जिम्मेदारी निभा रही हैं। सरकार ने सैनिक स्कूलों में लड़कियों के दाखिले पर रोक हटाई है। देश में करीब आधे स्टार्टअप में महिलाएं निदेशक की भूमिका में हैं। उन्होंने कहा कि देश आज बेटे और बेटियों को समान अधिकार देते हुए विवाह की उम्र समान करने के लिए प्रयास कर रहा है।

कोयला खदान में जबरन वसूली और सरकारी कार्यों में बाधा डालने के मामले में आरोप पत्र दाखिल

भाषा। रांची

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने झारखंड के लातेहार जिले में एक कोयला खदान में जबरन वसूली और सरकारी कामों में बाधा डालने की साजिश में शामिल होने के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ यहां एक विशेष अदालत के समक्ष अपना पहला पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है। एनआईए के एक अधिकारी ने कहा कि झारखंड के हजारीबाग के निवासियों सैफ अंसारी (24), शाहरुख अंसारी (25) और अजय तुरी (21) के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियों (निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसी के अधिकारी ने कहा कि यह मामला दिसंबर 2020 में झारखंड के लातेहार जिले के तेतरियाखंड में कोयला खदान में अंधाधुंध गोलीबारी और आगजनी के आतंकी कृत्य से संबंधित है, जिसके परिणामस्वरूप पांच वाहन जल गए थे और चार लोग घायल हो गए थे। अधिकारी ने कहा कि इसका मकसद डिलीवरी ऑर्डर धारकों, ट्रांसपोर्टरों, कोयला उठाने वालों सहित अन्य लोगों को डराना-धमकाना था।

अधिकारी ने बताया कि इससे पहले एजेंसी ने पिछले साल अगस्त में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। एनआईए अधिकारी ने कहा कि तीनों आरोपी सुजीत सिन्हा और अमन साहू गिरोह के अन्य सदस्यों की मिलीभगत से हथियारों और गोला-बारूद की खरीद और तेतरियाखंड कोयला खदान में आतंकवादी कृत्य को अंजाम देने के लिए जिम्मेदार थे।

जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के लिए 550 से अधिक वैज्ञानिक भारत लौटे: केंद्र

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को कहा कि 550 से अधिक भारतीय जैव प्रौद्योगिकी विद प्रतिष्ठित रामलिंगास्वामी फेलोशिप के तहत अनुसंधान में करियर बनाने के लिए स्वदेश लौट आए हैं।

आरएसएस मुख्यालय मामले की जल्द जांच शुरू करेगा एटीएस

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र में आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) की नागपुर इकाई यहां स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय की आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के एक सदस्य द्वारा कथित रूप से टोह लेने के मामले की जल्द जांच शुरू करेगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि एटीएस की नागपुर इकाई को महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी संजय पांडे के आदेश पर उसके मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय से निर्देश प्राप्त हुए हैं।

एटीएस के अधिकारी सोमवार को नागपुर पुलिस से इस मामले से संबंधित दस्तावेज मांगने का अनुरोध कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एटीएस नागपुर जांच में तेजी लाने के लिए जम्मू-कश्मीर के रहने वाले संदिग्ध जेईएम सदस्य रईस अहमद शेख असदुल्ला शेख को हिरासत में ले सकता है।

पुलिस ने कहा था कि जेईएम सदस्य ने जुलाई 2021 में आरएसएस मुख्यालय की टोह लेने की कोशिश की थी, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली थी।

नागपुर के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने पत्रकारों को बताया था कि उसने शहर के रश्मिबाग इलाके में स्थित हेडगेवार भवन की आंशिक रूप से टोह ली थी और भवन का एक वीडियो पाकिस्तान में अपने आका को भेजा था।

शेख को पिछले साल दिसंबर में जम्मू कश्मीर पुलिस ने गिरफ्तार किया था, क्योंकि उसके पास से ग्रेनेड मिला था।

वन्यजीव संरक्षण को जुटें लोग: कोविंद

भाषा। काजीरंगा (असम)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को असम के लोगों और सरकार से वन्यजीव संरक्षण की दिशा में काम करने का आग्रह किया। कोविंद को राज्य सरकार की ओर से वन्यजीव क्षेत्र में उसके संरक्षण के प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई थी जिसके बाद राष्ट्रपति ने असम की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन अपील की। उन्होंने संरक्षण पर एक फोटो और अभिलेखीय प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और उन्हें प्रस्तावित काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर पर एक प्रस्तुति दी गई। राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा गया है, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अभ्यारण्य, असम पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। ट्विटर पर कहा गया कि राष्ट्रपति को वन्यजीवों के अनुकूल-पहलों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने असम की सरकार और लोगों से अपने संरक्षण प्रयासों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर कहा कि राष्ट्रपति द्वारा उद्घाटन की गई प्रदर्शनी में काजीरंगा की समृद्ध वनस्पतियों और जीवों को दिखाया गया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को प्रस्तावित काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर पर एक प्रस्तुति भी दी गई।

सरमा ने पिछले साल विधानसभा में कहा था कि राज्य सरकार ने काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर 35 किलोमीटर का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव केंद्र को दिया है, जिसपर केंद्र ने अनुकूल प्रतिक्रिया दी है। सरमा ने यह भी लिखा कि मैं राष्ट्रपति का उनकी बहुमूल्य सलाह के लिए अपना आभार व्यक्त करता हूं, जो निश्चित रूप से उद्यान प्राधिकरण, वन रक्षकों और स्थानीय समुदायों । गैर सरकारी संगठनों को अधिक समर्पण के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करेगी।

इससे पहले रविवार की सुबह, असम के कई मंत्रियों के साथ कोविंद और उनकी बेटी श्वेता ने एक हाथी की सवारी की। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय उद्यान के कोहोरा में मिहिमुख प्वाइंट से हाथी की सवारी की। राष्ट्रपति की पत्नी सविता कोविंद भी मिहिमुख में उनके साथ थीं, लेकिन उन्होंने हाथी की सवारी नहीं की। राष्ट्रपति की पत्नी और उनकी बेटी ने शनिवार को राष्ट्रीय उद्यान के अंदर जीप की सवारी की थी, लेकिन राष्ट्रपति उनके साथ नहीं थे।

गुरुग्राम में सूर्योदय के समय दौड़ लगाते बच्चे

रामनगर में एआईसीसी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला, केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार और कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धारमैया पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मेकेदातु परियोजना के कार्यान्वयन की मांग के लिए पदयात्रा निकालते हुए

केरल में सिनेमाघरों, बार और होटलों को पूरी क्षमता से काम करने की अनुमति मिली

तिरुवनंतपुरम। केरल में कोविड-19 के मामलों में कमी आने के कारण राज्य सरकार ने कुछ पाबंदियां हटा दी हैं और सिनेमाघरों को पूरी क्षमता के साथ काम करने की अनुमति दे दी है।

राज्य सरकार ने रविवार को एक आदेश में बार, होटल, क्लब, रेस्तरां और भोजनालयों को भी पूरी क्षमता के साथ काम करने की अनुमति दी। आदेश में कहा गया है कि सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यालय जरूरत पड़ने पर बैठकें या प्रशिक्षण प्रत्यक्ष तरीके से आयोजित कर सकते हैं।

अस्पताल में भर्ती लोगों की संख्या के आधार पर जिला स्तर पर पाबंदियां भी हटा ली गई हैं।

आईएनएस विशाखापत्तनम औपचारिक रूप से बंदरगाह शहर से संबद्ध

भाषा। विशाखापत्तनम

स्वदेश में निर्मित स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक पोत आईएनएस विशाखापत्तनम को रविवार को यहां इस बंदरगाह शहर से औपचारिक रूप से संबद्ध कर दिया गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल बिस्वजीत दासगुप्ता और अन्य शीर्ष अधिकारी यहां बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास मिलन-2022 से इतर ईएनसी मुख्यालय में संपन्न औपचारिक संबद्धता कार्यक्रम में शामिल हुए। आईएनएस विशाखापत्तनम पिछले कुछ दिनों से इस बंदरगाह शहर में खड़ा है और यह 21 फरवरी को राष्ट्रपति के बेड़े की समीक्षा के बाद अब मिलन-2022 का हिस्सा बना है।

मझगांव डॉक में 75 फीसदी भारतीय सामग्री से निर्मित आईएनएस विशाखापत्तनम को दिसंबर 2021 में नौसेना में शामिल किया गया था। यह विध्वंसक पोत मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान के अधीन होगा।

कार्यक्रम में एडमिरल हरि कुमार ने कहा कि पहले हमारे पास दिल्ली, मुंबई, कोच्चि और मैसूर के नाम पर जहाज थे। हालांकि, विशाखापत्तनम में यह पहला औपचारिक संबद्धता समारोह है, ताकि यहां के लोग गर्व महसूस कर सकें और यह शहर के समुद्री स्वरूप और लंबी अवधि में नौसेना के साथ इसके जुड़ाव को दर्शाता है।

अनीस खान की मौत के मामले की जांच समय पर पूरा करेगी एसआईटी : डीजीपी

भाषा। कोलकाता

छात्र नेता अनीस खान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और यह प्रक्रिया 15 दिनों में पूरी हो जाएगी। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मनोज मालवीय ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा कि विशेष जांच दल अनीस खान की मौत के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के 24 फरवरी के निर्देश के अनुसार 15 दिनों में रिपोर्ट सौंपेगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल पुलिस की एसआईटी को अनीस खान की कथित हत्या की जांच को तेजी से आगे बढ़ने का निर्देश दिया और टीम को दो सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। राज्य सरकार ने 21 फरवरी को 28 वर्षीय कार्यकर्ता की मौत की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। राज्य में 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले अनीस मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की छात्र इकाई स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया छोड़कर इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) में शामिल हो गए थे।

हावड़ा जिले के अमता में ग्रामीणों के विरोध के बीच एसआईटी शनिवार को छात्र कार्यकर्ता के शव को कब्र से निकालने में नाकाम रही। उच्च न्यायालय ने जिला न्यायाधीश की निगरानी में शव को निकालकर दोबारा पोस्टमार्टम कराने का निर्देश दिया था।

देश भर में घट रही है ऊंटों की संख्या

● राजस्थान लागू करेगा संरक्षण नीति

भाषा। जयपुर

राजस्थान सरकार ने ऊंट संरक्षण व विकास नीति लागू करने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जबकि राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे देश में ऊंटों की संख्या लगातार कम हो रही है और नागालैंड, मेघालय जैसे राज्यों में आधिकारिक रूप से अब एक भी ऊंट नहीं बचा है।

ऊंट राजस्थान का राज्य पशु है और थार रेगिस्तान वाले राजस्थान को ऊंट का घर भी कहा जाता है। लेकिन इनकी संख्या लगातार कम हो रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार राज्य में अब दो लाख से भी कम ऊंट बचे हैं जबकि पूरे देश की बात की जाए तो 2012 से 2019 के बीच ऊंटों की संख्या लगभग डेढ़ लाख घटकर 2.52 लाख रह गई।

भले ही ऊंट को रेगिस्तान का जहाज कहा जाता हो लेकिन असम से लेकर केरल कर्नाटक तक और गुजरात से लेकर हरियाणा पंजाब तक देश के अनेक राज्यों में ऊंट पाए जाते हैं। भारत सरकार द्वारा दिसंबर महीने में संसद में दिए गए आंकड़ों के अनुसार देश में इनकी कुल संख्या 2012 की पशुधन गणना में 1.17 लाख घटकर चार लाख थी जो 2019 की गणना में 1.48 लाख और घटकर 2.52 लाख रह गई। साल 2019 की पशुगणना में अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, मेघालय व नागालैंड में ऊंट की संख्या आधिकारिक रूप से शून्य हो गई जबकि पांच साल पहले यानी 2012 में इन राज्यों में क्रमश: 45, 03, 07 व 92 ऊंट थे।

देश के लगभग 85 प्रतिशत उंट राजस्थान में पाए जाते हैं। इसके बाद गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश का नंबर आता है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार राजस्थान में 2012 में ऊंटों की संख्या 3,25,713 थी जो 2019 में 1,12,974 घटकर 2,12,739 रह गई। राज्य में ऊंट संरक्षण की मांग लंबे समय से उठ रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले सप्ताह पेश सालाना बजट 2022-23 में राज्य में उंट संरक्षण व विकास नीति लागू करने का प्रस्ताव किया।

उन्होंने कहा कि राज्य पशु ऊंट के पालन, संरक्षण तथा समग्र विकास के लिए इस नीति के तहत अगले साल 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाएगा। पशुपालकों व गैर सरकारी संगठनों ने इसका स्वागत किया है लेकिन उनकी ऊंटों संबंधी कानून में बदलाव की मांग लंबित है। लोकहित पशुपालक संस्थान के निदेशक हनवंत सिंह राठौड़ ने कहा कि सरकार की बजटीय घोषणा अच्छी है लेकिन देखना होगा कि इसे जमीनी स्तर पर कितना व कैसे लागू किया जाता है। सम्बद्ध कानून में संशोधन को लेकर सरकार के रुख का भी इंतजार रहेगा।

पिछले कई दशकों से राजस्थान के पाली में रहकर ऊंट संरक्षण के लिए काम कर रही जर्मन अध्एता डॉ. इल्से कोहलर रोल्फसन ने कहा कि ऊंटों की घटती संख्या के कई कारणों में राज्य सरकार का मौजूदा कानून सबसे बड़ा कारक है। इससे पूरा ऊंट बाजार ही तहस नहस हो गया और लोगों उंट पालन से विमुख हो गए।

उन्होंने कहा कि उंट संरक्षण व ऊंट पालकों को प्रोत्साहित करने के लिए इस कानून में संशोधन जरूरी है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार ने ऊंट को वर्ष 2014 में राज्य पशु घोषित किया गया जबकि 2015 में में ऊंटों के वध को रोकने तथा राज्य से बाहर अस्थाई प्रव्रजन पर रोक के लिए राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थाई प्रव्रजन या निर्यात का विनियम) अधिनियम लागू किया गया। पशुपालकों का कहना है कि इस कानून के आने से राज्य के उंट पालन घाटे का सौदा हो गया और पशुपालकों के मुंह मोड़ लेने के कारण इनकी संख्या घट रही है।

हालांकि राज्य सरकार ने विधानसभा में एक प्रश्न के जवाब में हर पांच साल होने वाली पशुगणना का हवाला देते हुए कहा कि बीते 30 वर्षों से ऊंटों की संख्या में नियमित तौर पर गिरावट का मुख्य कारण निरंतर यांत्रिक संसाधनों का विकास व ग्रामीण स्तर तक उच्च स्तर की परिवहन सुविधा का उपलब्ध होना है।

राठौड़ ने कहा कि राज्य में लागू कानून उंट पालकों के लिए घाटे का सौदा साबित हुआ। बिना अनुमति के ऊंट बाहर ले जाने पर रोक लग गई साथ ही कई और पाबंदियों से पशुपालक हतोत्साहित हुए।

जो ऊंट पहले 10 से 70000 रुपए बिकता था उसकी कीमत घटकर तीन से आठ हजार रुपए रह गई। यानी ऊंट पालने की लागत जहां बढ़ी वहीं इससे होने वाली आमदनी घट गई। पशुपालकों को अब इस कानून को लेकर राज्य सरकार का रुख स्पष्ट होने का इंतजार है।

नौसेना क्षेत्र के छोटे देशों के लिए सुरक्षा साझेदार बनना चाहती है: एडमिरल

विशाखापट्टनम। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने रविवार को कहा कि भारतीय नौसेना इस क्षेत्र में सभी छोटे देशों के लिए तरजीही सुरक्षा साझेदार बनना चाह रही है। कुमार ने कहा कि काफी समय से नौसेना इस क्षेत्र में सभी छोटे देशों के लिए तरजीही सुरक्षा साझेदार बनने की कोशिश करती आ रही है। साथ ही, जब भी कोई प्राकृतिक आपदा आए तो वह सबसे पहले सहायता पहुंचाने वाला बनना चाहती है।

मिलन-2022 कार्यक्रम से इतर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि भारतीय नौसेना अपने मित्र पड़ोसियों के साथ विश्वास के उच्च स्तर पर पहुंच गई है।

कुमार ने कहा कि मिलन इस बात का परिचायक है कि कैसे भारत बतौर राष्ट्र आगे बढ़ा है और नौसेना कालांतर में विकसित हुई है।

उन्होंने कहा कि मिलन हमारी नौसेना के विश्वास एवं क्षमता का भी परिचायक है। उन्होंने कहा कि मिलन के तीन फायदे हैं।

भारत में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध नहीं है: मुख्तार अब्बास नक्वी

भाषा। हैदराबाद

कर्नाटक में हिजाब को लेकर पैदा विवाद के बीच केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को कहा कि देश में हिजाब पहनने पर कोई पाबंदी नहीं है और लोगों को यह समझने की ज़रूरत है कि संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य समान रूप से अहम हैं। नकवी ने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मामला अदालत में है। भारत में हिजाब (पहनने) पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यह स्पष्ट है।

उन्होंने कहा कि बेशक, कुछ संस्थानों का अपना अनुशासन, वर्दी संहिता और वर्दी होती है। जब हम संविधान के अधिकारों की बात करते हैं तो हमें संवैधानिक कर्तव्यों की भी बात करनी पड़ती है। उन्होंने इस बारे में विस्तार से बात नहीं की। इससे पहले नकवी, केंद्रीय संस्कृति और

पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी और तेलंगाना के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने यहां 37वें हुनर हाट का उद्घाटन किया। नकवी ने कहा कि ैहुनर हाट कारीगरों और शिल्पकारों को ैसशक्त बनाने का एक कुशल प्रयासै है और इसने पिछले सात वर्षों में लगभग आठ लाख कारीगरों और शिल्पकारों को रोजगार के मौके प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि हुनर हाट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारतै और वोकल फॉर लोकलै अभियान का विश्वसनीय ब्रांडै बन गया है। नकवी ने कहा कि इस पहल ने देश के दूर-दराज के क्षेत्रों के लाखों परिवारों में ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है, जो पारंपरिक कला और शिल्प कौशल में लगे हुए हैं। समारोह को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि हुनर हाट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि हुनर हाट देश की पारंपरिक कला, कौशल और गौरवशाली विरासत के संरक्षण और प्रचार का एक प्रभावी मंच है। हिजाब विवाद तब शुरू हुआ था जब पिछले साल दिसंबर में कर्नाटक के तटीय जिला मुख्यालय उडुपी में प्री-यूनिवर्सिटी महिला कॉलेज में कथित तौर पर हिजाब पहने होने के कारण छह छात्राओं को प्रवेश नहीं दिया गया, क्योंकि यह वर्दी के खिलाफ था।

इसके बाद छात्राओं ने उच्च न्यायालय का रुख किया जिसने पिछले हफ्ते सुनवाई पूरी कर ली है और जल्द ही फैसला सुना सकती है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 28 फरवरी, 2022

रूस-यूक्रेन से जुड़े घटनाक्रमों, वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

भाषा। नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन विवाद से जुड़े घटनाक्रम इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। पिछले सप्ताह रूस द्वारा यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किए जाने के बाद दुनियाभर के बाजारों में जोरदार गिरावट आई थी। विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह रूस-यूक्रेन विवाद से जुड़े घटनाक्रमों के अलावा महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार की दिशा तय करेंगे।

विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान और विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े आने हैं। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा, तिमाही नतीजों का सीजन पीछे छूट चुका है, ऐसे में आगामी सप्ताह बाजार वैश्विक बाजारों के रुख से दिशा लेगा। उन्होंने कहा कि सभी की निगाह रूस-यूक्रेन विवाद से जुड़े घटनाक्रमों पर रहेगी। इसके अलावा बाजार भागीदारों की निगाह ऊर्जा की कीमतों पर भी रहेगी। गत शुक्रवार को बृहस्पतिवार की भारी गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी ने करीब 2.5 प्रतिशत का लाभ दर्ज किया। बृहस्पतिवार बाजार के लिए पिछले दो साल का सबसे खराब दिन रहा था। शुक्रवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,328.61 अंक या 2.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 55,858.52 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 410.45 अंक या 2.53 प्रतिशत के लाभ के साथ 16,658.40 अंक रहा। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स में 1,974 अंक या 3.41 प्रतिशत नीचे आया है। वहीं निफ्टी में 618 अंक या 3.57 प्रतिशत की गिरावट आई है। विश्लेषकों का मानना है कि बाजार में अगले कुछ दिन के दौरान भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, बाजार की निगाह रूस-यूक्रेन विवाद पर रहेगी। उन्होंने कहा कि कारोबारियों को भारी उतार-चढ़ाव से सतर्क रहना होगा। वहीं निवेशक हालिया गिरावट का लाभ उठाकर अपने पोर्टफोलियो में बड़ी कंपनियों के शेयर जोड़ सकते हैं। सप्ताह के दौरान वाहन कंपनियों के शेयरों पर भी सभी की निगाह रहेगी। वाहन कंपनियों के फरवरी के बिक्री आंकड़े एक मार्च को आएंगे। बाजार भागीदारों को घरेलू मोर्चे पर वृहद आंकड़ों का इंतजार रहेगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) 28 फरवरी को 2021-22 की तीसरी तिमाही का जीडीपी अनुमान जारी करेगा। वैश्विक मोर्चे पर बात की जाए तो रूस द्वारा यूक्रेन के हवाई क्षेत्र और ईंधन सुविधाओं पर हमला जारी है। अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर कुछ मजबूत प्रतिबंध लगाने के साथ यूक्रेन को हथियार मुहैया कराए हैं।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी में भारतीय बाजारों से 35,506 करोड़ रुपए निकाले

भाषा। नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय बाजारों से 35,506 करोड़ रुपए की निकासी की है। यह लगातार पांचवां महीना है जबकि एफपीआई भारतीय बाजार में बिकवाल रहे हैं। एफपीआई अक्टूबर, 2021 से लगातार भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। फरवरी, 2022 में एफपीआई की निकासी मार्च, 2020 के बाद सबसे ऊंची रही है। उस समय एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 1,18,203 करोड़ रुपए निकाले थे। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक (प्रबंधक शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा प्रोत्साहन उपायों को वापस लेने और देर-सवेर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा के बाद से एफपीआई की निकासी तेज हुई है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा रूस-यूक्रेन तनाव की वजह से भी एफपीआई सतर्कता का रुख अपना रहे हैं और भारत जैसे उभरते बाजारों से दूरी बना रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 25 फरवरी के दौरान शेयरों से 31,158 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार से 4,467 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड उत्पादों में 120 करोड़ रुपए डाले हैं। कोटक सिक्योरिटीज[8360] के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि एफपीआई का रुख ...डॉलर के मुकाबले रुपए के रुख, कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिका में बांड पर प्रतिफल से तय होता। अमेरिका में 10 साल के बांड पर रिटर्न बढ़ने पर एफपीआई बांड बाजार में निवेश को तरजीह देते हैं।

क्विक न्यूज

डीएमआरसी ने मेट्रो सेवा और ई-कॉमर्स के एकीकरण के लिए नियुक्त किया परामर्श फर्म

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने अत्याधुनिक डिजिटल मंच के माध्यम से ई-कॉमर्स के साथ अपनी नियमित सेवाओं को जोड़ने वाली एक दूरदर्शी परियोजना पर काम शुरू करते हुए एक शीर्ष सलाहकार फर्म को नियुक्त किया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, इस योजना के पीछे यह सोच है कि कोई यात्री मेट्रो ट्रेन में यात्रा करते समय किसी उत्पाद के लिए ऑनलाइन ऑर्डर कर सकता है और मेट्रो के अत्याधुनिक डिजिटल मंच के जरिए गंतव्य स्टेशन पर उस सामान की डिलीवरी भी ले सकता है।

कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का एक और सौर ऊर्जा संयंत्र शुरू होगा

कोच्चि। पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित दुनिया के पहले हवाईअड्डे कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) का केरल के कुन्नूर जिले के पयान्नूर के निकट नया सौर ऊर्जा संयंत्र शुरू होने जा रहा है। सीआईएएल के प्रबंध निदेशक एस सुहास ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इस सौर ऊर्जा संयंत्र का छह मार्च को उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि 12 मेगावॉट क्षमता वाला यह संयंत्र 35 एकड़ जमीन पर बना है और इसके साथ सीआईएएल की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 50 मेगावॉट हो जाएगी। सीआईएएल के सौर ऊर्जा संयंत्र प्रतिदिन दो लाख यूनिट बिजली उत्पन्न करते है और हवाईअड्डे पर बिजली की दैनिक खपत 1.6 लाख यूनिट होती है। सीआईएएल ने कहा, इसके साथ ही सीआईएएल खपत से अतिरिक्त ऊर्जा उत्पन्न करने वाला हवाईअड्डा बन गया है।

एनपीसीआई का रुपे क्रेडिट कार्ड के विस्तार के लिए नए ग्राहकों को जोड़ने पर जोर

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) स्वदेशी रुपे आधारित क्रेडिट कार्ड के विस्तार के लिए नए ग्राहकों को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। कंपनी की एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही। एनपीसीआई की मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) प्रवीना राय ने पीटीआई-भाषा से कहा, यदि आप क्रेडिट कार्ड को देखें, तो हम इस बाजार में हाल ही में आए है और हमारी नए ग्राहकों की बाजार हिस्सेदारी पर नजर है। पिछले 18 महीनों में लगभग 12-15 प्रतिशत नए क्रेडिट कार्ड रुपे पर जारी हो रहे है। एनपीसीआई रुपे गेटवे के जरिए भारत में खुदरा भुगतान और निपटान की सुविधा मुहैया कराता है। यह एक मजबूत भुगतान और निपटान प्रणाली बनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की एक पहल है। राय ने कहा, हमारे लिए महत्वपूर्ण है कि हम रुपे कार्ड की पहुंच और वितरण का विस्तार करें। रुपे डेबिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड खंड में एक मजबूत खिलाड़ी है। अब हम क्रेडिट कार्ड खंड में भी मजबूती से जगह बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में भारत में क्रेडिट कार्ड का बाजार लगभग 4-4.2 करोड़ से बढ़कर लगभग 6.5 करोड़ क्रेडिट कार्ड तक पहुंच गया है। राय ने कहा, हमें विश्वास है कि हम बाजार में इस मांग को पूरा करने में सक्षम होंगे।

कल्याण ज्वेलर्स अगले वित्त वर्ष से फ्रेंचाइजी मॉडल के जरिए विस्तार को देगी रफ्तार

मुंबई। आभूषण कंपनी कल्याण ज्वेलर्स अपने विस्तार की गति तेज करने के लिए अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही में फ्रेंचाइजी मॉडल अपनाएगी। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि विस्तार मुख्य रूप से गैर-दक्षिणी भारतीय बाजार में किया जाना है। कल्याण ज्वेलर्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याणरमन ने पीटीआई-भाषा को बताया, विस्तार को गति देने के लिए हमने फ्रेंचाइजी व्यवस्था में कदम रखने का फैसला किया है। अब तक कल्याण ज्वेलर्स के सभी स्टोर का मालिकाना हक हमारे पास है। पहले हम 2025 से फ्रेंचाइजी देना शुरू करने वाले थे। लेकिन पिछली तीन-चार तिमाही में बढ़ी मांग को देखते हुए हमने अगले वित्त वर्ष के पहले छह महीने में फ्रेंचाइजी व्यवस्था के तहत दो-तीन स्टोर के साथ शुरुआत करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया, फ्रेंचाइजी मॉडल के तहत प्रत्एक स्टोर की लागत करीब 20 करोड़ रुपए होगी। अगले दो से तीन वर्ष में ज्यादातर विस्तार दक्षिण भारत से अलग हटकर अन्य बाजारों में होगा।

एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड ने रेलवे के लिए मशीन विकसित की

जयपुर। भारी उद्योग मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एचएमटी लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड ने भारतीय रेलवे के लिए एक ऊंची उत्पादकता वाली ग्राइंडिंग मशीन पेश की है, जिसकी कीमती इसी तरह के आयातित उपकरण की तुलना में आधी बैठेगी। कंपनी की ओर से रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि मशीन का इस्तेमाल रेलवे एक्सल के दोनों छोरों को एक ही सेटअप में बनाने के लिए किया जाएगा। इससे आयातित मशीन के आधे से भी कम कीमत पर उत्पादकता दोगुनी हो जाएगी, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इससे पहले यह मशीन भारतीय रेलवे द्वारा यूरोपीय देशों से आयात की जा रही थी। भारत में कोई भी मशीन टूल निर्माता ऐसी मशीनों को विकसित नही कर सकता था। बयान के अनुसार मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड के अजमेर संयंत्र के इंजीनियरों की टीम ने इस विश्वस्तरीय मशीन को विकसित किया है।

ब्रिगेड एंटरप्राइजेज की बिक्री नौ महीनों में 14 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। रियल्टी फर्म ब्रिगेड एंटरप्राइजेज लिमिटेड की बिक्री बुकिंग घरों की मांग निकलने से चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में 14 प्रतिशत बढ़कर 1,994.8 करोड़ रुपए हो गई। बेंगलूरु स्थित कंपनी ने निवेशकों के समक्ष अपनी प्रस्तुति में कहा कि अप्रैल-दिसंबर 2021 की अवधि में उसने 1,994.8 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तयों की बिक्री की है। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 1,749.1 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 के पहले नौ महीनों में उसकी कुल बिक्री बुकिंग में आवासीय इकाइयों के खंड का योगदान 1,957.4 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले की समान अवधि में रहे 1,668.2 करोड़ रुपए से 17 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, आलोच्य अवधि में वाणिज्यिक खंड की बिक्री 54 प्रतिशत गिरकर 37.4 करोड़ रुपए पर आ गई। अप्रैल-दिसंबर 2020 में वाणिज्यिक संपत्तियों की बिक्री 80.9 करोड़ रुपए रही थी।

भारतपे के खिलाफ ग्रोवर की अर्जी आपात मध्यस्थ ने ठुकराई

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी फर्म भारतपे के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक अशनीर ग्रोवर को अपने खिलाफ जारी कंपनी की जांच रोकने के लिए दायर मध्यस्थता अर्जी में हार का सामना करना पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि ग्रोवर को सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) से कोई राहत नही मिली है। मध्यस्थता केंद्र ने कहा है कि भारतपे में शीर्ष प्रबंधन की अनुशंसा पर की जा रही कामकाजी समीक्षा को रोकने का कोई आधार नही है। ग्रोवर ने एसआईएसी में दायर अपनी अर्जी में कंपनी के कामकाज के लिए जारी समीक्षा रोकने की मांग करते हुए कहा था कि उनके खिलाफ की जा रही यह जांच गैरकानूनी है। इस याचिका पर पहली सुनवाई 20 फरवरी को हुई थी।

अगले दशक में भारत वैश्विक ताकत बनकर उभरेगाः रंगास्वामी

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी उद्यमी और उद्यम पूंजीपति एम आर रंगास्वामी का मानना है कि भारत अगले दशक में दुनिया की एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरकर सामने आएगा। सॉफ्टवेयर परामर्श एवं निवेश कंपनी सैंडहिल ग्रुप के संस्थापक सदस्य रंगास्वामी ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का परिसर खुलना, श्रीलंका में आधार की तर्ज पर नागरिकों की पहचान व्यवस्था का वित्तपोषण और नेपाल में यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली की शुरुआत जैसी घटनाएं एक-दूसरे से संबद्ध हैं। उन्होंने कहा, हाल के घटनाक्रम ऊपर से देखने में एक-दूसरे से असंबद्ध लग सकते हैं। लेकिन अगर आप सबको एक साथ रखकर देखें तो आपको मौजूद संभावनाएं नजर आने लगेंगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह शायद भारत के एक वैश्विक शक्ति होने की शुरुआत है। इसकी शुरुआत आप अपने पड़ोस से ही करते हैं। लेकिन मुझे आने वाले समय में यह अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया, लातिनी अमेरिका और कई अन्य क्षेत्रों तक पहुंचता दिख रहा है। इसके साथ ही रंगास्वामी ने कहा कि दुनियाभर में फैले हुए भारतीय मूल के करीब 3.2 करोड़ लोग भी भारत को वैश्विक महत्ता देने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। अमेरिका में भारतीय समुदाय के एक प्रमुख नेता माने जाने वाले रंगास्वामी ने कहा कि विदेशी धरती पर भारतीय कारोबार लगातार फल-फूल रहे हैं।

निर्यातकों से आरसीएमसी आवेदन सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार करेगी सरकार

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यातकों के लिए पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी) के आवेदन साझा डिजिटल पोर्टल के जरिए दाखिल करना अनिर्वाय कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य व्यापारी समुदाय के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देना है। विदेश व्यापार नीति के अनुसार, निर्यातकों को नीति के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए आरसीएमसी की आवश्यकता होती है। प्रमाणपत्र धारक निर्यातकों को सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क संबंधी लाभ लेने में भी मदद मिल सकती है। प्रमाणपत्र निर्यात संवर्धन परिषदें और जिंस बोर्ड जारी करते हैं। निर्यातकों, कारोबारियों, क्षेत्रीय अधिकारियों, निर्यात संवर्धन परिषदों और जिंस बोर्डों को भेजे पत्र में विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा है, एक अप्रैल, 2022 से निर्यातकों के लिए आरसीएमसीआरसी आवेदन ई-आरसीएमसी मंच के साझा डिजिटल पोर्टल के जरिए दाखिल करना अनिवार्य कर दिया गया है। आवेदन सीधे निर्धारित पंजीकरण अधिकारियों के पास दाखिल करने की वर्तमान प्रक्रिया इस वर्ष 31 मार्च तक ही प्रभाव में रहेगी।

अब स्पेशल कॉफी कंपनी यूपी में

नोएडा। एक गाड़ी से शुरू कर सरदारजी बख्श ने पिछले 5 वर्षों में कॉफी व्यवसाय में अपना नाम सुस्थापित किया है और वर्तमान में 20 आउटलेट चला रहे हैं। सनमीत सिंह कालरा और रोहित कंबोज द्वारा स्थापित इस ब्रांड की शुरुआत की प्रेरणा उन्हें उनके कॉफी के प्रति उनके प्रेम ने दी। सरदारजी बख्श कॉफी एंड कंपनी, जिसे एसजेबी के नाम से जाना जाता है, चिकमंगलूर और कूर्ग के बागानों से चुनकर बेहतरीन स्पेशलिटी कॉफी आपके टेबल पर लाता है। लखनऊ में उनकी पहली कॉफी शॉप भी आपसे यही वादा करती है। नए और पहले कैफे के साथए एसजेबी विशेष कॉफी का विस्तृत मेनू के साथ स्वादिष्ट फूड मेनू पेश करने का वादा करता है। सरदार जी बख्श कॉफी एंड कंपनी की ब्रांड मैनेजर सिमरन ने कहा कि शहर में लॉन्च करने के लिए बहुत उत्साहित हैं और ब्रांड को यहां विशेष कॉफी संस्कृति के विस्तार की उम्मीद है। 2500 वर्ग फुट में फैला यह कैफे आपके काम करने लिए या फिर कॉफी पर चर्चा करने के लिए एक आदर्श जगह है। यहाँ का शांत और सुकूनभरा इनटीरिअर अच्छी तरह से सोचकर बनाया गया है और यही कैफे को सुखदायक माहौल प्रदान करता है।

सार्वजनिक क्षेत्र के कमजोर बैंकों में पूंजी डालेगी सरकार

नई दिल्ली। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब एंड सिंध बैंक जैसे कमजोर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को सरकार से प्रस्तावित पूंजी सहायता का बड़ा हिस्सा मिलेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में पीएसबी में पूंजी डालने के लिए 15,000 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। इससे सरकारी बैंकों को नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। सूत्रों ने कहा कि 15,000 करोड़ रुपए की पूंजी सहायता का ज्यादातर हिस्सा उन बैंकों को मिलेगा, जिन्हें पिछले साल गैर-ब्याज वाले बांड के जरिए पैसा मिला था। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ने इन उपकरणों के उचित मूल्यांकन पर कुछ चिंताएं जताई थीं। सूत्रों ने कहा कि आरबीआई के अनुसार, पिछले साल शून्य-कूपन बांड के माध्यम से किए गए निवेश का शुद्ध वर्तमान मूल्य अंकित मूल्य से काफी कम है, क्योंकि उन्हें छूट पर जारी किया गया था। ये विशेष प्रतिभूतियां 10-15 वर्ष की अवधि वाली हैं, और ब्याज रहित हैं।

नीति आयोग मोटापे से चिंतित, अधिक चीनी, नमक, वसा वाले उत्पादों पर कर का प्रस्ताव

भाषा। नई दिल्ली

भारतीयों में मोटापे को लेकर बढ़ती चिंता के बीच नीति आयोग अधिक चीनी, वसा और नमक वाले खाद्य पदार्थों पर कराधान और फ्रंट-ऑफ-द-पैक लेबलिंग जैसी कदम उठाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। फ्रंट-ऑफ-द-पैक लेबलिंग से उपभोक्ताओं को अधिक चीनी, नमक और वसा वाले उत्पादों को पहचानने में मदद मिलती है।

सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की आबादी के बीच मोटापे की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए इस तरह के कदम पर विचार चल रहा है। आयोग ने रिपोर्ट में कहा है कि भारत में बच्चों, किशोरों और महिलाओं में अधिक वजन और मोटापे की समस्या लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, 24 जून, 2021 को नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) की अध्यक्षता में माताओं, किशोरों और बच्चों को मोटापे से बचाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक विचार-विमर्श का आयोजन किया गया था। इसमें कहा गया है कि नीति आयोग आर्थिक विकास संस्थान (आईईजी) और भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठन (पीएचएफआई) के सहयोग से इस दिशा में काम कर रहा है। इसके जरिए उपलब्ध साक्ष्यों के आधार उठाए जाने वाले कदमों की पहचान की जा रही है। इन उपायों के तहत फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग, एचएफएसएस (चीनी, नमक और वसा की ऊंची मात्रा वाले उत्पाद) उत्पादों का विपणन और विज्ञापन तथा अधिक चीनी, वसा और नमक वाले उत्पादों पर कर लगाना शामिल है। गैर-ब्रांडेड नमकीन, भुजिया, वेजिटेबल्स चिप्स और स्नैक्स पर पांच प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगता है जबकि ब्रांडेड और पैकेटबंद उत्पादों के लिए जीएसटी दर 12 प्रतिशत है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस-5) 2019-20 के अनुसार, मोटापे से ग्रस्त महिलाओं की संख्या बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई है, जो 2015-16 में 20.6 प्रतिशत थी। जबकि पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 18.4 प्रतिशत बढ़कर 22.9 प्रतिशत हो गया है। नीति आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में हाइपरलूप का भी जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाइपरलूप प्रणाली की प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए नीति आयोग के सदस्य वी के सारस्वत की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति ने अब तक चार बैठकें की हैं और उप-समितियों का गठन किया गया है।

डेटा संरक्षण विधेयक को मानसून सत्र तक संसद की मंजूरी मिलने की उम्मीद: वैष्णव

भाषा। नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि डेटा संरक्षण विधेयक के मसौदे पर संबंधित पक्षों के साथ विस्तृत चर्चा जारी है और सरकार को इसपर मानसून सत्र तक संसद की मंजूरी मिल जाने की उम्मीद है।

वैष्णव ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि मौजूदा डेटा संरक्षण कानून के मसौदे को निरस्त करने की कोई योजना नहीं है और इस पर संबंधित पक्षों से मिले तमाम सुझावों के आधार पर जटिल मुद्दों का हल निकलने की उम्मीद है। इस मसले पर संसदीय समिति के स्तर पर भी चर्चाओं का दौर जारी है। डेटा संरक्षण विधेयक में नागरिकों के निजी डेटा को सुरक्षित रखने के लिए प्रावधान करने के अलावा डेटा संरक्षण प्राधिकरण के गठन का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसमें यह प्रावधान रखा गया है कि कोई भी संस्था व्यक्ति की सहमति के बगैर उससे जुड़ी निजी

जानकारियों का इस्तेमाल नहीं कर सकती है।

व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 पर गठित संसद की संयुक्त समिति ने 16 दिसंबर, 2021 को संसद के दोनों सदनों मे अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी जिसमें विभिन्न पहलुओं पर मत व्यक्त किए गए थे। वैष्णव ने कहा कि डेटा संरक्षण पर चर्चाओं के बाद तैयार रिपोर्ट काफी समग्र है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से यह एक जटिल मामला है। इन बिंदुओं का हल निकालने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही इन बिंदुओं को हल कर लिया जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने उम्मीद जताते हुए कहा, जल्द ही इन मसलों का हल निकाल लिया जाएगा। हमने बजट सत्र का ही लक्ष्य रखा था, लेकिन मानसून सत्र तक हमें इसे पूरा कर लेना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार को मानसून सत्र तक डेटा संरक्षण विधेयक के मसौदे पर संसद की मंजूरी हासिल हो जाने की उम्मीद है, वैष्णव ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने इसी को अपना लक्ष्य बनाया हुआ है। डेटा संरक्षण विधेयक में लोगों के व्यक्तिगत आंकड़ों के इस्तेमाल एवं प्रवाह को वर्गीकृत करने के अलावा निजी डेटा के प्रसंस्करण के बारे में व्यक्तिगत अधिकारों के संरक्षण के भी प्रस्ताव रखे गए हैं। इसके अलावा डेटा प्रसंस्करण वाली इकाइयों की जवाबदेही तय करने और अनधिकृत इस्तेमाल की स्थिति में बचाव के कदमों का उल्लेख भी किया गया है।

आईओसी पूर्वोत्तर में तीन नए बॉटलिंग संयंत्र लगाने की तैयारी में

गुवाहाटी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) अपनी एलपीजी बॉटलिंग क्षमता में 53 प्रतिशत की बढ़ोतरी के लिए पूर्वोत्तर भारत में तीन नए संयंत्रों की स्थापना की योजना बना रही है। आईओसी के कार्यकारी निदेशक (इंडियन ऑयल-एओडी) जी रमेश ने पीटीआई-भाषा से कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में एलपीजी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वहां पर तीन नए संयंत्र लगाने की योजना है। इससे कंपनी की एलपीजी बॉटलिंग की वार्षिक क्षमता वर्ष 2030 तक बढ़कर आठ करोड़ सिलेंडर हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ए संयंत्र मिजोरम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में 325-350 करोड़ रुपए के कुल निवेश से स्थापित किए जाएंगे। इनका संचालन पूर्ण स्वामित्व और सार्वजनिक-निजी भागीदारी(पीपीपी) मॉडल के रूप में किया जाएगा। आईओसी की पूर्वोत्तर इकाई इंडियन ऑयल-एओडी की मौजूदा बॉटलिंग क्षमता सालाना 5.23 करोड़ गैस सिलेंडर की है।

पेज एक का शेष

यूक्रेन संकट...

के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मोदी से बातचीत की और अपने देश के खिलाफ रूस के सैन्य हमले को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत से राजनीतिक समर्थन मांगा। इस दौरान, भारत ने दोनों देशों के बीच शांति बहाली के प्रयासों में किसी भी तरह से योगदान करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। मोदी ने वहां जारी संघर्ष की वजह से जान व माल को हुए नुकसान पर गहरी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने भारतीय नागरिकों को जल्द और सुरक्षित निकालने के लिए यूक्रेन के अधिकारियों से उपयुक्त कदम उठाने का भी अनुरोध किया। भारत अभी तक एक हजार के करीब अपने नागरिकों को वापस लाने में सफल रहा है। उसकी प्राथमिकता वहां फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।

छात्रों की...

यूक्रेन से लगी हंगरी, पोलैंड, रोमानिया और स्लोवाकिया की सीमाओं पर छात्रों का हुजूम इकट्ठा हो गया है। इंतजार खत्म नहीं हो रहा। बिहार के एक छात्र ने वीडियो में रोते हुए हालात बयान किया कि वे दो दिन से सीमा पर हैं, कोई भी सहायता के लिए आगे नहीं आ रहा। किसी हेल्पलाइन पर मदद नहीं मिल रही। इस बीच नई दिल्ली में पोलैंड के राजदूत एडम बुराकोव्स्की ने ट्विट कर जानकारी दी कि उनका देश भारतीय छात्रों को बिना वीजा ही प्रवेश देगा। ट्विटर पर कीव में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को युद्धग्रस्त क्षेत्रों से निकलकर पश्चिमी क्षेत्र में जाने की सलाह दी। ट्वीट में कहा गया कि इसके लिए यूक्रेन रेलवे कीव से बिना किसी लागत के पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आपातकालीन ट्रेनों का संचालन कर रहा है। हालांकि खार्किव, सुम और कीव में दोनों देशों के बीच भीषण लड़ाई का जिक्र करते हुए दूतावास ने इन शहरों और अन्य कर्फ्यू वाले क्षेत्रों में भारतीय नागरिकों से रेलवे स्टेशनों की ओर नहीं जाने का आग्रह किया है। दूतावास ने कहा है कि कर्फ्यू और अन्य पाबंदियां हटने तथा सामान्य आवाजाही शुरू होने तक अपने ठिकाने पर ही रुके रहें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि छात्रों की मदद के लिए एक ट्वीटर हैंडल @opganga भी सक्रिय किया गया है, ताकि उस पर यूक्रेन में फंसे या वहां से निकलने वाले भारतीयों के बारे में ताजा जानकारी दी जा सके। छात्र या अभिभावक इस हैंडल पर अपनी समस्या लिख सकते हैं।

अपनी धरती...

से दो मार्च के बीच छह और विशेष उड़ानें भेजने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि इंडिगो की दो उड़ानें 28 फरवरी को, एयर इंडिया की दो अन्य विशेष उड़ानें 1 मार्च को और दो अन्य उड़ाने दो मार्च को रवाना होंगी। बुखारेस्ट से 219 भारतीयों को लेकर पहली निकासी उड़ान शनिवार शाम मुंबई में उतरी तो 250 नागरिकों के साथ दूसरी उड़ान रविवार तड़के दिल्ली पहुंची। एयर इंडिया की तीसरी उड़ान 240 भारतीय नागरिकों के साथ बुडापेस्ट से रवाना हुई और रविवार को सुबह लगभग 9.20 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी। बुखारेस्ट से 198 भारतीय नागरिकों को लेकर चौथी निकासी उड़ान शाम को दिल्ली पहुंची। रविवार की सुबह केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिल्ली हवाईअड्डे पर गुलाब देकर भारतीय नागरिकों का स्वागत किया।

अमेरिका ने...

तथा उनकी कई चिंताएं खत्म हो गईं और असुविधाएं दूर होंगी। नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट पर प्रकाशित एक नोटिस के अनुसार, नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास और चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता तथा मुंबई में उसके वाणिज्य दूतावास योग्य आवेदकों को साक्षात्कार देने की छूट का इस्तेमाल करने की अनुमति देने के लिए 2022 के लिए 20,000 से अधिक अतिरिक्त छूट (ड्रॉपबॉक्स) अपॉइंटमेंट जारी करेंगी।

मुम्बई में...

टर्मिनस स्टेशन पर बिजली की आपूर्ति ठप हो गई। एमएसईटीसीएल के एक बयान में बिजली गुल होने के लिए तकनीकी खराबी को जिम्मेदार ठहराया गया जो कई घटनाओं के बाद शुरू हुई, जबकि निजी कंपनी टाटा पावर ने इसके लिए ट्रांसको को दोषी ठहराया। करीब 17 महीने पहले अक्टूबर 2020 में भी बिजली गुल हुई थी। एमएसईटीसीएल ने कहा कि मेट्रो निर्माण कार्यों के कारण कुछ लाइनें बंद हुईं थीं, जबकि वैकल्पिक लाइनों में भी तकनीकी खराबी आई जिसके कारण बिजली आपूर्ति में बाधा आई। बयान में कहा गया कि सुबह 08:44 बजे, ट्रॉम्बे-मुलुंड पारेषण लाइन में एक तकनीकी खराबी आई जिससे मांग में वृद्धि हुई। बयान में कहा गया है कि टाटा पावर को उसकी थर्मल और हाइडल इकाइयों से अतिरिक्त आपूर्ति के लिए अनुरोध किया गया। एमएसईटीसीएल ने आरोप लगाया, हालांकि, टाटा समूह की कंपनी ने अपनी इकाइयों से आपूर्ति शुरू करने के लिए एक ईमेल पर जोर दिया।

पांचवें चरण...

इसौली विधान सभा क्षेत्र के बूथ संख्या 363 मनियारपुर पर मॉकपोल के बाद ईवीएम मशीन खराब हो गई थी। दूसरी मशीन लगने के एक घंटा पचास मिनट बाद 8 बजकर 50 मिनट पर मतदान शुरू हुआ। इसी तरह सदर विधानसभा के बाहरपुर बूथ संख्या 226 पर मॉकपोल के दौरान ईवीएम में तकनीकी खामी आ गई। यहां करीब आधे घंटे देरी से मतदान शुरू हुआ। रायबरेली के डीह ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पूरे गोसाईंगंज में बने बूथ संख्या 27 में मशीन खराब हो गई। श्रावस्ती के लाल केंदुआ गांव में ग्रामीणों ने कोई भी विकास कार्य न होने का आरोप लगाते हुए मतदान का बहिष्कार किया जिस पर प्रशासन ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। श्रावस्ती में लाल केंदुआ पोलिंग बूथ पर लाल केंदुआ गांव के लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कोई विकास कार्य नहीं कराया जा रहा है। गांव में आने-जाने के लिए अच्छे रास्ते नहीं हैं। हमेशा जलभराव व कीचड़ भरा रहता है। इससे नाराज ग्रामीणों ने मतदान न करने का फैसला किया है। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर उपजिलाधिकारी पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक जिला अधिकारी आकर गांव की खराब व्यवस्था नहीं देख लेते तब तक ग्राम वासी मतदान नहीं करेंगे। पांचवें चरण में मतदान के दौरान प्रतापगढ़ जिले की कुंडा सीट पर सपा प्रत्याशी गुलशन यादव पर हुए हमले के विरोध में सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल और पार्टी प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी चुनाव आयोग से शिकायत की है। नरेश उत्तम पटेल और राजेंद्र चौधरी ने चुनाव आयोग में लिखित में शिकायत दी है। उन्होंने जनसत्ता दल के प्रत्याशी रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के समर्थकों पर हमले का आरोप लगाया है।

हिंसा के...

नहीं है। मालवीय ने कहा कि कुछ छिटपुट घटनाएं हुई हैं और पुलिस ने हिंसा के सभी मामलों में कार्वाई की है। हालांकि उत्तर से दक्षिण तक बंगाल के विभिन्न हिस्सों में व्यापक हिंसा, धांधली की घटनाएं और पुलिस के साथ झड़पें की खबरें हैं। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, आज जो हुआ, वह मतदान नहीं बल्कि लोकतंत्र का मजाक था। उन्होंने कहा कि दक्षिण से उत्तर बंगाल की हर नगरपालिका में सत्ताधारी दल के गुंडों द्वारा चुनावों को तमाशा बना दिया गया, इसलिए सोमवार को इसके विरोध में 12 घंटे के बंगाल बंद का आह्वान किया गया है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने राज्य चुनाव आयुक्त सौरव दास को सोमवार सुबह स्थिति से अवगत कराने के लिए तलब किया है। उत्तरी दिनाजपुर जिले के दलखोला क्षेत्र में तृणमूल समर्थकों द्वारा धांधली के आरोपों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस के साथ भिड़ गए। उन्होंने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया और पुलिस अधिकारियों पर पथराव किया, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। पुलिस ने जब टीएमसी कार्यकर्ताओं द्वारा कथित अनियमितता को रोकने की कोशिश की तो मुर्शिदाबाद जिले के धुलियां नगरपालिका क्षेत्र में हिंसा और झड़प की सूचना मिली।

घरों में...

प्रतिशत से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन घर पर चार्ज होते हैं। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए होम चार्जिंग होना जरूरी है। सरकार के इन बड़े और बेहतर फैसलों के कारण दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सितंबर और नवंबर 2021 में वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों का 9 फीसदी हिस्सा था, जबकि राष्ट्रीय औसत 1.6फीसदी था।

कीव में नागरिक सुरक्षा के सदस्य एक यार्ड में मोलोटोव कॉकटेल तैयार करते हैं, विरोध प्रदर्शन करते लोग

हमले के बाद यूक्रेन में जमीनी हालात

यूरोपीय संघ के मंत्री यूक्रेन के सैनिकों की मदद पर चर्चा करेंगे

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश मंत्री यूक्रेन के सैन्य बलों को रूसी आक्रमण के खिलाफ लड़ने में मदद करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए रविवार को वार्ता करने वाले है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेप बोरेल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से होने वाली बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बोरेल ने कहा है कि वह मंत्रियों से यूक्रेनी सशस्त्र बलों के लिए आपातकालीन सहायता के एक पैकेज का समर्थन करने का आग्रह करेंगे, ताकि उनकी साहसिक लड़ाई में समर्थन किया जा सके। यूरोपीय संघ में 27 देश है। समूह ने दुनिया भर में अपने सैन्य प्रशिक्षण और सहयोगी मिशन को बढ़ावा देने के लिए लगभग 5.7 अरब यूरो (6.4 अरब डॉलर) के साथ एक कोष की शुरुआत की है।

यूनान ने यूक्रेन को रक्षा सहायता भेजी

एथेंस। यूनान यूक्रेन सरकार के अनुरोध पर हथियार, राइफल और मिसाइल लांचर आदि यूक्रेन भेज रहा है। अधिकारियो ने यहां यह जानकारी दी। रविवार सुबह यहां प्रधानमंत्री कायरियाकोस और वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के बीच बैठक में सैन्य सहायता पहुंचाने का फैसला किया गया। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि रक्षा साजो-सामान लेकर एक सी-130 विमान पोलैंड पहुंच चुका है और दूसरा बाद में पहुंचेगा। प्रवक्ता ने बताया कि कंबल और खाने-पीने की चीजो जैसी मानवीय सहायता लेकर दो और विमान एथेंस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पोलैंड के लिए रवाना हुए।

फ्रांस ने भी रूसी विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने की घोषणा की

पेरिस। फ्रांस ने भी अन्य यूरोपीय देशों की तरह रूसी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की घोषणा की। इसके जरिए पश्चिमी देश यूक्रेन पर आक्रमण का आदेश देने वाले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे है। फ्रांस से पहले, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इटली, चेक गणराज्य, पोलैंड, स्लोवेनिया, एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया, रोमानिया और लक्जमबर्ग ने रूसी विमानों के लिए अपने-अपने हवाई क्षेत्र बंद करने की घोषणा की। फ्रांस के परिवहन मंत्री ज्यां-बैप्टिस्ट जेब्बारी ने रविवार को ट्वीट किया, यूरोप ने यूक्रेन पर रूस के हमले के बदले में एकजुट होकर प्रतिक्रिया दी है।

पोप फ्रांसिस ने युद्ध शुरू करने के द्वेषपूर्ण तर्क की निंदा की

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने यूक्रेन में युद्ध शुरू करने के द्वेषपूर्ण और विकृत तर्क की आलोचना करते हुए पहली बार सार्वजनिक रूप से सख्त टिप्पणियां की। फ्रांसिस ने रविवार को दुखद आक्रमण के चलते भागने वाले यूक्रेनी शरणार्थियों के लिए मानवीय गलियारे खोलने की भी अपील की।हालांकि इस दौरान फ्रांसिस ने रूस का नाम लेने से परहेज किया क्योंकि वह रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च के साथ संबंध सुधारने के प्रयास कर रहे है। उन्होने कहा, युद्ध करने वाले इंसानियत को भूल जाते हैं।

यूक्रेन युद्ध के बीच महारानी एलिजाबेथ ने राजनयिकों का स्वागत कार्यक्रम स्थगित किया

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने विदेश कार्यालय की सलाह पर विंडसर कैसल में अगले हफ्ते प्रस्तावित राजनयिकों का स्वागत कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। बकिंघम पैलेस ने रविवार को यह जानकारी दी। कोविड-19 से उबर रही 95 वर्षीय महारानी ने अपने सभी वर्चुअल कार्यक्रम पहले ही रद्द कर दिए है, लेकिन वह बुधवार को वार्षिक स्वागत समारोह में सैकड़ों राजदूतों और उच्चायुक्तों की मेजबानी करने वाली थी।

युद्ध करने को स्वदेश लौट रहे हैं यूक्रेनी

रूस के आक्रमण के खिलाफ लड़ने को विदेश से यूक्रेन आ रहे हैं स्त्री-पुरुष

भाषा। मेदिका

यूक्रेन पर रूस के हमले के बीच जहां हजारों लोग यूक्रेन छोड़ रहे हैं, वहीं कुछ यूक्रेनी स्त्री-पुरुष अपनी मातृभूमि की रक्षा में मदद करने के लिए पूरे यूरोप से स्वदेश लौट रहे हैं। पोलैंड बॉर्डर गार्ड ने रविवार को कहा कि बृहस्पतिवार को जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तब से अब तक करीब 22,000 लोग यूक्रेन में प्रवेश कर चुके हैं। दक्षिण-पूर्वी पोलैंड की मेदिका सीमा चौकी पर ऐसे कई व्यक्ति रविवार तड़के यूक्रेन में प्रवेश करने के लिए कतार में खड़े दिखे। यूक्रेन में प्रवेश करने के लिए चौकी पर खड़े यूक्रेन के करीब 20 ट्रक चालकों के एक समूह के आगे खड़े मूंछ वाले एक व्यक्ति ने कहा, हमें अपनी मातृभूमि की रक्षा करनी है। अगर हम नहीं करेंगे तो और कौन करेगा। ए सभी लोग यूरोप के विभिन्न हिस्सों से यूक्रेन लौटे हैं। उन्होंने यूक्रेनी और रूसी भाषा में एसोसिएटेड प्रेस से बात की। समूह में शामिल एक अन्य व्यक्ति ने कहा, रूसियों को डरना चाहिए। हमें डर नहीं है। समूह के सदस्यों ने अपनी एवं परिवार की सुरक्षा के चलते अपना नाम बताने से इनकार कर दिया। तीस साल की एक महिला ने अपने उपनाम के बिना अपना नाम लीजा बताया। उसने जांच चौकी में प्रवेश करने से पहले एपी से बात की। महिला ले कहा, मुझे डर है, लेकिन मैं एक मां हूं और अपने बच्चों के साथ रहना चाहती हूं। आप क्या कर सकते हैं? यह खतरे से भरा है लेकिन मुझे करना होगा। वहीं, एक अन्य युवती ने कहा कि वह भी अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए लौट रही है, ताकि यूक्रेन के पुरुष देश की रक्षा के लिए जा सकें।

यूक्रेन से 3,68,000 लोग भागे : संयुक्त राष्ट्र

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी ने कहा कि युद्ध की वजह से पड़ोसी देशों में पहुंच रहे यूक्रेन के नागरिकों की संख्या 3,68,000 हो गई है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी मामलों के उच्चायुक्त द्वारा रविवार को बताई गई शरणार्थियों की संख्या शनिवार के अनुमान की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। शनिवार को एजेंसी ने अनुमान जताया था कि यूक्रेन के कम से कम 1,50,000 नागरिक भागकर पोलैंड और हंगरी तथा रोमानिया समेत अन्य देश चले गए हैं। प्रवक्ता क्रिस मीज़र ने ट्विटर पर कहा कि पोलैंड-यूक्रेन क्रॉसिंग पर वाहनों की 14 किलोमीटर लंबी लाइन लगी नजर आई। यूक्रेन छोड़कर भागने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं, जिन्हें रात भर ठंडे तापमान में लंबा इंतजार करना पड़ा। पोलैंड की सरकार ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन के एक लाख से अधिक लोगों ने पिछले 48 घंटे में पोलैंड-यूक्रेन सीमा पार की है।

बेलारूस सीमा पर मुलाकात करेंगे यूक्रेन व रूस के राजनयिक

कीव। रूस के सैनिक यूक्रेन की राजधानी कीव के पास पहुंच गए हैं। ऐसे में यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने पुष्टि की है कि एक प्रतिनिधिमंडल रूसी अधिकारियों से मुलाकात करेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के कार्यालय ने टेलीग्राम ऐप पर कहा कि दोनों पक्ष बेलारूस की सीमा पर एक अनिर्दिष्ट स्थान पर मुलाकात करेंगे। राष्ट्रपति कार्यालय ने बैठक का कोई निर्धारित समय नहीं बताया। रूस ने रविवार को घोषणा की कि उसका एक प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए बेलारूस रवाना हो गया है, जिसके कुछ घंटे बाद यूक्रेन की ओर से यह प्रतिक्रिया आई है। यूक्रेन के अधिकारियों ने पहले इस प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि वार्ता बेलारूस के बजाय कहीं और होनी चाहिए क्योंकि रूस ने बेलारूस में भारी संख्या में सैनिकों को तैनात कर रखा है। इससे पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी परमाणु प्रतिरोधी बलों को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया।

ब्रिटेन में रूस विरोधी प्रदर्शन

लंदन। यूक्रेन पर रूस के हमले के खिलाफ सप्ताहांत पर ब्रिटेन के कई हिस्सों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने रैलियां निकाली। लंदन में रूस के दूतावास पर लोगों ने अंडे फेंके और दीवारों पर हमला खत्म करने संबंधी नारे लिख दिए। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करने का आदेश दिया था। लंदन में शनिवार को डाउनिंग स्ट्रीट, मैनचेस्टर और एडिनबरा में प्रदर्शन हुए। ये प्रदर्शन ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और यूरोपीय संघ (ईयू) समेत पश्चिमी सहयोगी देशों ने रूस पर और कड़े प्रतिबंधों का ऐलान किया है। इस कदम का मकसद रूस के तेल एवं गैस निर्यात को चोट पहुंचाना है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा, हमने रूस को वैश्विक वित्तीय प्रणाली से बाहर निकालने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ आज रात निर्णायक कार्वाई की है, जिसमें एसडब्ल्यूआईएफटी से रूसी बैंकों को बाहर निकालने का पहला अहम कदम भी शामिल है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे कि पुतिन को अपनी आक्रामकता की कीमत चुकानी पड़े। इस बीच, ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज़ ट्रूस ने कहा कि सरकार हर उस ब्रिटिश नागरिक का समर्थन करेगी जो रूसियों के खिलाफ लड़ाई में यूक्रेन के लोगों के साथ शामिल होना चाहते हैं और उन्हें अपना फैसला खुद करना है।

बर्लिन में एक लाख लोगों ने किया प्रदर्शन

बर्लिन। यूक्रेन पर रूस के हमले के विरोध में बर्लिन में लगभग एक लाख लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने बताया कि मध्य बर्लिन में ब्रैंडनबर्ग गेट के आसपास भारी संख्या में लोग एकत्र हुए हैं और उन्हें अतिरिक्त जगह मुहैया कराई जा रही है। इसने कहा कि रविवार को हुआ प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और इसमें बच्चों समेत परिवारों ने भाग लिया तथा लोगों ने यूक्रेन के समर्थन में पीले और नीले झंडे लहराए। कुछ लोगों ने यूक्रेन छोड़ो , पुतिन जाओ-इलाज कराओ और यूक्रेन एवं दुनिया को शांत रहने दो लिखी हुई तख्तियां प्रदर्शित कीं।

क्विक न्यूज

बातचीत के जरिए विवादों को सुलझाने में विश्वासः पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को कहा कि वह बातचीत के जरिए विवादों को सुलझाने में विश्वास करते हैं लेकिन इसे उनके देश की कमजोरी के तौर पर नहीं लेना चाहिए। खान ने कहा, जैसा कि हमने 27 फरवरी 2019 को भारत को दिखाया, जब उसने हम पर हमला करने का रास्ता चुना। राष्ट्र द्वारा समर्थित हमारे सशस्त्र बल सैन्य आक्रमण का जवाब देंगे और सभी स्तरों पर प्रबल होंगे। उन्होंने कहा, हम अपने देश की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ और अडिग हैं। पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद 26 फरवरी 2019 को तड़के भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकी शिविरों पर बमबारी की। पुलवामा हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे।

इंडोनेशिया में भूकंपः 11 लोगों की मौत 400 घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर आए भूकंप के बाद तलाश अभियान रविवार को भी जारी रहा। इस भूकंप के कारण 11 लोगों की मौत हो गई है जबकि 400 अन्य घायल हुए हैं और हजारों लोग विस्थापित और बेघर हो गए हैं। आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। नेशनल डिजास्टर मिटिगेशन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह पश्चिम सुमात्रा प्रांत में आए 6.2 तीव्रता के भूकंप से ढहे मकानों के मलबे से बचावकर्मियों ने शनिवार देर रात दो और शव निकाले। उन्होंने कहा कि पासमान जिले में छह और पड़ोसी पश्चिमी पासमान जिले में पांच लोगों की मौत हुई है। बचावकर्मी अब भी चार ग्रामीणों की तलाश कर रहे हैं। माना जा रहा है कि वे आसपास की पहाड़ियों से गिरी मिट्टी के नीचे दबे हो सकते हैं।

एनएसओ ने स्पाईवेयर के दुरुपयोग की खबर छापने वाले इजरायली अखबार पर मुकदमा किया

तेल अवीव। इजरायली टेक कंपनी एनएसओ ग्रुप ने रविवार को एक इजरायली अखबार के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। कंपनी ने अखबार में उन सनसनीखेज खबरों के प्रकाशन के बाद यह कदम उठाया, जिनमें दावा किया गया था कि इजरायली पुलिस ने दर्जनों सार्वजनिक हस्तियों पर नजर रखने के लिए उसके स्पाईवेयर का अवैध इस्तेमाल किया। इजरायली अखबार कैल्कलिस्ट में हाल के हफ्तों में छपी उन खबरों को लेकर हंगामा बरप गया है, जिनमें दावा किया गया है कि पुलिस ने विशिष्ट हस्तियों की निगरानी के लिए एनएसओ समूह के फोन हैकिंग सॉफ्टवेयर का व्यापक इस्तेमाल किया था। हालांकि, ए खबरें बिना किसी स्रोत के थीं, और जांच में दुरुपयोग का कोई संकेत नहीं मिला है।

चीन में खदान के ढहने से 14 कर्मी फंसे, बचाव कार्य जारी

बीजिंग। दक्षिण पश्चिमी चीन में एक कोयला खदान ढहने के कारण उसमें फंसे 14 कर्मियों को बाहर निकालने के लिए बचाव कार्य जारी है। सरकारी समाचारपत्र चाइना डेली ने बताया कि गुइझोउ प्रांत में सान्हे शुनशुन कोयला खदान के भीतर के रास्ते की छत शुक्रवार सुबह ढह गई। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, घटनास्थल पर 500 से अधिक बचावकर्मियों और 80 से अधिक आपात वाहनों को भेजा गया है। यह बचाव अभियान काफी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि खदान के प्रवेश से करीब तीन किलोमीटर दूर छत ढही है और छत का जो हिस्सा ढहा है, वह काफी बड़ा बताया जा रहा है। बचावकर्मी निकास बिंदु से खदान की दीवारों के पास खुदाई करने का प्रयास कर रहे हैं। बचावकर्मी शनिवार शाम साढ़े छह बजे तक केवल सात मीटर मार्ग ही बना पाए थे।

चीन ने 22 उपग्रह अंतरिक्ष में स्थापित किए

बीजिंग। चीन के नए लॉन्ग मार्च-8 रॉकेट ने रविवार को अंतरिक्ष में 22 उपग्रह स्थापित किए। यह एक ही रॉकेट से इतनी अधिक संख्या में उपग्रह अंतरिक्ष में भेजने का चीन का घरेलू रिकॉर्ड है। रॉकेट ने दक्षिण हैनान प्रांत में वेनचांग अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण स्थल से बीजिंग के समयानुसार सुबह 11.06 मिनट पर उड़ान भरी। इसके बाद उसने उपग्रहों को उनकी पूर्व निर्धारित कक्षाओं में स्थापित कर दिया। इन उपग्रहों का इस्तेमाल मुख्यत: वाणिज्यिक रिमोट सेंसिंग सेवाओं, समुद्री पर्यावरण निगरानी, जंगलों में आग पर काबू तथा आपदा प्रबंधन के लिए किया जाएगा।इस मिशन के साथ ही लॉन्ग मार्च रॉकेट की 409वीं उड़ान हो गई है। लॉन्ग मार्च-8 श्रृंखला के जिस रॉकेट का रविवार को इस्तेमाल किया गया, वह पूर्ववर्ती रॉकेट का संशोधित संस्करण है और यह 48 मीटर ऊंचा और 198 टन वजनी है। इसमें प्रदूषण और हानि रहित नोदक का इस्तेमाल होता है और यह कक्षा में तीन टन वजनी उपग्रह को स्थापित करने की क्षमता रखता है। मूल स्वरूप की तुलना में संशोधित संस्करण में साइड बूस्टर नहीं है लेकिन यह विभिन्न कक्षाओं में जरूरत के हिसाब से उपग्रहों को स्थापित कर सकता है।

बाइडन के भाषण से पहले अमेरिकी कैपिटल में फिर लग रहा है बाड़

भाषा। वाशिंगटन

राष्ट्रपति जो बाइडन के मंगलवार को होने वाले विशेष भाषण से पहले अमेरिकी कैपिटल में फिर से बाड़ लगाए जाएंगे। यह कदम जनवरी, 2021 में अमेरिकी कैपिटल में हुए हमले के मद्देनजर उठाया जा रहा है। कैपिटल पुलिस प्रमुख टॉम मंगर ने रविवार को एक बयान में कहा कि भाषण के लिए भवन के आसपास बाड़ लगाया जाएगा।

वाशिंगटन के अधिकारी फिलहाल ट्रक चालकों के काफिले से निपटने की योजना बना रहे हैं। गौरतलब है कि ट्रक चालक महामारी के मद्देनजर लागू की गई पाबंदियों के खिलाफ प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। पेंटागन ने प्रदर्शन होने की स्थिति में यातायात नियंत्रित करने में सहायता के लिए नेशनल गार्ड के 700 कर्मियों की तैनाती को मंजूरी दे दी है, हालांकि ए कर्मी सशस्त्र नहीं होंगे।

कनाडा में ट्रक चालकों के हालिया प्रदर्शन के आधार पर ऑनलाइन मंचों की मदद से अलग-अलग ट्रकों के काफिलों की योजना बनाई गई है। ए काफिले अलग-अलग तारीख पर अलग-अलग जगहों से चलेंगे, उनका मार्ग अलग-अलग होगा और इनमें से कुछ भाषण के समय पहुंचेंगे। मंगर ने कहा कि उनके बलों का मिशन अमेरिकी कांग्रेस, कैपिटल को सुरक्षित रखना और संसदीय प्रक्रिया को सतत बनाए रखना है। पिछले साल जनवरी में हुई घटना के बाद बाड़ लगाया गया था जो कई महीनों तक रहा था।

इजरायइल न रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता के लिए मध्यस्थता की पेशकश की

मास्को। इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने यूक्रेन में लड़ाई खत्म करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। क्रेमलिन ने यह बात कही। बेनेट ने रविवार को फोन पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि इजराइल मध्यस्थ की भूमिका निभाने को तैयार है। उसने यह नहीं बताया कि रूसी नेता ने उनकी पेशकश स्वीकार की या नहीं। पुतिन ने बेनेट से कहा कि रूस से यूक्रेन के अधिकारियों के साथ शांतिवार्ता करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल गोमेल भेजा गया है लेकिन यूक्रेन के अधिकारियों ने आने से इनकार कर दिया। यूक्रेन के अधिकारियों ने रूस के कदम को एक चाल करार देते हुए कहा कि उनका देश बेलारूस में बातचीत करने के लिए तैयार नहीं है।

यूक्रेन संकट के बीच उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल दागी

भाषा। सियोल

उत्तर कोरिया ने एक महीने के विराम के बाद और अमेरिका तथा उसके सहयोगियों के यूक्रेन पर रूस द्वारा किए गए हमले पर ध्यान केंद्रित करने के बीच रविवार को समुद्र में एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। उसके पड़ोसी देशों ने यह जानकारी दी। यह इस साल उत्तर कोरिया का हथियारों का आठवां परीक्षण है तथा 30 जनवरी के बाद से पहला परीक्षण है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया अपनी हथियार प्रौद्योगिकी में सुधार लाने की कोशिश कर रहा है और अमेरिका पर लंबे समय से बाधित वार्ता के बीच प्रतिबंधों से छूट देने का दबाव बना रहा है। कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि उत्तर कोरिया वाशिंगटन पर दबाव बढ़ाने के लिए अमेरिका के यूक्रेन संघर्ष में व्यस्त होने का इस्तेमाल अपनी परीक्षण की गतिविध को तेज करने में कर सकता है। इस बीच जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने बताया कि उत्तर कोरियाई मिसाइल ने पूर्वी तट और जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरने से पहले करीब 600 किलोमीटर की अत्यधिक ऊंचाई पर तकरीबन 300 किलोमीटर तक उड़ान भरी। उन्होंने बताया कि जहाजों या विमानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने भी उत्तर कोरिया की राजधानी के क्षेत्र से मिसाइल परीक्षण का पता लगाया है और उन्होंने इस पर गहरी चिंता तथा खेद व्यक्त किया। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक के दौरान दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच इस परीक्षण के समय को दुनिया और कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति तथा स्थिरता के लिए अवांछित बताया।

चुनिंदा रूसी बैंकों को स्विफ्ट प्रणाली से किया जाएगा अलग

अमेरिका और उसके सहयोगी देशों का फैसला

भाषा। वाशिंगटन

यूक्रेन पर रूसी हमले के मद्देनजर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस के कुछ चुनिंदा बैंकों को वैश्विक वित्तीय संचार तंत्र स्विफ्ट से अलग करने और रूस के केंद्रीय बैंक के खिलाफ प्रतिबंधात्मक उपाय लागू करने का फैसला किया है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन और कनाडा के नेताओं ने शनिवार को रूस की प्रतिबंधित कंपनियों और कुलीन वर्ग के लोगों की संपत्तियों का पता लगाने तथा उनके खिलाफ कार्वाई करने के लिए एक संयुक्त कार्य बल गठित करने का फैसला किया। सोसाइटी फॉर वर्ल्ड वाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन (स्विफ्ट) दुनिया की प्रमुख बैंकिंग संचार सेवा है, जो भारत सहित 200 से अधिक देशों में लगभग 11,000 बैंकों और वित्तीय संस्थानों को आपस में जोड़ती है। बेल्जियम स्थित इस तंत्र को वैश्विक वित्त व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए बेहद अहम माना जाता है और अगर रूस इससे बाहर होता है तो यह उसके लिए एक बड़ा झटका साबित होगा। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने एक बयान जारी कर कहा, हम रूसी हमले का मुकाबला करने के साहसी प्रयासों में यूक्रेन की सरकार और उसके लोगों के साथ खड़े हैं। रूस का हमला उन मूलभूत अंतरराष्ट्रीय नियमों एवं मापदंडों का उल्लंघन है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कायम हैं और जिनकी रक्षा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हम रूस को जवाबदेह ठहराएंगे और सामूहिक रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि यह राष्ट्रपति पुतिन के लिए रणनीतिक हार साबित हो।

जापान भी होगा शामिल

तोक्यो। जापान ने स्विफ्ट अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संदेश प्रणाली से रूसी बैंकों को हटाने के निर्णय में अमेरिका और यूरोपीय देशों का साथ देने का फैसला लिया है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने यह जानकारी दी। यूक्रेन पर रूस द्वारा किए गए हमले की वजह से उस पर प्रतिबंध लगाने की ओर यह कदम बढ़ाया गया है। जापान, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य रूसी अधिकारियों की संपत्तियों को भी जब्त करेगा। किशिदा ने संवाददाताओं से कहा कि जापान यूक्रेन को एक करोड़ अमेरिकी डॉलर की आपातकालीन मानवीय सहायता भी देगा। किशिदा ने कहा, यूक्रेन पर रूस का हमला यथास्थिति को बदलने का एकतरफा प्रयास है और इस कार्वाई से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नीव हिल जाएगी। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का सीधे तौर पर उल्लंघन है और हम कड़े शब्दों में इसकी भर्त्सना करते है। प्रधानमंत्री ने कहा, जापान यूक्रेन के लोगों के साथ खड़ा है जो अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता और परिवारों की रक्षा के लिए लड़ रहे है।

यूक्रेन कर्फ्यू के कारण खेशातयाटकका एक मुख्य सड़क पूरी तरह से खाली है

साइबर सुरक्षा है जरूरी

प्रभात सिन्हा कहते हैं कि फिशिंग, स्पूफिंग, हैकिंग, साइबरस्टॉकिंग, फिरौती के हमले सबसे आम साइबर अपराध हैं। हालांकि, सबसे बड़ा कारण, लॉकडाउन के दौरान, अत्यधिक इंटरनेट का उपयोग है

डिजिटल पीढ़ी का वर्तमान युग इंटरनेट पर भारी सर्फिंग कर रहा है, जिसने डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाले सभी लोगों के लिए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। हालांकि, साइबर दुनिया के उपयोग ने साइबर धोखाधड़ी को जगा दिया है, जो अपराध का खतरनाक रूप है जहां धोखेबाज पीड़ितों की व्यक्तिगत जानकारी और डेटा को ऑनलाइन हैक कर लेते हैं। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए समस्याजनक है क्योंकि साइबर अपराध कोविड जैसे वायरस की गति से बढ़ रहे हैं और व्यवसायों, सरकारों व सार्वजनिक सेवाओं को बाधित कर रहे हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2020 में साइबर अपराध के 50,035 मामले दर्ज किए। इसने पिछले साल की तुलना में 11.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि 2020 से 2025 तक इसके 25 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है अगर निवारक कदम ठीक से लागू नहीं किए गए।

कौन सी चीज अपराधी को साइबर अपराध करने के लिए मजबूर करती है?

जब भी हम समाज और दुनिया भर में हो रहे साइबर अपराधों के बारे में पढ़ते या सुनते हैं तो एक चुभने वाला सवाल उठता है। फिशिंग, स्पूफिंग, हैकिंग, साइबर स्टॉकिंग, फिरौती के हमले सबसे आम साइबर अपराध हैं। हालांकि, सबसे बड़ा कारण लॉकडाउन के दौरान इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग है। साइबर अपराध के मामलों में भारी वृद्धि के लिए कई अन्य निर्धारक हैं।

महामारी की स्थिति

बढ़ते साइबर हमले का एक कारण महामारी के कारण लगाया गया लॉकडाउन है। लोगों को दूरस्थ रूप से काम करना पड़ता है और अपने संगठनों व परियोजनाओं के भीतर साझा उपयोग के लिए सर्वर पर डेटा अपलोड और डाउनलोड करना पड़ता है। ऑनलाइन सम्मेलनों, बैठकों, वित्तीय लेनदेन आदि ने साइबर हमलावरों को अतिरिक्त विकल्प दिए हैं।

कौशल की कमी

हर किसी को स्थिर होने और अपनी कमाई के लिए काफी पारिश्रमिक अर्जित करने की आवश्यकता है। हालांकि, जहां कुशल लोग अपनी नौकरी सुरक्षित करने में सक्षम हैं, वहीं बहुत से अकुशल लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है। ऐसे अकुशल और बेरोजगार लोग साइबर क्राइम को अपनी कमाई के माध्यम के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा ऐसे लोगों को पैसा कमाने के वैध तरीके खोजने की तुलना में साइबर अपराध और हमले आसान लगते हैं।

आतंकवाद

हम आतंकवादियों द्वारा सरकारी वेबसाइटों व सोशल मीडिया चैनलों के हैक होने की खबरें सुनते हैं। दुनिया को डराने के अपने अभियान में आतंकवादी साइबर हमले को एक शक्तिशाली हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उदाहरण के लिए, हमने पिछले साल आतंकवादियों द्वारा कई साइबर हमले देखे, जहां उन्होंने कोलोराडो स्थित ऊर्जा कंपनी के ऐतिहासिक डेटा को मिटा दिया और आंतरिक नियंत्रण काट दिया। इसी तरह, ऑस्ट्रेलियाई उपयोगिता फर्मों पर रूसी साइबर हमलावरों द्वारा रैंसमवेयर हमले किए गए थे।

सोशल मीडिया

एक सामान्य सोशल मीडिया व्यसनी इंटरनेट पर बहुत बार सर्फ करता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में कई ऐप और प्रोग्राम हैं जो बहुत ही आकर्षक और लुभावने लगते हैं। लेकिन ज्यादातर ऐसे ऐप्स का इस्तेमाल आपका पर्सनल डेटा चुराने के लिए किया जाता है। आजकल, साइबर हमलावर अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताएं प्राप्त करने के लिए अपने लक्षितों के सोशल मीडिया प्रोफाइल का विश्लेषण कर रहे हैं। इसीलिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल समझदारी और सुरक्षित तरीके से करने की सलाह दी जाती है।

जागरुकता न होना

अभी भी, नियमित इंटरनेट उपयोगकर्ता साइबर हमलों के तरीकों से अनजान हैं, और वे साइबर अपराधों से सुरक्षा के सरल हैक के प्रति में अनजान हैं। जहां सरकार व निगम साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के सभी प्रयास कर रहे हैं, वहीं नियमित लोग मानक प्रक्रियाओं का बमुश्किल पालन कर रहे हैं। साइबर सुरक्षा दिशानिर्देशों व प्रक्रियाओं का पालन करने से साइबर हमले और अपनी गाढ़ी कमाई के भारी नुकसान को रोका जा सकता है।

अपडेट

हम अक्सर आवश्यक सॉफ्टवेयर और ऐप्स देखते हैं जो हमें नवीनतम अपडेट इंस्टॉल करने के लिए प्रेरित करते हैं। दरअसल, उन अपडेट में नवीनतम ज्ञात साइबर हमले से सुरक्षा पैच शामिल होते हैं। इसलिए, अपडेट्स को स्थापित करने और अपने सिस्टम सॉफ्टवेयर को जल्द से जल्द अपग्रेड करने का प्रयास करें।

पासवर्ड सुरक्षा

हमेशा जटिल पासवर्ड का उपयोग करें जिसमें अक्षर, संख्याएं और विशेष वर्ण हों। अपने पासवर्ड को ब्राउजर और ऐप्स पर सेव न करें। महत्वपूर्ण खातों के लिए हमेशा अलग-अलग पासवर्ड का इस्तेमाल करें। आप बैंकिंग और वित्तीय ऐप्स के लिए बायोमेट्रिक्स प्रमाणीकरण का उपयोग करने का विकल्प भी चुन सकते हैं।

अपने डिवाइस पर इंस्टॉल किए गए ऐप्स के लिए पासवर्ड का उपयोग करें ताकि मोबाइल चोरी होने की स्थिति में आपके ऐप्स एक्सेस न कर सकें। आजकल हर किसी का बैंक उनकी जेब में ही मिल जाता है और आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसलिए अपने पासवर्ड को समय-समय पर बदलते रहें। इसके अलावा, अलग-अलग भुगतान और यूपीआई ऐप इंस्टॉल करने के बजाय, साइबर हमले की संभावना को कम करते हुए, अपने मोबाइल डिवाइस पर ऐप के जरिए कम लेनदेन का उपयोग करने का प्रयास करें।

लिंक

अनजान लिंक्स पर कभी भी क्लिक न करें। वेबसाइटों, ऐप्स, मेल, एसएमएस या कॉल पर उनके द्वारा साझा किए गए लिंक पर क्लिक करके कई धोखाधड़ियां होती है। अधिकांश साइबर अपराध व्यक्तिगत व लेन-देन संबंधी विवरणों की हैकिंग के लिए बनाए गए धोखाधड़ीपूर्ण ऐप्स के जरिए होते हैं। ऐसे कपटपूर्ण लिंक पर क्लिक करने के कुछ ही मिनटों में आपके खाते की शेष राशि समाप्त हो सकती है। इसलिए, केवल आधिकारिक वेबसाइटों व अनुशंसित ऐप स्टोर से ऐप डाउनलोड करने की अनुशंसा की जाती है। सीधे लिंक के माध्यम से साझा किए गए ऐप्स को डाउनलोड करने से बचें।

हम कैफे, लाइब्रेरी, होटल आदि जैसे साझा वाई-फाई नेटवर्क का उपभोग करते हुए वीपीएन का उपयोग कर मजबूत पासवर्ड का उपयोग करके साइबर हमले को रोक सकते हैं।

–लेखक आईटी विशेषज्ञ एवं इनोवेट एंड सीज योर सक्सेस के लेखक हैं

प्रौद्योगिकी काम के भविष्य को आकार देती रहेगी

अभिनव गुप्ता का कहना है कि महामारी के दौरान प्रौद्योगिकी ने अपने उपयोगकर्ताओं को अपने करियर, शिक्षा या यहां तक कि दैनिक जीवन में अपने अनुभवों को बनाए रखने में सक्षम बनाया

अभिनव गुप्ता
सीटीओ, इन्नोवाना थिंकलैब्स लिमिटेड

हाल के वर्षों में हमने देखा है कि कैसे डिजिटलीकरण ने दुनिया का चेहरा बदल दिया है और इसे तब भी आगे बढ़ने में मदद की है, जब यह अब तक की सबसे महत्वपूर्ण महामारी की चपेट में था। यह वो तकनीक थी जिसने अपने उपयोगकर्ताओं को अपने करियर, शिक्षा या यहां तक कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में अपने अनुभवों को बनाए रखने में सक्षम बनाया। नतीजा यह है कि अब हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं जहां हम कहीं से भी एक ही समय में या कुछ मामलों में अधिक दक्षता के साथ कुछ भी कर सकते हैं। प्रौद्योगिकी काम के भविष्य को आकार देना जारी रखेगी, और निकट भविष्य के लिए हर कल्पनीय क्षेत्र को बदल देगी।

एआई संचालित क्लाउड एप्लिकेशन अंतत: बाजार को मजबूती प्रदान करेंगे

महामारी के बाद इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि कृत्रिम मेधा में जीवन रक्षक क्षमता है। एआई द्वारा चैटबॉट्स से लेकर वर्चुअल असिस्टेंट तक के कार्यों को स्वचालित करने के लिए कई नवाचार व 2022 तथा उसके बाद भी अंतर्दृष्टि और बेहतर समाधान जारी रहेंगे। यह उम्मीद की जाती है कि एप्लिकेशन अवसंरचना में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा क्योंकि व्यावसायिक संगठन अधिक मापनीय, सुरक्षित और कुशल व्यावसायिक प्रक्रियाओं के लिए रास्ता बनाने हेतु क्लाउड एप्लिकेशन की ओर बढ़ेंगे। क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन से, कंपनियां हार्डवेयर में कटौती करके अपनी प्रक्रियाओं को लागत प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम होंगी। क्लाउड कंप्यूटिंग की शक्तिशाली और विस्तृत प्रकृति भविष्य में बढ़ेगी और संभावित रूप से डेटा को अधिक व्यापक सुरक्षा प्रदान करेगी और अंतत: कंपनियों को उनके व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगी।

इंटरनेट में उन्नति

5वीं पीढ़ी का मोबाइल नेटवर्क आने वाले समय में हर क्षेत्र के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाला है। तेज गति, अधिक क्षमता और इंटरनेट पर कम विलंबता सार्वजनिक सुरक्षा और व्यवसाय में अवसरों के नए द्वार खोलेगी। आंकड़े कहते हैं कि 2025 से पहले वैश्विक आबादी का 40 प्रतिशत तक 5जी धारक होगा। आधुनिक व्यापार जगत ने पिछले वर्षों में बहुत कुछ बदल दिया है। कई व्यवसाय कार्यालय के बाहर भी काम करने से अधिक परिचित हो गए हैं। 5जी इन दूरस्थ कार्य कौशल को और अधिक सुविधाजनक बना सकता है और अंतत: व्यवसायों को उत्पादकता में वृद्धि हासिल करने में मदद करता है।

सुरक्षा उद्योग का विकास

आने वाले समय में, सुरक्षा उद्योग अधिक स्वचालन व एकीकरण के साथ प्रतिक्रिया देगा। स्कैनर उपकरण नए अपडेट लाएंगे और व्यक्तिगत डेटा की अधिक सुरक्षित भंडारण प्रक्रिया प्रदान करेंगे। डिजिटल चुनौतियों को आसानी से हल करने के लिए पारंपरिक बुनियादी ढांचा आधुनिक डिजिटल नवाचारों के साथ एकीकृत होगा। चूंकि जोखिम परिदृश्य अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है, इसलिए सुरक्षा को वर्तमान में उपलब्ध बुनियादी मॉडल से आंतरिक रूप से निर्मित उन्नत मॉडल में सुधार करने की आवश्यकता है। एंटीवायरस समाधान और वेब सुरक्षा एक्सटेंशन विकसित किए जाएंगे और जो अधिक रीयल-टाइम सुरक्षा व सुरक्षित ब्राउजिंग अनुभव प्रदान कर सकते हैं।

भौतिक और आभासी स्थलों का मेल

2020 और 2021 के दौरान, हम में से कई लोगों ने महसूस किया कि न केवल सुविधा बल्कि संचार को बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी बहुत महत्वपूर्ण है। ये संचार केवल काम तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि वास्तविक भावनात्मक संबंध भी हैं। एआई तकनीक व कई नए एप्लिकेशन लोगों को परस्पर करीब ले जाएंगे, भले ही वे शारीरिक रूप से मीलों दूर हों।

आईओटी और एज में नया युग

भविष्य के डिजिटलीकरण के लिए एक विजन के रूप में शुरू किए गए आईओटी और एज अब तेजी से प्रौद्योगिकी की दुनिया की सबसे शक्तिशाली महाशक्ति बन रहे हैं। अब से पांच साल बाद, एज डेटा प्रबंधन के लिए नया युद्धक्षेत्र बन जाएगा। दूसरी प्रमुख सहमति यह है कि डेटा प्रबंधन और बढ़त तेजी से परस्पर अभिसरण और सुदृढ़ होंगी। हम इन प्रौद्योगिकियों में धीरे-धीरे वृद्धि देखेंगे क्योंकि एआई-संचालित आईओटी विभिन्न क्षेत्रों में तैनात होगा और संभवत: विभिन्न उद्योगों पर कब्जा कर लेगा।

बहु-कुशल होना ही सफलता का नया मंत्र

गिरीश सिंघानिया कहते हैं कि व्यक्ति को बस अपने रिज्यूमे को बढ़ाने हेतु कौशल बढ़ाने की जरूरत है, और कार्पोरेट संस्थानों को दिखाना है कि वे जितना पहले से जानते हैं, उससे थोड़ा अधिक प्रदान कर सकते हैं

गिरीश सिंघानिया
सीईओ एडूब्रिज लर्निंग

लोग महामारी से डरते थे। इसके परिणामस्वरूप आर्थिक मुद्रास्फीति, छंटनी व एक मजबूत अर्थव्यवस्था के संभावित पतन से जुड़ी हर चीज घटित हुई है। विपरीत पक्ष के मंचन में इतना प्रयास किया जाता है, कि उज्ज्वल पक्ष को घात लगता है।

पीछे मुड़कर देखें तो जो हमारे खिलाफकाम कर रहा है, वह एक सकारात्मक डिजिटल संक्रमण है जो मौजूदा तकनीकी क्रांति के परिणामस्वरूप हुआ है।

टूटता मिथक – विद्रोह के समय के दौरान, पेशेवर न केवल नौकरी खोने की चिंता करते हैं, बल्कि इन प्रोफाइलों के विलुप्त होने की भी चिंता करते हैं। दूसरी ओर, डिजिटलीकरण ने केवल रोजगार की बारीकियों को सरल बनाया, बल्कि इन पेशेवरों को कुशल, नवकौशल और पुन:कौशल के लिए प्रेरित किया। पुनर्कौशल पेशेवरों और शिक्षार्थियों को उनकी वित्तीय स्थिति को उन्नत बनाते हुए नयी शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहन दे सकता है।

अधिकांश पेशेवर आईटी क्षेत्र में प्रवेश करने से डरते हैं, जैसा कि समझा जाता है कि इसके लिए गणित व विज्ञान वर्ग में शिक्षा की आवश्यकता होती है। इस डर ने शहरी इलाकों में भी सफलतापूर्वक अपना रास्ता बना लिया है। शुक्र है, यह सच नहीं है, क्योंकि अधिकांश शिक्षार्थी आईटी क्षेत्र के विशाल विस्तार से बेखबर हैं। सूचना प्रौद्योगिकी केवल

जावा, पायथन, रूबी आदि की प्रोग्रामिंग भाषाओं तक ही सीमित नहीं है। बल्कि इसमें बिजनेस इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, यूजर इंटरफेस डिजाइनर, वेब एनालिटिक्स, ग्रोथ हैकर, टेक सपोर्ट स्पेशलिस्ट और टेक-रीक्रूटर में रोमांचक कोर्स भी शामिल हैं। उपर्युक्त भूमिकाओं के लिए गणित, अनुसंधान कौशल, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र व संचार कौशल के बुनियादी ज्ञान की आवश्यकता होती है। ये सभी किसी समस्या को हल करने में सक्षम होने के लिए विश्लेषणात्मक व तार्किक अंतर्दृष्टि के उदार आधार के साथ रचनात्मक रूप से सोचने की क्षमता द्वारा समर्थित हैं। कोडिंग की मूल बातें सीखना उतना ही व्यावहारिक हो सकता है।

हालांकि, डिजिटल प्रगति के साथ, स्किलिंग, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग को कार्य संस्कृति के आंतरिक भाग के रूप में सिखाया जा रहा है। **प्रभाव**–इस तरह की क्रांति मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, जहां एक तरफ कुशल पेशेवरों की तत्काल आवश्यकता है, और दूसरी तरफ अकाल है। ले-ऑफ की स्थिति से दूर रहने के बदले बढ़ते अंतराल को सीधे भरने की आवश्यकता है। और यहीं पर एडटेक अपना दखल देता है!

इतने बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना वास्तव में अधिकांश संगठनों के लिए एक कठिन कार्य है। यही कारण है कि एडटेक इन पेशेवरों को आवश्यक योग्यताओं के साथ चीजों को ऊपर की ओर चलाने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है!

संगठन एडटेक कंपनियों के साथ सहयोग करते हैं और ऐसे पाठ्यक्रमों का खाका तैयार करने में सहायता करते हैं जो कार्यबल की बढ़ती जरूरतों के लिए खुद को संरेखित करते हैं। यह बदले में शिक्षार्थियों को पढ़े गए पाठ्यक्रम पर एक प्रमाणित अद्यतन प्राप्त करने में मदद करता है, और अतिरिक्त रूप से बेहतर वित्तीय भत्तों के साथ कार्यबल में पुन: भर्ती होने का अवसर देता है।

सह-निर्मित पाठ्यक्रम कर्मचारियों को उद्योग प्रमुखों के साथ संवाद करने का अवसर देते हैं, जो उन्हें पेशेवर वातावरण में खुद को अधिक परिभाषित ढंग से संचालित करने में सक्षम बनाता है। संक्षेप में, व्यक्ति को अपने रिज्यूमे को बढ़ाने के लिए बस अपस्किल करने की जरूरत है, और उन्हें निगमों को दिखाना है कि वे पहले से जितना जानते हैं उससे थोड़ा अधिक प्रदान कर सकते हैं! आखिरकार, बहु कुशल होना ही सफलता का नया मंत्र है।

– लेखक एडुब्रिज लर्निंग के सीईओ हैं

उच्च शिक्षा का भविष्य

सचिन गुप्ता कहते हैं कि भले ही मेटावर्स दशकों से अस्तित्व में है, लेकिन अब यह भारी ध्यानाकर्षण प्राप्त कर रहा है। आज डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी चलन में हैं और इसने आईटी जगत का भी ध्यान खींचा है

डिजिटल अन्वेषण के नए युग के साथ उच्च शिक्षा लगातार विकसित हो रही है। भले ही मेटावर्स दशकों से अस्तित्व में है, लेकिन अब यह भारी आकर्षण प्राप्त कर रहा है। इसके साथ ही डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी चलन में हैं और इसने आईटी जगत का भी ध्यान खींचा है।

साइबर सुरक्षा, डेटा विज्ञान और मेटावर्स उदाहरणीय बाजार हैं, जहां साइबर सुरक्षा के वैश्विक बाजार का आकार 2020 के .153.16 बिलियन डॉलर से 12 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़कर 2028 तक लगभग 370 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि वैश्विक डेटा विज्ञान बाजार 11.1 प्रतिशत के सीएजीआर के साथ 2027 तक 80 बिलियन से थोड़ा अधिक मूल्य का होने की उम्मीद है और 2021 से 2030 तक वैश्विक मेटावर्स बाजार के 41.7 प्रतिशत के सीएजीआर के साथ विस्तार करने का अनुमान है।

इन अगली बड़ी तकनीकों व तेजी से बढ़ते आकर्षक बाजार से, डेटा विज्ञान, साइबर सुरक्षा और मेटावर्स जैसी उन्नत तकनीकों के साथ इसे आकार देने और भविष्य के प्रमाण के लिए कल की उच्च शिक्षा का पुनर्गठन आवश्यक है।

साइबर सुरक्षा

साइबर सुरक्षा एक अभ्यास है जिसका उद्देश्य नेटवर्क, सिस्टम और प्रोग्राम को हानिकारक डिजिटल हमलों से बचाना है। ये हमले आमतौर पर संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बनाते हैं, उन्हें परिवर्तन या नष्ट कर देते हैं और इसका उपयोग पैसे निकालने या व्यापार, यदि कोई है, के प्रवाह को बाधित करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। उच्च शिक्षा में साइबर सुरक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी क्योंकि छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों के डेटा प्रकृति में संवेदनशील होते हैं और जब सभी डेटा ऑनलाइन संग्रहीत किए जाते हैं तो उन्हें संरक्षित करने की आवश्यकता होती है। चूंकि पिछले कुछ वर्षों में हमलावरों ने कई नवीन विचार विकसित किए हैं, यह उच्च शिक्षा प्रणाली में तनाव का कारण बनता है।

सचिन गुप्ता
चांसलर, संस्कृति यूनीवर्सिटी

डेटा विज्ञान

डेटा साइंस एक ऐसा क्षेत्र है जो एल्गोरिद्म और सिस्टम का उपयोग करके वैज्ञानिक विधियों और प्रक्रियाओं का उपयोग करता है। यह संरचित और असंरचित डेटा से अंतर्दृष्टि व ज्ञान को आकर्षित करता है। डेटा साइंस इस डेटा से प्राप्त ज्ञान और अंतर्दृष्टि को एप्लिकेशन डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला के मद्देनजर कार्रवाई करने के लिए लागू करता है। डेटा विज्ञान द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकें सांख्यिकी, कंप्यूटर विज्ञान, डोमेन ज्ञान आदि के क्षेत्र से भिन्न होती हैं। उच्च शिक्षा में डेटा विज्ञान के कार्यान्वयन से शिक्षा प्रणाली को बहुत लाभ होगा। डेटा वैज्ञानिकों का भविष्य, साहित्यिक चोरी की आसान जांच, शोध कार्य में कार्यान्वयन, कुछ ऐसे तरीके हैं जिनसे डेटा विज्ञान भविष्य की दुनिया को बढ़ाएगा।

मेटावर्स

मेटावर्स 3डी आभासी दुनिया का एक नेटवर्क है जो सामाजिक कनेक्शन पर केंद्रित है। पिछले वर्षों में, मेटावर्स फिक्शन की दुनिया में लोकप्रिय रहा है और अब इसने विभिन्न वर्चुटल प्लेटफार्मों में अपनी लोकप्रियता हासिल कर ली है। मेटावर्स में आभासी वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता की प्रौद्योगिकियां शामिल हैं जिनका उद्देश्य भौतिक और डिजिटल दुनिया को जोड़ना है। मेटावर्स ने अपनी खुद की जगह बनाई है कि उच्च शिक्षा भी शिक्षा प्रणाली में प्रौद्योगिकियों के निर्माण में लगी हुई है। तकनीकी प्रगति व शिक्षा वर्ग हाइब्रिड मोड में होने के कारण, मेटावर्स आभासी और संवर्धित वास्तविकता का उपयोग करके शिक्षा प्रणाली को बहुत मदद करेगा।

उभरती हुई प्रौद्योगिकियां और उच्च शिक्षा

डेटा साइंस, मेटावर्स और साइबर सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के साथ उच्च शिक्षा का भविष्य हाइपर पर्सनलाइजेशन के बारे में ज्यादा है। डिजिटल स्पेस के बढ़ते पारिस्थितिकी तंत्र में, नेटवर्क, मेटावर्स और भी गहरे हैं और भौतिक व आभासी दोनों दुनियाओं में हमारी दैनिक गतिविधियों व बातचीत को प्रभावित करेंगे। उच्च शिक्षा के लिए इसके पहले से ही निहितार्थ है यानी उन तरीकों से जिससे इस तक शिक्षार्थियों द्वारा पहुंच बनाई जा सकती है, जिस तरीके से सूचना को गढ़ा जा सकता है व जिस ढंग से शिक्षार्थी एक दूसरे के साथ बातचीत और जुड़ाव कायम करेंगें।

डेटा साइंस अर्द्धसंरचित व संरचित डेटा का लाभ प्रदान करता है :-

दूसरी ओर डेटा विज्ञान प्रत्येक छात्र के बारे में अधिक जानकार निर्णय लेने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए डेटा का विश्लेषण करने का लाभ प्रदान करता है। यह समझने के लिए गणित, कंप्यूटर विज्ञान आदि के कौशल की आवश्यकता है जो कि छात्र के व्यवहार को प्रेरित करेगा। मेटावर्स से सीखने और भविष्य के परिणामों की भविष्यवाणी करने में सहायता हेतु अर्द्धसंरचित और संरचित डेटा के साथ निरंतर वास्तविक समय की सिफारिशों के साथ उच्च शिक्षा को लाभ होने की संभावना है।

साइबर सुरक्षा डिजिटल दुनिया का अभिन्न अंग है: –

साइबर सुरक्षा मेटावर्स और डेटा को भेद्यता से बचाने के लिए मेटावर्स को सुरक्षित करने में सहायता करेगी। अब से एक दशक बाद साइबर सुरक्षा उच्च शिक्षा का एक अभिन्न अंग बन जाएगी। जैसा कि हैकर्स हर विंडो स्क्रीन के पीछे दुबके रहेंगे, प्रौद्योगिकी दिग्गज उच्च शिक्षा की साइबर सुरक्षा को संभाल लेंगे। उच्च शिक्षा के सहयोग से परिसर प्रौद्योगिकियां, कंप्यूटिंग शक्ति का लाभ उठाएंगी।

प्रौद्योगिकियों का निरंतर उन्नयन किया जा रहा है:–

इन तकनीकों को अभी भी विकसित किया जा रहा है, अभी भी साइबर सुरक्षा, डेटा विज्ञान और मेटावर्स को नई ऊंचाइयां प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए रूपांतरित किया जा रहा है। चूंकि ये प्रौद्योगिकियां उच्च शिक्षा के लिए एक विशाल शिक्षण-अवस्था के साथ आती हैं, ये प्रौद्योगिकियां भविष्य हैं और संस्थानों को इस नई तकनीकी दुनिया की समझ बनाने के लिए पर्याप्त तैयारी करने की आवश्यकता है।

भारतीय टीम ने किया कमजोर श्रीलंका का सफाया

●आखिरी टी-20 छह विकेट से जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम की

●रोहित सबसे ज्यादा टी 20 खेलने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने

भाषा। धर्मशाला

अर्धशतक पूरा करने के बाद श्रेयस अय्यर

भारत ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद श्रेयस अय्यर (नाबाद 73) के लगातार तीसरे अर्धशतक मदद से तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका पर 19 गेंद रहते छह विकेट से जीत दर्ज कर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की। श्रीलंकाई टीम कप्तान दासुन शनाका की 38 गेंद में नाबाद 74 रन की पारी के बावजूद टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 146 रन ही बना सकी।

मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज अय्यर ने 45 गेंद में नौ चौके और एक छक्के से श्रृंखला में लगातार तीसरा नाबाद अर्धशतक जड़ते हुए भारत को 16.5 ओवर में जीत दिलाई। अय्यर ने तीन मैचों में कुल 204 रन बनाए और एक बार भी आउट नहीं हुए। रविंद्र जडेजा 22 रन बनाकर नाबाद रहे जिससे भारत ने चार विकेट पर 148 रन बनाए। यह भारत की टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में लगातार 12वीं जीत है। कप्तान रोहित शर्मा का भारतीय जर्सी के लिए यह 125वां टी-20 मैच था जिससे वह विश्व क्रिकेट में सबसे ज्यादा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। उनके साथ संजू सैमसन (18) पारी का आगाज करने उतरे।

रोहित (05) केवल नौ गेंद खेलकर एक चौका ही लगा पाए थे कि दुष्मंता चमीरा की अतिरिक्त उछाल लेती गेंद ने उन्हें आउट कर दिया। दिलचस्प है कि टी-20 अंतरराष्ट्रीय में चमीरा ने रोहित को छठी बार आउट किया।

पावरप्ले में टीम ने एक विकेट गंवाकर 47 रन बना लिए थे। अय्यर का साथ निभाने दीपक हुड्डा आए जिन्होंने एक चौके और एक छक्का लगाकर 21 रन का योगदान दिया लेकिन 11वें ओवर में लाहिरू कुमारा की गेंद पर बोल्ड हो गए।

अय्यर ने 12वें ओवर में जेफरे वांडरसे पर मिडविकेट पर गगनचुंबी छक्का जड़कर श्रृंखला में नाबाद अर्धशतकों की हैट्रिक लगाई। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए वेंकटेश अय्यर (05) लाहिरू कुमारा का दूसरा शिकार बने। फिर जडेजा और अय्यर ने पांचवें विकेट के लिए नाबाद 45 रन की साझेदारी निभाकर टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पूर्व कप्तान शनाका ने नौ चौके और दो छक्के जड़ति नाबाद पारी खेलकर फिर टीम को बचाया जिससे वह श्रीलंका को 150 रन के करीब ले गए। आवेश (चार ओवर में एक मेडन से 23 रन देकर दो विकेट) और सिराज (चार ओवर में 22 रन) ने अपनी तेजी और उछाल से श्रीलंका के शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया जिससे चौथे ओवर तक टीम का स्कोर तीन विकेट पर 11 रन था। इससे वापसी करना मुश्किल था। सिराज ने पहले धनुष्का गुणतिलक (शून्य) को शार्ट गेंद पर आउट किया जिसे इस बल्लेबाज ने पुल करने की कोशिश की थी।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका : पथुम निसंका का वेंकटेश बो आवेश 01, धनुष्का गुणतिलक बो सिराज 00, चरिथ असलंका का सैमसन बो आवेश 04, जनित लियानगे बो बिश्नोई 09, दिनेश चांदीमल का वेंकटेश बो हर्षल 25, दासुन शनाका नाबाद 74, चमिका करूणारत्ने नाबाद 12
अतिरिक्त : 21
कुल योग : (20 ओवर में पांच विकेट पर) 146 रन
विकेट पतन: 1-1, 2-5, 3-11, 4-29, 5-60
गेंदबाजी: सिराज 4-0-22-1, आवेश 4-0-23-2, हर्षल 4-0-29-1, कुलदीप 4-0-25-0, बिश्नोई 4-0-32-1
भारत : संजू सैमसन का चांदीमल बो करुणारत्ने 18, रोहित शर्मा का करुणारत्ना बो चमीरा 05, श्रेयस अय्यर नाबाद 73, दीपक हुड्डा बो लाहिरू 21, वेंकटेश अय्यर का स्थानापन्न बो लाहिरू 05, रविन्द्र जडेजा नाबाद 22
अतिरिक्त : (वाइड 04) : 04
कुल योग: (16.5 ओवर में चार विकेट पर) 148 रन
विकेट पतन: 1-6, 2-51, 3-89, 4-103
गेंदबाजी: फर्नांडो 4-0-36-0, चमीरा 3-0-19-1, लाहिरू 3.5-0-39-2, करुणारत्ने 3.4-0-31-1, वांडरसे 2.2-0-24-0

सिर में चोट लगने से इशान किशन तीसरे टी-20 से बाहर

भाषा। धर्मशाला

भारतीय सलामी बल्लेबाज इशान किशन पिछले मैच के दौरान सिर पर चोट लगने के कारण रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय से बाहर हो गए और बीसीसीआई ने कहा कि उनके सीटी स्कैन की रिपोर्ट सामान्य है।

उन्हें शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनके सिर का स्कैन किया गया। शनिवार को दूसरे मैच में 15 गेंदों पर 16 रन बनाने वाले किशन भारतीय पारी के दौरान चौथे ओवर में लाहिरू कुमारा के बाउंसर पर चोटिल हो गए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने एक बयान में कहा कि इशान श्रीलंका के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय से बाहर हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि शनिवार को धर्मशाला में दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय में बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया के विकेटकीपर इशान किशन के सिर में चोट लग गई थी। टीम डॉक्टर के साथ उन्हें बीती रात चेक-अप के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां एक सीटी स्कैन किया गयाज जिसकी रिपोर्ट सामान्य है। बीसीसीआई ने कहा कि उनकी चिकित्सा टीम कनकशन के लक्षण की निगरानी रखना जारी रखेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने सिर में चोट लगने के बाद तुरंत अपना हेलमेट उतारा जिसके बाद भारतीय चिकित्सा दल ने मैदान पर ही उनकी जांच की।

इससे पहले बीसीसीआई के सूत्र ने कहा कि लाहिरू कुमारा का बाउंसर सिर पर लगने के बाद इशान किशन को स्कैन के लिए फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उन्होंने कहा कि किशन को एहतियात के तौर पर रात भर अस्पताल में ही रखा गया।

अब मयंक अग्रवाल या वेंकटेश अय्यर कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं। बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और सूर्यकुमार यादव तथा तेज गेंदबाज दीपक चाहर चोटिल होने के कारण पहले ही टीम से बाहर हो गए थे।

भारत तीन मैचों की श्रृंखला में पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुका है।

हरमनप्रीत ने शतक जड़कर फॉर्म दिखाई भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

महिला वनडे विश्व कप अभ्यास मैच

भाषा। रंगियोरा (न्यूजीलैंड)

मध्यक्रम की अनुभवी बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर ने अपने नैसर्गिक अंदाज में बल्लेबाजी करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के अभ्यास क्रिकेट मैच में रविवार को शतक जमाया जिससे भारतीय टीम ने रंगियोरा ओवल में खेले इस मैच में दो रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

हरमनप्रीत पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिए जूझ रही थी लेकिन उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम वनडे में 63 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की थी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम के पहले अभ्यास मैच में 114 रन की लाजवाब पारी खेली जो चार मार्च से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले मिताली राज की अगुवाई वाली टीम के लिए अच्छे संकेत हैं।

हरमनप्रीत ने अपनी 119 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। उनके अलावा यास्तिका भाटिया ने 78 गेंदों पर 58 रन की पारी खेली। इससे भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के शुरू में ही सिर पर चोट लगने के कारण रिटायर्ड हर्ट हो जाने के बावजूद नौ विकेट पर 244 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट पर 242 रन ही बना पाई। पिछले साल भारतीय टीम को उसकी धरती पर हराने वाले दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लॉरा वालवार्ट ने 75 और कप्तान सुन लुस ने 94 रन बनाए। भारत के लिए बाएं हाथ की स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ ने 46 रन देकर चार विकेट लिए। इससे पहले मैच शुरू होने के कुछ देर बाद ही तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल का बाउंसर बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना के हेलमेट पर लगा जिसके कारण उन्हें नौवें ओवर में रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटना पड़ा। मंधाना ने तब 12 रन बनाए थे।

भारतीय टीम के चिकित्सकों ने 25 वर्षीय मंधाना की जांच की और शुरू में वह खेल जारी रखने के लिए फिट लग रही थी लेकिन चिकित्सकों से दोबारा परामर्श करने पर वह एक ओवर बाद रिटायर्ड हर्ट हो गई।

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम 24 साल बाद पाक पहुंची

इस्लामाबाद। आस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम पिछले 24 वर्षों में अपने पहले पाकिस्तान दौरे पर रविवार को पहुंची। छह सप्ताह के इस दौरे में आस्ट्रेलिया की टीम तीन टेस्ट, तीन वनडे और एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। आस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 1998 में पाकिस्तान का दौरा किया था। तब उसने टेस्ट श्रृंखला 1-0 से जीती थी जबकि सीमित ओवरों के सभी मैच जीते थे। श्रीलंका की टीम बस पर 2009 में आतंकी हमले के बाद विदेशी टीम पाकिस्तान का दौरा करने से कतराती रही हैं। आस्ट्रेलिया ने पांच साल पहले लाहौर में चर्च में आत्मघाती विस्फोट के बाद अपना दौरा रद्द कर दिया था। पाकिस्तान ने पिछले छह वर्षों में जिम्बाब्वे, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी की है, लेकिन आस्ट्रेलिया पहली शीर्ष टीम है जो पूर्ण द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए पाकिस्तान का दौरा कर रही है।

डि ग्रैंडहोम के शतक के बावजूद दक्षिण अफ्रीका को मिली बढ़त

एपी। क्राइस्टचर्च

कोलिन डि ग्रैंडहोम के नाबाद 120 रन के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 71 रन की बढ़त लेने के बाद रविवार को यहां तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में पांच विकेट पर 140 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। दक्षिण अफ्रीका की कुल बढ़त अब 211 रन की हो गई है।

स्टंप्स के समय काइल वैरेन 22 और वियान मुलडर 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। दोनों ने छठे विकेट के लिए अब तक 26 रन की साझेदारी कर ली है। न्यूजीलैंड ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 157 रन से की और कल के नाबाद बल्लेबाज डेरिल मिशेल और कोलिन डि ग्रैंडहोम ने दिन के शुरुआती 18 ओवर तक दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को सफलता से दूर रखा।

केशव महाराज (एक विकेट) ने मिशेल को पगबाधा कर उनकी और डि ग्रैंडहोम की छठे विकेट के लिए 133 रन की साझेदारी को तोड़ा। मिशेल ने 134 गेंद में आठ चौके की मदद से 60 रन बनाए।

डि ग्रैंडहोम को हालांकि 90 के आंकड़े से सौ रन तक पहुंचने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा लेकिन उन्होंने पारी के 72वें ओवर में महाराज के खिलाफ तीन रन दौड़कर टेस्ट में अपना दूसरा शतक पूरा किया। कैगिसो रबाडा ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर करियर में 11वीं बार पांच विकेट लेने कारनामा करते हुए न्यूजीलैंड की पारी को 293 रन पर खत्म किया। मार्को जानसेन ने चार विकेट चटकाए।

न्यूजीलैंड ने इसके बाद 38 रन के अंदर दक्षिण के तीन बल्लेबाजों सारेल इरविन (आठ), कप्तान डीन एल्गर (13) और एडेन मार्कराम (14) को पवेलियन भेज मैच में वापसी की लेकिन रासी वेन डेर डुसेन (45) ने तेम्बा बावुमा (23) के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी कर टीम के स्कार को 100 रन के पार पहुंचाया।

न्यूजीलैंड के लिए टीम साउदी और नील वेगनर ने दो-दो जबकि मैट हेनरी ने एक विकेट लिया।

गोला फेंक में आभा व तेजिंदर पाल चमके

पटियाला। गोला फेंक खिलाड़ी आभा खटुआ और तेजिंदरपाल सिंह तूर ने पहले राष्ट्रीय ओपन थ्रो प्रतियोगिता में रविवार को शानदार प्रदर्शन किया। 26 साल की आभा खटुआ ने एक स्पर्धा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हेप्टाथलॉन छोड़ने का फैसला किया और 17.09 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण अपने नाम किया। वह 17 मीटर के निशान को पार करने वाली केवल तीसरी भारतीय महिला गोला फेंक खिलाड़ी है।

तूर ने 19.94 मीटर के प्रयास के साथ जीत दर्ज की। इस 27 साल के खिलाड़ी का हालांकि तीनों प्रयास स्वर्ण के लिए काफी था। करणवीर सिंह 19.17 मीटर के प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। तारगोला फेंक में सरिता सिंह ने 2018 एशियाई खेलों के बाद पहली बार 60 मीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए 61.78 मीटर दूर गोला फेंका।

विकास और राहुल राष्ट्रमंडल के लिए क्वालीफाई

सिंगापुर। भारतीय भारोत्तोलक विकास ठाकुर और वेंकट राहुल रगाला ने यहां सिंगापुर भारोत्तोलन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के पुरूष 96 किग्रा वर्ग में रविवार को क्रमश: स्वर्ण और कांस्य पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई किया। भारत ने इस तरह प्रतियोगिता में अपना अभियान आठ पदकों से समाप्त किया जिसमें छह स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी भारतीय भारोत्तोलकों ने राष्ट्रमंडल खेलों का टिकट कटाया जिसमें ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू भी शामिल हैं जिन्होंने अपने नए 55 किग्रा वजन वर्ग में क्वालीफाई किया। ठाकुर ने कुल 339 किग्रा का वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया जिसमें केवल तीन भारोत्तोलक ही हिस्सा ले रहे थे। वहीं 85 किग्रा वर्ग में मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन रगाला 328 किग्रा के प्रयास से तीसरे स्थान पर रहे।

निकहत और नीतू ने स्वर्ण पदक जीता

स्ट्रैंड्जा मेमोरियल मुक्केबाजी

भाषा। नई दिल्ली

निकहत जरीन

नीतू

भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन (52 किग्रा) और नीतू (48 किग्रा) ने बुल्गारिया के सोफिया में 73वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में रविवार को अपने-अपने फाइनल मैच को जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किए।

नीतू ने फाइनल में पूर्व युवा विश्व चैंपियनशिप कांस्य-पदक विजेता इटली की एरिका प्रिसियांडारो को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने निकहत ने तीन बार की यूरोपीय चैम्पियनशिप की तीन बार की पदक विजेता यूक्रेन की तेतियाना कोब को 4-1 से पटखनी दी।

भारत ने इस प्रकार मौजूदा सत्र को तीन पदकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। इन दोनों के अलावा नंदिनी (81 किग्रा) कांस्य के साथ देश की तीसरी पदक विजेता रही। कई बार की राष्ट्रीय पदक विजेता हैदराबाद की जरीन 2019 में स्ट्रैंड्जा मेमोरियल में स्वर्ण पदक जीत चुकी है। नीतू दो बार की पूर्व युवा विश्व चैंपियन के साथ एशियाई युवा चैंपियनशिप में पूर्व स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। स्ट्रैंड्जा मेमोरियल यूरोप की सबसे पुरानी मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं में से एक है और इसमें दुनिया भर के कोटी के मुक्केबाज हिस्सा लेते है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2019 में आया था। जब अमित पंघाल, निकहत और मीना कुमारी देवी ने स्वर्ण जीते थे। इसके अलावा टीम ने एक रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किया था। पदकों की संख्या के मामले में भारत ने 2018 में सबसे ज्यादा 11 पदक जीते थे लेकिन इसमें सिर्फ दो स्वर्ण था।

दिल्ली हारकर नॉकआउट की दौड़ से बाहर

रणजी ट्रॉफी राउंडअप

●झारखंड रोमांचक मुकाबले में 15 रन से जीता

भाषा। गुवाहाटी

दिल्ली पर जीत दर्ज करने के बाद झारखंड की टीम

ध्रुव शोरे की शतकीय पारी से अंतिम घंटा काफी रोमांचक हो गया था लेकिन शहबाज नदीम (दोनों पारियों में पांच-पांच विकेट) की शानदार गेंदबाजी ने झारखंड को रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप एच मुकाबले में जीत दिलाकर दिल्ली को क्वार्टर फाइनल की दौड़ से बाहर कर दिया। शोरे ने 177 गेंद में 136 रन की शानदार पारी खेलकर दिल्ली को 335 रन के लक्ष्य तक पहुंचने के करीब पहुंचा दिया लेकिन अंतिम आधे घंटे में टीम दबाव में आ गई जिसमें नदीम (31 ओवर में 83 रन देकर पांच विकेट) और साथी स्पिनर अनुकूल रॉय (20.4 ओवर में 71 रन देकर दो विकेट) ने रन बनाना मुश्किल कर दिया। इससे झारखंड ने अंतिम ओवर में 15 रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

दिल्ली के कप्तान प्रदीप सांगवान को पदार्पण कर रहे विकेटकीपर कुमार कुशाग्र ने स्टंप किया। नदीप के मैच में 10 विकेट से सुनिश्चित हो गया कि झारखंड की टीम पूरे अंक लेकर नॉकआउट की दौड़ में बरकरार रहेगी और अब वह अंतिम मैच में तमिलनाडु (छह अंक) से भिड़ेगी। वहीं ग्रुप के एक अन्य मैच में तमिलनाडु की टीम छत्तीसगढ़ पर जीत दर्ज नहीं कर सकी। उसने पहली पारी नौ विकेट पर 470 रन पर घोषित की थी और छत्तीसगढ़ को 304 रन के स्कोर पर समेटकर उसे फॉलो आन दिया था। लेकिन वह आखिरी दिन उसके 172 रन तक आठ ही विकेट चटका सकी थी।

शहबाज के हरफनमौला खेल से बंगाल ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत

कटक। शहबाज अहमद के हरफनमौला खेल के दम पर बंगाल ने रविवार को ग्रुप बी के मैच में हैदराबाद को 72 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। बड़ौदा के खिलाफ उलटफेर कर जीत दर्ज करने वाली बंगाल की सफलता के नायक एक बार फिर वामहस्त हरफनमौला शहबाज रहे। उन्होंने दूसरी पारी में 51 रन का अहम योगदान देने के बाद 16 ओवर में 41 रन देकर तीन विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच शाहबाज ने पहली पारी में भी बल्ले से 40 रन का योगदान देने के बाद एक विकेट लिया था।

बंगाल की पहली पारी की 242 रन के जवाब में हैदराबाद की टीम 205 पर आउट हो गई थी। बंगाल ने दूसरी पारी में 201 रन बनाए जिसके बाद हैदराबाद को जीत के लिए 239 रन का लक्ष्य मिला लेकिन उसकी पूरी टीम दो सत्र के अंदर 166 रन (61.2 ओवर) पर आउट हो गई।

बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने 13.2 ओवर में 41 रन देकर चार विकेट लिए। मुकेश कुमार को दो जबकि इशान पोरेल को एक सफलता मिली। इस जीत से बंगाल को छह अंक मिल और वह ग्रुप तालिका में हैदराबाद को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गया।

पंजाब ने हरियाणा को 10 विकेट से हराकर बोनस सहित सात अंक झटके

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज बलतेज सिंह और बाएं हाथ के स्पिनर अभिषेक शर्मा की शानदार गेंदबाजी से पंजाब ने ग्रुप एफ मैच में रविवार को यहां हरियाणा को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर बोनस सहित सात अंक हासिल किए। हरियाणा ने फॉलोआन करते हुए सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 149 से आगे बढ़ाई लेकिन उसने 54 रन के अंदर बाकी बचे छह विकेट गंवा दिए। इस तरह से उसकी पूरी टीम 203 रन पर आउट हो गई।

पंजाब को 42 रन का लक्ष्य मिला और उसने प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 25) और कप्तान अभिषेक शर्मा (नाबाद 20) की पारियों से बिना किसी नुकसान के 45 रन बनाकर बड़ी जीत दर्ज की। अभिषेक ने इससे पहले 4.5 ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि बलतेज ने 15 ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

सिद्धार्थ कौल ने 75 रन देकर दो विकेट लिए जिससे हरियाणा की टीम लगातार दूसरी पारी में नाकाम रही। उसकी तरफ से निशांत सिंधू ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। पंजाब ने अपनी पहली पारी में 444 रन बनाकर हरियाणा को 282 रन पर आउट करके फॉलोआन के लिए मजबूर किया था।

ग्रुप एफ के एक अन्य मैच में हिमाचल प्रदेश ने त्रिपुरा को शनिवार को मैच के तीसरे दिन ही पारी और 30 रन से हराया था।

कर्नाटक 117 रनो से जीता, रेलवे को ड्रा मैच से तीन अंक

चेन्नई। कर्नाटक ने करुण नायर की शानदार बल्लेबाजी और प्रसिद्ध कृष्णा (10 विकेट) की शानदार गेंदबाजी की मदद से ग्रुप सी के मैच में जम्मू कश्मीर को 117 रन से हराकर पूरे छह अंक हासिल किए जिससे टीम तालिका में नौ अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई। कर्नाटक ने जम्मू कश्मीर को जीत के लिए 508 रन का लक्ष्य दिया था जिसने अंतिम दिन दूसरी पारी में सुबह चार विकेट पर 190 रन से आगे खेलना शुरू किया। कर्नाटक को मैच में जीत के लिए छह विकेट की जरूरत थी। जम्मू कश्मीर के बल्लेबाजों ने ड्रा के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगाया जिसमें उसके लिए कप्तान इयान देव सिंह ने रात की अर्धशतकीय पारी को 110 रन में तब्दील किया और अब्दुल समद ने 21 रन को 70 रन की पारी तक पहुंचाया, लेकिन कर्नाटक के गेंदबाजों ने उसकी उम्मीद तोड़ते हुए पूरी टीम को 390 रन पर आउट कर दिया। कर्नाटक के गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा और श्रेयस गोपाल के चार -चार विकेट झटके जबकि कृष्णप्पा गौतम ने दो विकेट प्राप्त किए। प्रसिद्ध कृष्णा ने जम्मू कश्मीर को पहली पारी में 93 रन पर समेटने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था जिसमें उन्होंने छह विकेट झटके थे। उन्होंने मैच में कुल 10 विकेट चटकाए। वहीं रेलवे ने पुडुचेरी के खिलाफ ड्रा रहे ग्रुप के एक अन्य मैच में तीन अंक हासिल किए जिससे उसके चार अंक हैं। रेलवे ने पुडुचेरी के पहली पारी में 342 रन के जवाब में नौ विकेट पर 525 रन पर पारी घोषित कर बड़ी बढ़त हासिल की थी। पुडुचेरी की टीम ने अंतिम दिन पारस डोगरा के नाबाद 64 और पवन देशपांडे के नाबाद 59 रन से दूसरी पारी में तीन विकेट पर 208 रन बनाए।

राफेल नडाल ने नॉरिस को हराकर कैरियर का 91वां खिताब जीता

एपी। अकापुल्को (**मैक्सिको**)

राफेल नडाल ने इस सप्ताह के शुरू में कहा था कि उन्हें अपने कैरियर के आंकड़ों की जानकारी नहीं है। अब वह इन आंकड़ों पर जरूर गौर करना चाहेंगे। स्पेन के इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने शनिवार को यहां कैमरून नॉरिस को 6-4, 6-4 से हराकर मैक्सिको ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। इससे उन्होंने इस सत्र में अपने रिकार्ड को 15-0 पर पहुंचा दिया जो कि सत्र के शुरू में उनका सर्वश्रेष्ठ रिकार्ड है।

नडाल ने अपना 91वां एटीपी खिताब जीता। यह उनका वर्ष 2022 में तीसरा खिताब है। उन्होंने इस साल आस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब भी जीता था। ओपन युग में सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में नडाल अब तीसरे नंबर पर काबिज इवान लेंडल से केवल तीन खिताब पीछे हैं। जिमी कोनर्स 109 खिताब के साथ शीर्ष पर हैं जबकि उनके बाद रोजर फेडरर का नंबर आता है। नडाल का अकापुल्को में यह कुल चौथा खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2005, 2013 और 2020 में यहां खिताब जीता था। इस बीच युगल फाइनल में फेलिसियानो लोपेज और स्टेफनोस सिटसिपास ने मार्सेलो अरेवालो और जीन जूलियन रोजर को 7-5, 6-4 से हराकर खिताब जीता।

एमबापे के दो गोल से पीएसजी ने बनाई 16 अंकों की बढ़त

पेरिस। स्टार स्ट्राइकर काइलन एमबापे के दो गोल की मदद से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सेंट एटिनी को 3-1 गोल से हराकर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों नीस और मार्सेली पर 16 अंक की बढ़त बना ली है। इस सत्र में कई अवसरों पर आखिरी क्षणों में गोल करके पीएसजी को हार से बचाने वाले एमबापे ने इस मैच में दोनों हॉफ में एक एक गोल किया। इसके बाद उन्होंने मिडफील्डर डेनिलो के गोल में भी मदद की।

रिकार्ड सात बार के बैलन डि ओर विजेता लियोनेल मेस्सी ने एमबापे को दोनों गोल में मदद की। इस जीत से पीएसजी के 26 मैचों में 62 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज नीस से 16 अंक आगे हो गया है। मार्सेली के भी नीस के समान 46 अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर में पीछे है। नीस ने इससे पहले स्ट्रासबोर्ग के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रा खेला था।